THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 122 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.4 2083 रविवार, 2 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

सीजीएचएस घोटाले में 7 आरोपियों को दो साल की कैद

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सीबीआई की नई दिल्ली स्थित कोर्ट ने लोक प्रिया को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी (सीजीएचएस) को धोखाधड़ी से दोबारा शुरू करने के मामले में सात दोषियों को दो साल कैद की सजा सुनाई है। इनमें दो सरकारी कर्मचारी, को-ऑपरेटिव सोसायटी के तत्कालीन रजिस्ट्रार आरके श्रीवास्तव और तत्कालीन असिस्टेंट रजिस्ट्रार पीएन मनचंदा व पांच अन्य आरोपी शामिल हैं। कठोर कैद के अलावा हर एक आरोपी पर 75000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। सीबीआई के अनुसार, इस मामले में पांच प्राइवेट व्यक्ति, केके वाधवा, अनिल कुमार, सुनील कुमार, देवेंद्र पाल सिंह और रवि सलूजा शामिल हैं।

'पहले एयरपोर्ट एक ही परिवार के थे'

भोगपुरम में पीएम ने जनसभा को किया संबोधित

अमरावती, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने शनिवार को मैसूरु में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र, 'विवेक स्मारक' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत का युवा जो पहले जंजीरों में था आज आगे बढ़ रहा है। युवाओं की वजह से भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है। इससे पहले, मोदी आंध्र प्रदेश में थे। उन्होंने अमरावती में कहा, 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।' उन्होंने कहा, 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा। इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।' पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस हवाई अड्डे के निर्माण पर करीब 5,000 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। आंध्र प्रदेश सरकार इस आधुनिक हवाई अड्डे को पूरे उत्तर आंध्र क्षेत्र के विकास के लिए बहुत अहम मान रही है। सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इसके बाद वह राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ हवाई अड्डा का निरीक्षण करने पहुंचे। इसके बाद प्रधानमंत्री खुली छत वाले वाहन से जनसभा स्थल पहुंचे।

वहां जनजातीय समुदाय की 13,500 से अधिक महिलाओं और छात्र-छात्राओं ने ढिमसा नृत्य करके उनका भव्य स्वागत किया। भोगपुरम में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा, दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देश नए नेतृत्व की तलाश में संकट का सामना कर रहे हैं। भारत भाग्यशाली है कि उसके पास परखा हुआ नेतृत्व है। नरेंद्र मोदी जी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 साल पूरे किए हैं और असाधारण काम किया है। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए, स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम है। मुझे इस सुअवसर पर उत्तर आंध्र की इस पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा, आज यहां करीब 18 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। हवाई अड्डे के साथ साथ ये परियोजनाएं आंध्र प्रदेश के सड़क संपर्क से भी जुड़ी हैं।

सीबीआई ने रिलायंस कैपिटल पर 1816.22 करोड़ का धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त एक लिखित शिकायत के आधार पर 31.07.2026 को एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। यह एफआईआर मेसर्स रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, मुंबई, इसके पूर्व अध्यक्ष अनिल डी. अंबानी, अज्ञात लोक सेवकों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई है। इन पर आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक दुराचार जैसे अपराधों के माध्यम से 808.67 करोड़ रुपये के ब्याज दायित्व के साथ-साथ 1,007.55 करोड़ रुपये का सदोष नुकसान पहुंचाने का आरोप है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2013 और 2014 के दौरान, रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) ने सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी किए थे, जिसमें ईपीएफओ ने रिलायंस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड सहित चार पोर्टफोलियो प्रबंधकों के माध्यम से 2,500 करोड़ का निवेश किया था। इन एनसीडीएस की परिपक्वता वर्ष 2023 और 2024 के दौरान होनी थी। आगे यह भी आरोप है कि आरोपियों ने धोखाधड़ी वाले लेनदेन और धन के विचलन को अंजाम दिया, जिसके परिणामस्वरूप रिलायंस कैपिटल लिमिटेड द्वारा एनसीडी के मोचन में चूक हुई और ईपीएफओ को कुल 1,816.22 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सार्वजनिक सेवकों और निजी व्यक्तियों सहित शामिल सभी व्यक्तियों की भूमिका की पहचान करने, कथित आपराधिक षड्यंत्र की जांच करने और निवेश किए गए धन के अंतिम उपयोग का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

आजादी का मतलब केवल मनमानी नहीं : अजीत डोभाल

आज की पीढ़ी को इसका सही मतलब समझना होगा, ये लंबे संघर्ष के बाद मिली है

पुणे, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को पुणे में कहा, ' युवाओं को यह समझना होगा कि आजादी का मतलब केवल अपनी मर्जी से कुछ भी करने की मनमानी नहीं है।' कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'युवा आजादी को केवल अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी करने की स्वतंत्रता समझ सकते हैं, लेकिन आजादी का वास्तविक अर्थ यह नहीं है। हमें यह समझाना होगा कि देश की आजादी के पीछे एक लंबा संघर्ष और इतिहास रहा है।' दरअसल, 1 अगस्त को अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिला। इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

डोभाल ने अधिकारों के दुरुपयोग पर जताई चिंता

एनएसए ने कहा कि आंज के युवाओं को सोचना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अगर ऐसे विचार मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा। शाह ने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी द्वारा लिए गए पहले फैसलों में से एक अजीत डोभाल को एनएसए नियुक्त करना था। उन्होंने कहा कि इस कदम ने भारत के रणनीतिक रुख को बदल दिया। आज भारत की विदेश नीति में फौलाद जैसी मजबूती है और हमने आत्मसम्मान के साथ दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है।

भागवत बोले-नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 25 जुलाई को दिल्ली में कहा, 'आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे हैं। जेन-जी यानी 1997-2012 के बीच जन्मी पीढ़ी डिजिटल युग में बड़ी हुई है।

कुलगाम आतंकी हमले की राहुल गांधी ने की निंदा

दोषियों को मिले कड़ी से कड़ी सजा

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। इस हमले में छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। राहुल गांधी ने इस घटना को 'बेहद दुखद' बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए दुस्साहसी आतंकी हमले में देश के दो श्रमिकों की हत्या अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। आतंकियों के ऊपर इस कायराना हमले के लिए सख्त कार्रवाई हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। आतंकवाद के खिलाफ देश हमेशा एकजुट है। यह हमला शुक्रवार शाम कुलगाम जिले के केल्लम गांव में हुआ था। आतंकियों ने छत्तीसगढ़ के दो ईंट-भट्ठा मजदूरों पर गोलीबारी की, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अनंतनाग स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। घायलों में दीपक की शुक्रवार रात अस्पताल में मौत हो गई। दूसरे घायल बोपिंदर को बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस), सौरा रेफर किया गया, जहां शनिवार सुबह उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

'पहले पहचान, फिर निर्वासन'

✻ विदेशी नागरिकों पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रखा पक्ष

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि जिस विदेशी नागरिक की राष्ट्रीयता की पुष्टि नहीं हुई है, उसे उसके देश से पुष्टि और स्वीकार्यता मिलने तक निर्वासित नहीं किया जा सकता।

यह बात गृह मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में कही है। हलफनामा उस याचिका पर दायर किया गया है, जिसमें असम में विदेशी घोषित किए गए ऐसे लोगों को अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखने को चुनौती दी गई है, जिनके निर्वासन की कोई संभावना नहीं है। केंद्र सरकार ने हलफनामे में कहा, जिस विदेशी नागरिक की राष्ट्रीयता अज्ञात या सत्यापित नहीं है, उसे उसके मूल देश में तभी भेजा जा सकता है, जब उसकी राष्ट्रीयता की पुष्टि हो जाए, उसके पास वैध यात्रा दस्तावेज हों या संबंधित देश उसे स्वीकार करने के लिए सहमत हो। राष्ट्रीयता का सत्यापन किए बिना निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती। केंद्र के अनुसार, किसी विदेशी नागरिक को संबंधित राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेश या विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) तब निर्वासित कर सकता है, जब उसकी सजा पूरी हो जाए या अदालत की कार्यवाही समाप्त हो जाए। इसके लिए यह भी आवश्यक है कि संबंधित व्यक्ति के पास वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज हो और उसके खिलाफ कोई अन्य आपराधिक मामला लंबित न हो।

गृह मंत्रालय ने कहा कि किसी विदेशी नागरिक को निर्वासित करने से पहले संबंधित देश के दूतावास या उच्चायोग के माध्यम से उसकी राष्ट्रीयता का सत्यापन कराया जाना जरूरी है। हलफनामे में कहा गया है कि राष्ट्रीयता की पुष्टि की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही संबंधित देश के दूतावास या उच्चायोग से आवश्यक यात्रा दस्तावेज प्राप्त किए जा सकते हैं और उसके बाद ही निर्वासन की कार्रवाई संभव होगी।

'नियुक्ति में वजह न बताने से आते हैं अयोग्य जज'

जस्टिस भुइयां ने कॉलेजियम पर कह दी बहुत बड़ी बात

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने शनिवार को कहा कि जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की सिफारिशों में वजहें न बताना जजों के साथ अन्याय है और यह जनहित के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम के फैसलों में इस तरह की पारदर्शिता की कमी से ऐसे अयोग्य उम्मीदवार न्यायपालिका में आ जाते हैं, जो बाद में असंवैधानिक बातें कहते हैं। यह जज कानूनी थिंक-टैंक 'विधि' की जेएएलडीआई पहल की रिपोर्ट 'द ज्यूडिशियल ट्रांसपेरेंसी इंडेक्स: असेसिंग डिस्क्लोजर ऑफ इन्फॉर्मेशन बाय द सुप्रीम कोर्ट एंड द हाई कोर्ट्स' के लॉन्च पर आयोजित एक पैनल चर्चा में बोल रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भुइयां ने कहा, 'वजहें न बताकर कॉलेजियम असल में उन कई जजों के साथ अन्याय करती है जो सच में बेहतरीन हैं और जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। इसके उलट, वजहें छिपाने से हम ऐसे लोगों के लिए न्यायपालिका में जगह बनाते हैं जो बाद में लोगों के समूहों की तुलना 'चींटियों' से कर सकते हैं और ऐसी बातें कह सकते हैं जो पूरी तरह से असंवैधानिक हैं और संविधान के मूल्यों के खिलाफ हैं।' वजहें न बताकर कॉलेजियम असल में उन कई जजों के साथ अन्याय करती है जो सच में बेहतरीन हैं और जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। इसके उलट वजहें छिपाने से हम ऐसे लोगों के लिए न्यायपालिका में जगह बनाते हैं जो बाद में लोगों के समूहों की तुलना चींटियों से कर सकते हैं और ऐसी बातें कह सकते हैं जो पूरी तरह से असंवैधानिक हैं और संविधान के मूल्यों के खिलाफ हैं।

ई20 फ्यूल का विरोध-केजरीवाल पीएम आवास तक मार्च निकालेंगे

पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल भी मिले, सरकार इसे थोपे नहीं

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा, 'पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को शुद्ध पेट्रोल और E 20 के बीच चुनने का विकल्प दिया जाए। अगर ये मांग नहीं मानी जाती है तो 4 अगस्त को पीएम आवास तक मार्च निकाला जाएगा।' यह बात केजरीवाल ने ई20 फ्यूल के मुद्दे पर बुलाई 'नेशनल टाउन हॉल' में कही। उन्होंने बताया कि वे 3 अगस्त की दोपहर तक याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ पीएम आवास तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है। सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है।

केजरीवाल बोले-इथेनॉल पेट्रोल से महंगा

केजरीवाल ने कहा, 'इथेनॉल बनाने वाले प्लांट के आस-पास के इलाकों में जमीन के नीचे का पानी प्रदूषित हो जाता है। मेरी सरकार से अपील है कि वह उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करे, जिसका हवाला देकर सरकार ने दावा किया था कि ई20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है। नेशनल टाउन हॉल' में कई राज्यों के लोग शामिल हुए। उन्होंने ई20 के इस्तेमाल को लेकर अपने अनुभव और समस्याओं के बारे में बताया जिनका सामना उन्हें अपने वाहनों के साथ करना पड़ रहा है। भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (ई20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है। इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं। आप ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक ऑनलाइन याचिका शुरू की थी, जिस पर दो लाख से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। शनिवार के कार्यक्रम के बाद, वह प्रधानमंत्री आवास जाकर यह याचिका सौंपेंगे।

मल्लिकार्जुन खरगे का दावा

पहचान पूछने के बाद मजदूरों को मारी गई गोली

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकियों ने दोनों मजदूरों की पहचान करने के बाद उन्हें निशाना बनाया।

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत निंदनीय और मानवता को शर्मसार करने वाला है। दो निर्दोष मजदूरों की पहचान पूछकर उनकी निर्मम हत्या करना आतंक की क्रूर मानसिकता का घिनौना उदाहरण है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाए हैं। दोषियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उन्हें कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट में लिखा, कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला

पांच साल में घर नहीं बनाया तो वापस होगा प्लॉट

बंगलूरू, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि अगर बंगलूरू विकास प्राधिकरण (बीडीए), पूर्व शहर सुधार न्यास बोर्ड (सीआईटीबी), नगर निकायों या सहकारी समितियों की ओर से दिए गए भूखंड पर पांच साल के भीतर घर नहीं बनाया गया, तो सरकार उसे वापस ले लेगी। हालांकि, भूखंड खरीदने के लिए जमा की गई रकम ब्याज सहित लौटा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि खाली पड़े भूखंड कूड़ा फेंकने की जगह न बन जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार से जमीन पाने वाले लोगों की जिम्मेदारी है कि वे उस पर घर बनाएं और अपनी संपत्ति की देखभाल करें। हेब्बल जंक्शन के पास 'फ्रीडम फ्रॉम वेस्ट' अभियान की शुरुआत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, चाहे वह बीडीए का भूखंड हो या नगर निगम का, मालिक की जिम्मेदारी है कि वह उसे साफ रखे। इसलिए भूखंड मिलने के पांच साल के भीतर घर बनना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो या तो दोगुना कर (टैक्स) लगाया जाएगा या फिर भूखंड वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब भूखंड पर घर नहीं बनता, तो वह कूड़ा फेंकने की जगह बन जाता है। इसी वजह से यह फैसला लिया गया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार सच में उन भूखंडों को वापस ले लेगी, जहां घर नहीं बने हैं, तो शिवकुमार ने कहा, इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। हमें ऐसा करना पड़ेगा।

शौर्य चक्र विजेताओं सहित पदोन्नति में पिछड़े कैडर अफसर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

> सीएपीएफ अधिनियम को चुनौती

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्र भारत के विधिक इतिहास में इसे एक अभूतपूर्व घटनाक्रम कहा जाएगा कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लगभग तीन हजार कैडर अफसरों ने सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इन कैडर अफसरों में शौर्य चक्र विजेताओं के अलावा महिला अधिकारी भी शामिल हैं। सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी के कैडर अधिकारियों द्वारा याचिका लगाने की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सर्वोच्च अदालत में इन सभी याचिकाओं पर अगस्त के पहले सप्ताह में सुनवाई होने की संभावना है।

संसद में कुछ समय पहले पारित हुए सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने वाले प्रमुख याचिकाकर्ताओं में बिभोर कुमार सिंह (शौर्य चक्र विजेता) एवं अन्य बनाम भारत सरकार, किशोर सिंह बिष्ट 'पीएमजी' एवं अन्य बनाम भारत सरकार, संजय प्रकाश एवं अन्य बनाम भारत सरकार, भवानी सिंह एवं अन्य बनाम भारत सरकार, अमित कुमार (शौर्य चक्र विजेता) एवं अन्य बनाम भारत सरकार शामिल हैं।

इनके अलावा 21 महिला अधिकारी भी याचिकाकर्ता हैं। फिलहाल सीआरपीएफ के लगभग 1400 याचिकाकर्ता, बीएसएफ के 500 से अधिक, आईटीबीपी के 432, सीआईएसएफ के 34 और एसएसबी के 110 कैडर अफसरों की तरफ से याचिकाएं लगाई जा चुकी हैं। पूर्व कैडर अफसरों का कहना है कि याचिकाओं की संख्या 3500 से ज्यादा पहुंचने की संभावना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मई 2025 में संजय प्रकाश एवं अन्य बनाम भारत सरकार मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय दिया गया था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने सीएपीएफ के ग्रुप 'ए' कार्यपालक संवर्ग को संगठित ग्रुप 'ए' सेवा (ओजीएएस) घोषित करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए थे। उनमें आईजी लेवल तक आईपीएस प्रतिनियुक्ति में चरणबद्ध तरीके से कमी लाना, ताकि संवर्ग अधिकारियों को स्वाभाविक पदोन्नति का अवसर मिल सके। नियमित कैडर समीक्षा हो, नए सेवा नियमों का निर्माण तथा नॉन-फंक्शनल फाइनेंशियल अपग्रेडेशन (एनएफएफयू) लागू कर दीर्घकालीन पदोन्नति ठहराव को दूर करना शामिल था। केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ संसद में 'सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026' पारित करा दिया। इस बाबत पूर्व कैडर अफसरों, मौजूदा अधिकारियों और विपक्षी दलों का पुरजोर विरोध देखने को मिला था।

पेपर लीक के दिन लदे : नए विधेयक को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी

दो महीने में जांच और 10 साल तक की जेल का प्रावधान

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और अन्य अनुचित तरीकों पर लगाम कसने के उद्देश्य से लाए गए पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों से इसी सप्ताह पारित किया गया था। शुक्रवार को कानून मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना में राष्ट्रपति की स्वीकृति की जानकारी दी गई।

संशोधित कानून के तहत अब प्रश्नपत्र लीक से जुड़े मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य मामलों का जल्द निस्तारण सुनिश्चित करना और दोषियों के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई करना है। नए प्रावधानों के अनुसार, सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक कराने या अन्य अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले दोषियों को कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की कैद की सजा हो सकती है। इसके साथ ही उन पर 50 लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा। यदि प्रश्नपत्र लीक या परीक्षा में धांधली किसी संगठित अपराध के तहत की जाती है, तो ऐसे मामलों में दोषियों के लिए कम से कम 7 वर्ष की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, ऐसे मामलों में 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा। संशोधित कानून में प्रत्येक राज्य में फास्ट-ट्रैक अदालतों की स्थापना का प्रस्ताव है, ताकि प्रश्नपत्र लीक और सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं से जुड़े मामलों की सुनवाई तेजी से हो सके और दोषियों को जल्द सजा मिल सके।

बुजुर्ग बोले–नाबालिग ही नहीं, कर्मचारी भी करते थे मारपीट :पिटाई के वीडियो के बाद नया खुलासा

इंदौर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के बाणगंगा स्थित प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम में नाबालिग द्वारा बुजुर्गों की डंडे से पिटाई का वीडियो सामने आने के बाद मामले में नए खुलासे हो रहे हैं। आश्रम से दूसरे स्थानों पर शिफ्ट किए गए बुजुर्गों ने दावा किया है कि आश्रम में मारपीट की घटनाएं नई बात नहीं है। उनका आरोप है कि नाबालिग के अलावा कुछ कर्मचारी भी गलती होने पर बुजुर्गों के साथ मारपीट और गाली-गलौज करते थे। बुजुर्गों के मुताबिक आश्रम की संचालिका ने कभी उनके साथ मारपीट नहीं की, लेकिन उनके अनुपस्थित रहने पर कुछ कर्मचारियों का व्यवहार बेहद सख्त रहता था। फिलहाल दो पुरुष और एक महिला बुजुर्ग एमवाय अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका उपचार जारी है। वहीं, आश्रम में सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे होने की बात सामने आई है।

›'पीएम विक्टिम कार्ड खेलने का मज़ा लेते हैं'

नीट और राम मंदिर विवाद पर जयराम रमेश ने माफ़ी की मांग की

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के सीनियर नेता जयराम रमेश ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विक्टिम कार्ड खेलने का आरोप लगाया और कई मुद्दों पर उनसे माफ़ी की मांग की। इन मुद्दों में कथित नीट-यूजी पेपर लीक, राम मंदिर चंदे से जुड़ा विवाद और 2016 की नोटबंदी शामिल हैं। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अक्सर खुद को पीड़ित बताकर अपने पहले के प्रधानमंत्रियों और राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाते हैं।

रमेश ने लिखा, खुद को 'नॉन-बायोलॉजिकल' बताने वाले पीएम को विक्टिम कार्ड खेलने में मज़ा आता है।

वह अपने पहले के प्रधानमंत्रियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ़ बहुत बुरी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वह अक्सर उन्हें बदनाम करने के लिए झूठ बोलते हैं - न सिर्फ़ अपने सार्वजनिक भाषणों में, बल्कि संसद में भी। वह संसद के अंदर और बाहर गाली-गलौज करने वालों की एक फ़ौज छोड़ देते हैं और उन्हें पूरी सुरक्षा देते हैं।

कांग्रेस महासचिव ने नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) में कथित गड़बड़ियों और हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान छात्रों के खिलाफ़ पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, पूरा देश चाहता है कि पीएम उन लाखों युवाओं को हुई तकलीफ़ के लिए माफ़ी मांगें, जो पेपर लीक से भरी एनटीए व्यवस्था और उनके गृह मंत्रालय की मंज़ूरी से छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई बर्बरता के कारण हुई है।

रमेश ने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री को राम मंदिर ट्रस्ट को दिए गए चंदे से जुड़े विवाद पर भी माफ़ी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, पूरा देश पीएम से राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए 'चंदा चोरी, आस्था के साथ धोखा' के लिए माफ़ी का इंतज़ार कर रहा है।

इस ट्रस्ट के गठन की घोषणा उन्होंने खुद 5 फरवरी, 2020 को लोकसभा में बड़े ज़ोर-शोर से की थी। केंद्र सरकार के 8 नवंबर, 2016 के नोटबंदी के फ़ैसले का ज़िक्र करते हुए, रमेश ने इस कदम पर कांग्रेस की पुरानी आलोचना को दोहराया।

आंध्र हाई कोर्ट का कहना है कि फ़ैसला एक पब्लिक डॉक्यूमेंट है

विजयवाड़ा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने लोगों को उस फ़ैसले में की गई टिप्पणियों का ज़िक्र करने या इस्तेमाल करने से रोकने से इनकार कर दिया है, जिसमें काकीनाडा में करोड़ों रुपये की म्युनिसिपल ज़मीन हड़पने की कथित साज़िश की एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से जांच का आदेश दिया गया था। चीफ़ जस्टिस लिसा गिल और जस्टिस चल्ला गुणरंजन की डिवीज़न बेंच ने स्पेशल गवर्नमेंट प्लीडर (एसजीपी) सिंगामनेनी प्रणति की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने सिंगल जज के फ़ैसले में उनके ख़िलाफ़ की गई टिप्पणियों के इस्तेमाल या प्रचार-प्रसार को रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की थी। बेंच ने कहा कि फ़ैसला एक पब्लिक डॉक्यूमेंट है जो पहले से ही पब्लिक डोमेन में है, इसलिए ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जा सकता। हालांकि, बेंच ने अगली सुनवाई तक प्रणति के ख़िलाफ़ सिंगल जज के फ़ैसले में की गई प्रतिकूल टिप्पणियों पर अमल करने और उनके ख़िलाफ़ एसीबी जांच पर रोक लगा दी।

रिश्तेदार ने नाबालिग को अगवा कर होटल में रेप किया:धमकाकर छोड़ा

शादी का प्रस्ताव ठुकराने से था नाराज; केस दर्ज

ग्वालियर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि रिश्तेदारी का एक युवक बातचीत करने के बहाने किशोरी को कार में बैठाकर ले गया और होटल में ले जाकर जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले आरोपी के परिजनों ने किशोरी के लिए रिश्ते का प्रस्ताव रखा था, लेकिन नाबालिग होने के कारण उसके परिजनों ने इनकार कर दिया था।

इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर वारदात को अंजाम दिया। घटना 25 जुलाई की बताई जा रही है। डरी-सहमी किशोरी ने छह दिन बाद परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में शुक्रवार को मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पवन कल्याण की पत्नी अन्ना कोनिडेला ने हाथी और बाघ को गोद लिया

विशाखापत्तनम, 1 अगस्त (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम के. पवन कल्याण की पत्नी अन्ना कोनिडेला ने इंदिरा गांधी जूलॉजिकल पार्क (आईजीजेडपी) के 'एनिमल अडॉप्शन प्रोग्राम' (जानवर गोद लेने के कार्यक्रम) के तहत एक एशियाई हाथी और एक रॉयल बंगाल टाइगर को एक साल के लिए गोद लिया है। आईजीजेडपी की क्यूरेटर जी। मंगम्मा के अनुसार, यह गोद लेने की प्रक्रिया अन्ना कोनिडेला के 1 अगस्त को आने वाले जन्मदिन के मौके पर हुई है। उन्होंने एशियाई हाथी की देखभाल और रखरखाव के लिए 4.30 लाख रुपये और रॉयल बंगाल टाइगर के लिए 2 लाख रुपये दिए, जिससे उनका कुल योगदान 6.30 लाख रुपये हो गया।

इस पैसे का इस्तेमाल गोद लेने की अवधि के दौरान जानवरों की देखभाल के लिए किया जाएगा, जिसमें उनका खान-पान, इलाज, उनके रहने की जगह को बेहतर बनाना और उनकी भलाई से जुड़े अन्य काम शामिल हैं। क्यूरेटर ने 'एनिमल अडॉप्शन प्रोग्राम' के ज़रिए ज़ू के संरक्षण प्रयासों में मदद करने के लिए अन्ना कोनिडेला का धन्यवाद किया और कहा कि ऐसी पहल से वन्यजीव संरक्षण और जानवरों की भलाई के कामों में लोगों की भागीदारी बढ़ती है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत कोई भी व्यक्ति, परिवार, शिक्षण संस्थान, संगठन या कॉर्पोरेट संस्था ज़ू में रहने वाले जानवरों के रखरखाव में योगदान देकर उन्हें गोद ले सकती है। इस पहल का मकसद कैद में रखे गए जानवरों की भलाई में मदद करना और साथ ही वन्यजीव संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना है। आईजीजेडपी ने यह भी बताया कि 'एनिमल अडॉप्शन प्रोग्राम' के तहत दिए गए दान पर टैक्स में छूट मिलती है।

पलनाडू की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 15.49 लाख वोटर; पुरुषों से ज़्यादा महिला वोटर

गुंटूर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पलनाडू ज़िला कलेक्टर और ज़िला चुनाव अधिकारी क्रथिका शुक्ला ने अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की। इस ड्राफ्ट लिस्ट की कॉपी ज़िले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन अधिकारियों (एरोस) को सौंपी गईं। वहाँ मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए ज़िला कलेक्टर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों का पालन करते हुए 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (एसआईआर) प्रोग्राम के तहत यह ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई है। ताज़ा ड्राफ्ट लिस्ट के अनुसार, ज़िले में कुल 15,49,802 वोटर हैं, जिनमें 7,58,339 पुरुष, 7,91,312 महिलाएँ और 151 ट्रांसजेंडर वोटर शामिल हैं। इसके अलावा, ज़िले में 1,195 सर्विस वोटर भी हैं। एएसडीडी के तहत नाम हटाने और दावे करने की प्रक्रियाः एएसडीडी (अनुपस्थित, दूसरी जगह चले गए, मृत, डुप्लिकेट) कैटेगरी के तहत, लिस्ट से कुल 1,91,996 नाम हटाए गए। इनमें 46,157 ऐसे वोटर शामिल हैं जिनका पता नहीं चल सका या जो अनुपस्थित थे, 61,868 वोटर जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए, 24,378 मृत वोटर, 59,494 डुप्लिकेट एंट्री और 99 अन्य कैटेगरी वाले वोटर शामिल हैं। कलेक्टर ने घोषणा की कि ड्राफ्ट लिस्ट के बारे में दावे और आपत्तियाँ 30 अगस्त तक जमा की जा सकती हैं।

नागरिक जानकारी की पुष्टि ऑनलाइन या कलेक्टर ऑफिस, ईआरओ, एईआरओ ऑफिस या संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के पास काम के घंटों के दौरान कर सकते हैं। वोटरों के लिए गाइडलाइंसः नया रजिस्ट्रेशनः जो योग्य नागरिक 18 साल के हो चुके हैं, वे एनेक्शर-डी के साथ फॉर्म-6 का इस्तेमाल करके नए रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

भूस्खलन से महिला समेत 3 लोगों की मौत, कई जगह बाढ़ जैसे हालात, रेड अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम, 1 अगस्त (एजेंसियां)। केरल में लगातार हो रही भारी बारिश ने कई जिलों में हालात गंभीर कर दिए हैं। मध्य केरल के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा असर पहाड़ी जिले इडुक्की में देखने को मिला, जहां शनिवार तड़के हुए भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई। इडुक्की जिला प्रशासन के मुताबिक, मृत महिला की पहचान सुमति के रूप में हुई है। वह अडूरमाला क्षेत्र की रहने वाली थीं। शनिवार सुबह हुए भूस्खलन का मलबा उनके घर पर गिर गया, जिससे मकान पूरी तरह तबाह हो गया। इसके अलावा 2 अन्य लोगों की भी मौत की खबर सामने आई है। बता दें कि आज देश के कई इलाकों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। स्थानीय लोगों ने सुमति के पति रवि और बेटे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

दोनों घायल थे, जिन्हें इलाज के लिए थोडुपुझा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन एवं बचाव सेवा, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाकर सुमति का शव बरामद किया। इडुक्की के वागामोन इलाके में भी भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति के घर में फंसे होने की सूचना मिली है। उसे बचाने के लिए राहत और बचाव अभियान जारी है।

नकली पुलिस बनकर वाहन चेकिंग कर रहे दो युवक गिरफ्तार, कमर में लगाई थी नकली पिस्टल; राहगीरों ने खोली पोल

भोपाल, 1 अगस्त (एजेंसियां)। एक छात्र सहित दो युवकों को पुलिसकर्मी बनकर वाहन चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली करते हुए गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में से एक ने खुद को पुलिसकर्मी साबित करने के लिए कमर में नकली पिस्टल भी लगा रखी थी। राहगीरों को संदेह होने पर उन्होंने दोनों का वीडियो बनाया और पकड़कर शाहपुरा पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, सिविल ड्रेस में दो युवक शाहपुरा चौराहे पर राहगीरों और वाहन चालकों को रोककर वाहन चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली कर रहे थे। वे बिना हेलमेट वाहन चलाने या यातायात नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर वाहन चालकों से मौके पर ही रुपये वसूल रहे थे। लोगों को दोनों के पुलिसकर्मी होने पर संदेह हुआ तो उनसे पूछताछ की गई। इस दौरान एक आरोपी ने खुद को कोहेफिजा थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी बताया। यह सुनकर लोगों का शक और गहरा हो गया, क्योंकि कोहेफिजा थाने का पुलिसकर्मी शाहपुरा थाना क्षेत्र में इस तरह वाहन चेकिंग नहीं कर सकता था। जब दोनों युवक वहां से भागने लगे तो लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और शाहपुरा पुलिस के हवाले कर दिया।

पीएम मोदी के वीडियो पर संजय सिंह बोले- क्या मेरी मां मां नहीं?

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के दौरान न केवल उनके, बल्कि उनकी दिवंगत मां के खिलाफ भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। पीएम के इस वीडियो को लेकर सियासत शुरू हो गई है। विपक्ष के ओर से प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू होते ही आम आदमी पार्टी के सांसद संजय ने कहा, मोदी जी आपकी मां को सिर झुकाकर नमन लेकिन ये बताइए आपकी मां, मां हैं और मेरी मां, मां नहीं हैं। आपने कहा विपक्ष वाले मुजरा करें तो क्या विपक्षी दलों में काम करने वाली महिलाएं किसी की मां बहन बेटी नहीं? संजय सिंह ने आगे कहा, आपके लोगों ने तो सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को मां बहन की गालियां दीं।

संजय सिंह ने वीडियो में कहा कि किसी को भी मां की गाली बिल्कुल नहीं देना चाहिए। इससे बड़ा अपराध कोई नहीं हो सकता। उन्होंने

यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसी चीजों को लेकर बड़े भावुक दिखते हैं। कई बार वे ये बताने की कोशिश करते हैं कि यह सब सुनकर वो बहुत तकलीफ में हैं। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, मैं तो आपकी पार्टी, नीतियों और विचारधारा से लड़ रहा हूं। मेरी रोने-धोने की आदत नहीं है। लेकिन मैं आपसे हाथ जोड़कर कहना चाहता हूं कि एक दिन मेरा मोबाइल आप अपने पास रखिए। सुबह से लेकर शाम तक मुझे मां की गालियों के कई फोन आप के समर्थक करते हैं। संजय सिंह ने बताया, कोई कहता है इसको समझा लो वरना पेट्रोल से जलाकर मार देंगे। कोई मां की और कोई बहन की गाली देता है। एक दिन मेरा फोन रखकर देखिए आपको शर्म आएगी। पीएम मोदी से सवाल करते हुए संजय सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री जी कैसा समाज आपने बनाया है। पूरे देश की मानसिकता को आपने दूषित कर दिया है। मैं कोई ट्वीट करता हूं तो उसकी नीचे इतनी भद्दी-भद्दी टिप्पणियां, मां-बहन की लाखों गालियां आपके समर्थकों द्वारा दी गई हैं।

मेरी रोने-धोने की आदत नहीं है लेकिन आपकी है। आपने यह नफरत के बीज बोए हैं और यह पाप आपने किया है। उन्होंने कहा, आपके लोग महात्मा गांधी को गालियां देते हैं। आपको याद है विदेश सचिव की बेटी को आपके लोगों ने गाली दी। देश के मुख्य न्यायाधीश के ऊपर जूते-चप्पल फेंके गए और फेंकने वाले के समर्थन में आपके लोग आए। आपके लोगों के द्वारा चीफ जस्टिस को गालियां दी गईं।

15 साल की किशोरी गर्भवती, 19 साल के आरोपी हरीश सिंह को हुई जेल

रामनगर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। रामनगर क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। रामनगर के निवासी के व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बृहस्पतिवार को उनकी 15 साल की बेटी के पेट में तेज दर्द हुआ।

इस पर परिजन उसे रामनगर के सरकारी अस्पताल ले गए। यहां स्वास्थ्य परीक्षण में उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पूछने पर बेटी ने बताया कि हिम्मतपुर ब्लॉक निवासी 19 वर्षीय हरीश सिंह ने उसके साथ दोस्ती की। कुछ समय पूर्व वह उसे अपने किसी दोस्त के कमरे में उसे ले गया और वहां जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

मजदूरों की हत्या पर सीएम उमर ने जताया दुख परिजनों को 10-10 लाख रुपये के मुआवजे का एलान

श्रीनगर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में दो मजदूरों की कायरतापूर्ण हत्या पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गहरा दुख और कड़ा आक्रोश जताया है। मुख्यमंत्री ने बेकसूर लोगों की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों को आर्थिक मदद और सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री ने बड़े वित्तीय पैकेज की घोषणा की है। सीएम ऑफिस ने सोशल मीडिया के एक्स पर जानकारी दी। सीएम ऑफिस ने ट्वीट किया, मुख्यमंत्री ने कुलगाम में दो मजदूरों की कायरतापूर्ण हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है और बेकसूर लोगों की जान जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक के निकटतम परिजनों (आश्रितों) के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। यह जिला प्रशासन द्वारा दी जाने वाली छह-छह लाख रुपये की तत्काल सहायता के अतिरिक्त होगी।

मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि सरकार इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। देर रात आतंकियों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों को नाम पूछन के बाद गोली मार दी। हमले में दोनों मजदूरों की मौत हो गई। हमले के बाद आतंकी भाग निकले, सुरक्षाबलों ने उन्हें पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर दी है।

बाढ़ से जूझ रहा असमः मृतकों की संख्या बढ़कर 82 पहुंची

राज्य सरकार ने बीमा और कर्ज में राहत देने का किया एलान

गुवाहाटी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। असम के शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव और चराइदेव जिले बाढ़ की चपेट में बने हुए हैं। राज्य में अभी भी 1.92 लाख लोग प्रभावित हैं। वहीं, दो और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 82 हो गई है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। गुरुवार से बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है, जब आठ जिलों में दो लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए थे।

हालांकि, गोलाघाट के शिवसागर और नुमालीगढ़ में दिखो और धनसिरी नदियों में गंभीर बाढ़ की स्थिति बताई गई है। अधिकारियों ने लोगों से वहां से दूर रहने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 13,000 लोगों को 54 राहत शिविरों में आश्रय दिया गया है। इसके अलावा 26 राहत वितरण केंद्र भी खुले हैं, जहां 5,384 लोगों को सहायता दी जा रही है।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित कई एजेंसियां राहत अभियान चला रही हैं। राज्य सरकार ने इन क्षेत्रों के ग्राहकों के दावों के शीघ्र निपटान और उन्हें मोहलत देने के लिए बीमा कंपनियों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से संपर्क करने का निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षति का शीघ्र आकलन करना भी था ताकि मरम्मत के लिए धनराशि जल्द से जल्द वितरित की जा सके। शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव और चराइदेव जिले बाढ़ की चपेट में

बने रहे। प्रभावित लोगों की संख्या 1,92,799 थी, जिनमें चराइदेव सबसे अधिक प्रभावित था, जहां 77,456 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए, इसके बाद शिवसागर में 63,492 और जोरहाट में 34,067 लोग प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को निजी और सरकारी बीमा कंपनियों के साथ 5 अगस्त को बैठक बुलाने का फैसला किया है ताकि उनसे बीमित क्षतिग्रस्त वाहनों, पशुधन और अन्य संपत्तियों के दावों का शीघ्र निपटान करने का आग्रह किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा, 'असम के चार जिलों में बाढ़ से प्रभावित होने के कारण, हमारी सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। अन्य राहत और सहायता के साथ-साथ, हमने प्रभावित क्षेत्रों में 9,289 लाभार्थियों के लिए पीएम सूर्य घर योजना के तहत लंबित राज्य सब्सिडी के रूप में 41.67 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।'

कनाडा में 5,000 डॉलर से ज़्यादा के कथित 'साइकिक स्कैम' मामले में एक भारतीय नागरिक की तलाश

चंडीगढ़, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कनाडा पुलिस 29 साल के एक भारतीय नागरिक की तलाश कर रही है। उस पर 5,000 डॉलर से ज़्यादा के कथित 'साइकिक स्कैम' (भविष्य बताने और आध्यात्मिक इलाज के नाम पर धोखाधड़ी) में शामिल होने का आरोप है। टोरंटो पुलिस के अनुसार, 29 साल के गंगाधर बाबू पर इंडियन साइकिक एंड स्पिरिचुअल हीलर नाम का बिज़नेस चलाने का आरोप है। कहा जा रहा है कि उसने अप्रैल 2024 से सितंबर 2025 के बीच 'बाबू' नाम से खुद को भविष्य बताने वाला (फॉर्च्यून टेलर) और आध्यात्मिक हीलर बताया। पुलिस के बयान में कहा गया है, आरोपी ने पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए अलौकिक शक्तियों में उनके विश्वास का फ़ायदा उठाया। उसने जटिल रीति-रिवाजों और डरावनी बातों का इस्तेमाल करके पीड़ित को यकीन दिलाया कि अगर वे उसे आध्यात्मिक सुरक्षा के लिए पैसे नहीं देते रहे, तो उन्हें या उनके अपनों को मौत या गंभीर नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। उसने पीड़ित को अपने निर्देशों का पालन करते हुए पैसे देने के लिए बहकाया। पुलिस का आरोप है कि आरोपी ने इस कथित स्कैम के ज़रिए पीड़ितों से 8,00,000 डॉलर से ज़्यादा की धोखाधड़ी की। जांच के तहत पुलिस ने उसकी तस्वीर जारी की है। उन्होंने उसे खोजने में जनता से मदद मांगी है।

सुप्रिया सुले ने परीक्षा में गड़बड़ी की एसआईटी जांच और शिक्षा में सुधार की मांग की

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीपी (सपा) नेता सुप्रिया सुले ने शनिवार को प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस बल के इस्तेमाल की एक तय समय-सीमा वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की। उन्होंने केंद्र से शिक्षा प्रणाली में सुधार पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने या संयुक्त संसदीय समिति बनाने का भी आग्रह किया। पत्रकारों से बात करते हुए, बारामती की सांसद ने कहा कि छात्रों के बीच बढ़ता असंतोष गंभीर चिंता का विषय है और जोर दिया कि परीक्षा में गड़बड़ी से प्रभावित लोगों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, जब भी किसी देश की युवा पीढ़ी परेशान होती है, तो यह चिंता का विषय होता है। हम राजनीति नहीं कर रहे हैं। हम अपने बच्चों के लिए न्याय और पारदर्शी परीक्षाएं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में पारित एंटी-पेपर लीक कानून संबंधित लोगों को संतुष्ट करने में विफल रहा है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, संसद ने 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पारित किया, जिसमें परीक्षा पेपर लीक में शामिल लोगों के लिए सख्त सजा का प्रस्ताव है, जिसमें पांच से 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना शामिल है। सुले ने कहा कि उन्होंने कथित परीक्षा घोटाले और नीट पेपर

लीक के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान छात्रों, विशेषकर छात्राओं के साथ किए गए व्यवहार की पारदर्शी और समयबद्ध जांच के लिए एसआईटी के गठन की मांग की है। उन्होंने केंद्र से शिक्षा प्रणाली में सुधार और नीट परीक्षा के संचालन पर विचार-विमर्श करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने या जेपीसी गठित करने का भी आग्रह किया। सुले ने दावा किया कि जहां नीट बार-बार पेपर लीक के आरोपों से घिरा रहा है, वहीं यूपीएससी परीक्षा को ऐसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि शिक्षा का तेजी से व्यवसायीकरण हो गया है, कोचिंग संस्थान बड़े व्यवसायों में बदल गए हैं और यहां तक कि इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) भी लॉन्च कर रहे हैं।

निविदा प्रक्रिया को अगस्त के अंत तक पूरा कर लिया जाए : तुम्मला

बाजार समितियों के पूर्ण डिजिटलीकरण और कड़ी निगरानी के आदेश

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि, विपणन और सहकारिता मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग के माध्यम से कृषि विपणन विभाग को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने के उपायों में तेजी लाने का निर्देश दिया है। शनिवार को सचिवालय में विपणन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मंत्री ने विभाग के कामकाज, चल रहे विकास कार्यों, डिजिटलीकरण पहलों, आगामी कपास खरीद सत्र की तैयारियों, इंजीनियरिंग कार्यों, बाजार यार्डों में सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना और विशेष टीमों द्वारा किए गए निरीक्षणों की समीक्षा की। तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को राज्य की सभी 206 कृषि बाजार समितियों (एएमसी) को पूरी तरह से स्वचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाओं की तैयारी और निविदा प्रक्रिया को अगस्त के अंत तक पूरा कर लिया जाए ताकि सितंबर में कार्यान्वयन शुरू हो सके। उन्होंने प्रत्येक बाजार समिति में सीसीटीवी कैमरे, इलेक्ट्रॉनिक वजन मापने की मशीनें और प्रवेश-निकास द्वार प्रणालियों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकीकृत करने का भी आदेश दिया। विभाग के आईटी विभाग को ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित करने को कहा गया जो प्रत्येक वाहन के प्रवेश और निकास, वजन संबंधी विवरण और सभी लेन-देन को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड कर सके। मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए विपणन विभाग द्वारा की जाने वाली सभी खरीददारी अब से पूरी तरह से डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से ही की जानी चाहिए। हाल ही में गठित सात विशेष निरीक्षण टीमों के कामकाज की समीक्षा करते हुए, तुम्माला नागेश्वर राव ने उन्हें प्रत्येक सोमवार तक साप्ताहिक निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन रिपोर्टों के आधार पर, विपणन निदेशक और कृषि विभाग के सचिव, जहां भी आवश्यक हो, तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करें। मंत्री ने अधिकारियों को विशेष निरीक्षण टीमों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए समयबद्ध साप्ताहिक निगरानी तंत्र शुरू करने का भी निर्देश दिया। आगामी कपास खरीद सत्र के लिए अग्रिम योजना की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह में कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई), जिनिंग मिल मालिकों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित करें। सतर्कता विभाग द्वारा पिछले दो वर्षों में पकड़ी गई अनियमितताओं का जिक्र करते हुए, तुम्माला नागेश्वर राव ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े निवारक उपायों का आह्वान किया कि ऐसी अनियमितताएं दोबारा न हों।

चोरी के आरोप में नौकर और उसका साथी गिरफ्तार

आदिलाबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ मंडल केंद्र में चांदी और सोने के गहने चुराने के आरोप में एक नौकर और उसके साथी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों के पास से 1.4 किलो चांदी और 15 ग्राम सोना बरामद किया।

बोथ इंस्पेक्टर गुरु स्वामी ने बताया कि अर्जुन थाडे और उसके दोस्त राठौड़ गणेश को 26 जुलाई को बोथ में अपने मालिक धारावत विनोद के घर से चांदी, सोने के गहने और 2,000 रुपये नकद चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन्हें सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ा गया।

पूछताछ के दौरान, अर्जुन ने कथित तौर पर गणेश की मदद से अपराध करने की बात कबूल की। उसने माना कि उसने गहने तब चुराए जब विनोद घर पर नहीं था। उसने बताया कि उसने लोहे का बक्सा तोड़कर गहने चुराए, जबकि चोरी के समय गणेश पहरा दे रहा था।

नवजात बच्ची को बेचने की कोशिश में चार लोग हिरासत में

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर पुलिस ने शाहीननगर में एक जोड़े को नवजात बच्ची को गैर-कानूनी तरीके से बेचने की कोशिश के आरोप में चार लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में एक महिला ने मलकपेट के सरकारी अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया था। पुलिस ने बताया कि वहीदा नाम की एक महिला ने कथित तौर पर बच्ची के माता-पिता को शाहीननगर के एक जोड़े को बच्ची बेचने के लिए राजी किया और 5 लाख रुपये का सौदा तय किया।

गुप्त सूचना मिलने पर, बालापुर पुलिस ने विशेष टीमें बनाईं और वहीदा को तब पकड़ा जब वह कथित तौर पर शाहीननगर में खरीदारों को बच्ची सौंपने पहुंची थी। इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया। बच्ची को सुरक्षित बचा लिया गया है और इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका तथा बच्ची को बेचने की कोशिश से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

मीसेवा ने एक दिन में 2.2 लाख लेनदेन के साथ सर्वकालिक उच्च रिकॉर्ड बनाया

मीसेवा देश के अग्रणी सरकारी ऑनलाइन सेवा मंच के रूप में उभरा : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने शनिवार को बताया कि तेलंगाना के मीसेवा डिजिटल सेवा प्लेटफॉर्म ने 31 जुलाई को एक ही दिन में रिकॉर्ड 2,20,172 लेनदेन दर्ज किए। एक बयान में मंत्री ने कहा कि यह सर्वकालिक उच्च स्तर राज्य सरकार की डिजिटल सेवा वितरण प्रणाली में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार मीसेवा को और मजबूत करने, इसकी सेवाओं का विस्तार करने और जनता द्वारा इसे अधिक से अधिक अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपाय कर रही है।

श्रीधर बाबू ने कहा कि मीसेवा देश के अग्रणी सरकारी ऑनलाइन सेवा मंच के रूप में उभरा है, जिसने बिना किसी व्यवधान के अब तक के सबसे अधिक दैनिक लेनदेन दर्ज किए हैं।

उन्होंने कहा, सामान्य तौर पर, मीसेवा प्रतिदिन 70 हजार से 80 हजार लेनदेन दर्ज करती है। हालांकि, अकेले शुक्रवार को ही 22 लाख से अधिक लेनदेन दर्ज किए गए। श्रीधर बाबू ने बताया कि नवनिर्मित फैमिली कार्ड, परिवहन विभाग की सेवाओं और आय प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन लेनदेन की शीर्ष तीन श्रेणियों में शामिल थे।

मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय प्लेटफॉर्म के प्रदर्शन में सुधार, सेवा उपलब्धता का विस्तार, नागरिक-केंद्रित सेवाओं की शुरुआत और इसकी तकनीकी और बुनियादी ढांचागत क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उठाए गए उपायों को दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करने के लिए मीसेवा को लगातार उन्नत किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में बाढ़ के बीच दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों को दी राहत

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने माणिकगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही सुगम बनाने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं।

पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण राजुरा और बल्हारशाह के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है। इसके चलते बड़ी संख्या में यात्रियों को सुरक्षित और भरोसेमंद यात्रा के लिए रेल सेवा पर निर्भर रहना पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने माणिकगढ़ रेलवे स्टेशन पर पांच ट्रेनों को अस्थायी ठहराव की सुविधा प्रदान की। इससे 400 से अधिक यात्रियों को बल्हारशाह सहित आसपास के विभिन्न गंतव्यों तक अपनी यात्रा जारी रखने में सुविधा मिली। माणिकगढ़ रेलवे स्टेशन पर तैनात रेलवे कर्मचारियों ने यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराने, मार्गदर्शन देने, ट्रेनों में सुचारु रूप से चढ़ाने तथा स्टेशन पर सभी व्यवस्थाओं की निगरानी कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए हैं।

पुलिस ने राजीव राहदारी पर 'शी सेफ' ज़ोन शुरू किया

सिद्दिपेट, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाईवे पर यात्रा करने वाली महिलाओं और परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पुलिस कमिश्नर रश्मि पेरुमल ने राज्य में एक नई पहल शुरू की है। उन्होंने राजीव राहदारी से यात्रा करने वालों के लिए महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी एक खास पहल 'शी सेफ ' शुरू की है।

इस पहल का मुख्य मकसद हाईवे के किनारे ऐसी सुरक्षित जगहों की पहचान करना है, जहाँ यात्रा करने वाले परिवार, खासकर महिलाएँ, पूरे भरोसे और बिना किसी डर या हिचकिचाहट के रुक सकें। 'शी सेफ' ज़ोन घोषित होने के लिए ज़रूरी शर्तें थीं कि होटलों और फ्यूल स्टेशनों में सुरक्षित पार्किंग की जगह, अच्छा खाना, साफ़ वॉशरूम की सुविधा, ज़रूरी सीसीटीवी निगरानी, अच्छी रोशनी वाली जगहें और भरोसेमंद स्टाफ़ होना चाहिए। जो संस्थान इन सभी तय मानकों को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे, उन्हें सिद्दिपेट पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अच्छी तरह जाँच-पड़ताल के बाद आधिकारिक तौर पर 'शी सेफ ' ज़ोन घोषित किया जाएगा।

ब्रेन डेड बिज़नेसमैन के अंगों ने बचाई चार लोगों की जान

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के कोंडुकुर के रहने वाले 48 साल के छोटे बिज़नेसमैन पोनुगोटी वेंकटेश्वर राव, जिन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था, के परिवार वालों ने राज्य सरकार की 'जीवनदान' अंग दान पहल के तहत ज़रूरतमंद मरीज़ों को उनके अंग दान किए हैं।

26 जुलाई को वेंकटेश्वर राव को अचानक चक्कर आया और वे बेहोश होकर अपने घर पर गिर पड़े, जिसके बाद उन्हें हैदराबाद के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। इमरजेंसी आईसीयू यूनिट में तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और डॉक्टरों ने 31 जुलाई को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

पोनुगोटी वेंकटेश्वर राव के बेटे पोनुगोटी रोहित कृष्णा ने उनके किडनी, लिवर और फेफड़े दान करने का नेक फैसला लिया, जिससे चार ज़रूरतमंद मरीज़ों को मदद मिली।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Service No. 2688791M, Rank: HAV (ACP-1), K. ANIL KUMAR, S/o. K. Anjaiah, R/o. H.No.3-7-162, Kakaguda, Trimulgiri, Secunderabad, Telangana-500015. my Son Incorrect Name & DOB is K. DINESH KUMAR 15-01-06 and Correct Name & DOB is KOLTHUR DINESH KUMAR 15-01-2006 . vide affidavit dt.31-07-2026 before B.RAMESH Notary Advocate, Secunderbad.

PLOT FOR SALE

Plot for sale Bhagyalaxmi colony, Pipeline road suchitra 300 Sqyd. (40 feet road) commercial Plot, 2 sides road, near Aimatha temple, No broker excuse. Contact: 9848121504

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ऑपरेशन मुस्कान के दौरान 664 बच्चों को बचाया

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान-XII के दौरान 664 बच्चों को बचाया, जो जुलाई 2026 में लापता बच्चों का पता लगाने और बाल श्रम, भीख मांगने और कूड़ा बीनने से नाबालिगों को बचाने के लिए चलाया गया एक महीने लंबा अभियान था। सब-इंस्पेक्टरों, पुलिसकर्मियों और महिला कांस्टेबलों की सात विशेष टीमों ने बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ समर्पित अभियान चलाते हुए उद्योगों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। बचाए गए बच्चों का विवरण दर्पण पोर्टल पर अपलोड किया गया। बचाए गए बच्चों में तेलंगाना के 155 बच्चे शामिल थे, जिनमें 152 लड़के और तीन लड़कियां थीं, जबकि अन्य राज्यों के 468 बच्चे थे, जिनमें 451 लड़के और 17 लड़कियां थीं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), किशोर न्याय अधिनियम और बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत 125 मामले दर्ज किए। इसके अतिरिक्त, लापता होने के 108 मामलों में शामिल बच्चों की तस्वीरें पता लगाने और पुनर्वास में सहायता के लिए दर्पण ऐप पर अपलोड की गईं। साइबराबाद पुलिस ने कहा कि यह अभियान कमजोर बच्चों की सुरक्षा और बाल शोषण को रोकने के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एक व्यक्ति संदिग्ध हालात में मृत मिला

संगारेड्डी, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह पुलकल मंडल के एस. इतिक्याल गाँव में राजू (28) नाम के एक शादीशुदा व्यक्ति की संदिग्ध हालात में हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि मृतक शुक्रवार रात घर से निकला था।

स्थानीय लोगों ने उसके शव की पहचान की और उसके परिवार वालों व पुलिस को सूचना दी। वह अर्धनग्न अवस्था में मिला और उसके पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तिमोर लेस्ते के राजदूत से की मुलाकात

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तिमोर लेस्ते गणराज्य के राजदूत कार्लिटो नून्स और प्रथम सचिव ऑरेलियो बैरोस से मुलाकात की। यह सौहार्दपूर्ण बैठक हैदराबाद के अंतिम निजाम मीर उस्मान अली खान के पौत्र नवाब मीर नजफ अली खान साहब की गरिमामय उपस्थिति में हुई। बैठक के दौरान भारत और तिमोर लेस्ते के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने, जनता के बीच संपर्क को मजबूत करने तथा साझा हितों वाले क्षेत्रों में नए सहयोग के अवसर तलाशने पर विचार-विमर्श किया। मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनयिक संबंधों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की मुलाकातें भारत और तिमोर लेस्ते के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों तथा स्थायी मित्रता को और आगे बढ़ाने में सहायक होंगी। बैठक सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। इस दौरान भारत और तिमोर लेस्ते के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और पारस्परिक लाभ वाले साझेदारी संबंधों को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई गई।

'हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं'

> पप्पू यादव के खिलाफ थाने में शिकायत, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

दिल्ली-एनसीआर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में सांसद पप्पू यादव के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत सूर्य मैथिल नाम के एक व्यक्ति ने दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ने पप्पू यादव पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है।

जंतर-मंतर पर वीएचपी का प्रदर्शन

वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पप्पू यादव के खिलाफ वीएचपी प्रदर्शन कर रही है। नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में व दिल्ली संत महामंडल के नेतृत्व में रामभक्तों एवं संत समाज के सम्मान में 'सद्बुद्धि हवन' आयोजित किया गया। कानूनी नियमों के चलते जंतर-मंतर पर अग्नि प्रज्वलित नहीं की गई, जबकि हवन की संपूर्ण आहुतियां गुरुकुल के छात्र अपने गुरुकुल में अग्नि प्रज्वलित कर समर्पित करेंगे। सूर्य मैथिल ने अपनी शिकायत में कहा है कि संसद परिसर के अंदर पप्पू यादव ने एक विरोध-प्रदर्शन किया था। इस विरोध-प्रदर्शन के तरीके और विषय-वस्तु से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायत में पप्पू यादव के कृत्य को आपत्तिजनक बताया गया है। पुलिस ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया है।

मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। यह जांच शिकायत की सत्यता का पता लगाने के लिए की जा रही है।

संसद में भगवा भेष में पुजारी बनकर पहुंचे थे पप्पू

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने साधु के कपड़े पहनकर शुक्रवार को संसद परिसर में अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी को दिखाने वाला प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके साथ विपक्ष के कई अन्य सांसद भी मौजूद थे।

राहुल गांधी ने चढ़ावा चढ़ाया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। यह प्रदर्शन अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित चोरी और 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में किया गया। साधु के भेष में सांसद पप्पू यादव ने 'चढ़ावा' बटोरते नजर आए, जबकि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई विपक्षी नेताओं ने उन्हें चढ़ावा चढ़ाया।

आठ अगस्त को प्रयागराज आएंगे राहुल गांधी

> पेपर लीक, शिक्षा घोटालों पर छात्रों से करेंगे सवाद

प्रयागराज, 1 अगस्त (एजेंसियां)। नीट और सीबीएसई घटनाक्रम को लेकर फिर देशभर कि राजनीति गर्म होने वाली है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में छात्र संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। 17 जून को कोटा से छात्रों की गूंज अभियान का पहले चरण की शुरुआत करने के बाद दूसरा चरण 17 जुलाई को देहरादून में हुआ। इसके बाद तीसरा चरण प्रयागराज में 8 अगस्त को होना तय हो गया है। जबकि 9 अगस्त को दिल्ली में विशाल छात्र रैली के साथ इस चरण का समापन होना था। लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा कार्यक्रम कि अनुमति नहीं मिलने से अब 'छात्र संवाद' 8 अगस्त को प्रयागराज सिविल लाइन्स स्थित केपी ग्राउंड में होना सुनिश्चित हो गया है। पार्टी प्रवक्ता हसीब अहमद के बताया कि प्रयाग में आयोजित होने वाली 'छात्रों कि गूंज' कार्यक्रम में रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत, छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालयों के माहौल और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बताया कि राहुल के छात्र संवाद में प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी सहित अन्य जिलों के छात्र शामिल होंगे।

कार्यक्रम कि तैयारी को लेकर रविवार को यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शहर जिला कमेटी के पदाधिकारी और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी ने बताया कि राहुल गांधी के छात्र संवाद में प्रदेश भर के प्रतियोगी शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर विवेकानंद पाठक ने बताया कि छात्र संवाद में हिस्सा लेने के लिये अब तक डेढ़ लाख से अधिक युवाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी ने बताया कि 'छात्रों कि गूंज' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौपी जा रही है।

विश्व हिन्दू रक्षा परिषद का प्रदर्शन

पप्पू यादव के बयान के विरोध में पुतला फूंका

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद ने शनिवार को गोमती नगर स्थित विशाल खंड-2 कार्यालय पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के कथित सनातन-विरोधी बयान के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पप्पू यादव का पुतला दहन किया तथा उनसे सार्वजनिक माफी की मांग की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि सनातन धर्म, साधु-संतों और धार्मिक परंपराओं के प्रति कथित अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकतीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा संत समाज और भगवा वस्त्र की गरिमा पर प्रश्न उठाने से करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उनका कहना था कि किसी एक व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर पूरे संत समाज को कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं है।

गोपाल राय ने कहा कि संत परंपरा भारतीय संस्कृति, सभ्यता और सनातन मूल्यों की महत्वपूर्ण पहचान है। ऐसे में साधु-संतों के वेशभूषा और परंपरा को लेकर की गई कथित टिप्पणी न केवल अनुचित है बल्कि समाज में भ्रम फैलाने वाली भी है। उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू रक्षा परिषद इस प्रकार की टिप्पणियों का लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से विरोध करती रहेगी।

'जंतर-मंतर प्रोटेस्ट ने हमारी आंखें खोल दीं'

> राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने क्यों कहा ऐसा?

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और चांसलर आनंदीबेन पटेल ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य मंत्रियों के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल की निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार देश के शैक्षणिक और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि जंतर-मंतर के आंदोलन ने हमारी आंखें खोल दी हैं। हिम्मत से जैसे उन सबको आजादी मिल गई थी। प्रधानमंत्री को भी गालियां दी गईं। क्या परिणाम आया, नोटिस मिल रहे हैं न। लखनऊ यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदी बेन ने कहा, 'जंतर-मंतर का विरोध-प्रदर्शन आंखें खोलने वाला था। क्या यही हमारी शिक्षा और संस्कृति है? प्रधानमंत्री और अन्य लोगों को अपशब्द कहना स्वीकार्य नहीं है।'

राज्यपाल आनंदी बेन ने कहा, पत्रकार मित्र सभी से उनकी बात पूछते हैं। अब सभी को बोलने की आजादी है। प्रधानमंत्री तक को गालियां मिल रही हैं। क्या शिक्षा लेकर आए हैं हम? प्रधानमंत्री के विकास के एजेंडे की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र-निर्माण ही सार्वजनिक जीवन का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।

गालियां देने वाली छात्रा पर केस दर्ज

हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़े एक वीडियो को लेकर नोएडा में एफआईआर दर्ज की गई है। इस वीडियो में रुचिका सिंह नाम की लड़की प्रधानमंत्री मोदी ने कथित तौर पर आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। एक शिकायत के आधार पर 29 जुलाई को नोएडा में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी।

आरोपी रुचिका सिंह ने मांगी माफी

हालांकि जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गालियां देने की आरोपी रुचिका सिंह ने शनिवार को माफी मांग ली है। उनका एक वीडियो सामने आया है। उसने कहा कि उसने विरोध प्रदर्शन के दौरान वहां मौजूद लोगों के प्रभाव में आकर अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि पीएम सहित अन्य मंत्रियों के लिए सिर्फ रुचिकी ही नहीं, कई अन्य प्रदर्शनकारियों ने अभद्र भाषा का उपयोग किया था। रुचिका सिंह का दावा है कि वह सिर्फ 15 साल की है।

कुशीनगर में दर्दनाक हादसा : ड्रेन में डूबीं 3 बच्चियों के शव 11 घंटे बाद बरामद

कुशीनगर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में पडरौना कोतवाली और नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के बीच बहने वाली झरही ड्रेन में डूबीं तीन मासूम बच्चियों के शव लगभग 11 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बरामद किया गया। एसडीआरएफ की टीम ने पूरी रात सर्च अभियान चलाया, जिसके बाद सुबह जाकर तीनों के शव मिले। मृतक बच्चियों की पहचान नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के दुबौली गांव की निवासी के रूप में हुई है। तीनों की उम्र क्रमशः 14 साल, 11 साल और 10 साल थी। इनमें दो सगी बहनें और एक चचेरी बहन थीं। जानकारी के अनुसार तीनों बच्चियां घर के जानवरों के लिए चारा काटने निकली थीं। पुलिया पार करते समय संदिग्ध स्थिति में तीनों का संतुलन बिगड़ गया और वे तेज बहाव वाली झरही ड्रेन में जा गिरीं। देखते ही देखते तेज धारा में तीनों समा गईं। घटना के समय साथ मौजूद सपना का 10 साल का छोटा भाई घबराकर गांव की तरफ दौड़ा और ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण, मछुआरे और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और बच्चियों को बचाने की कोशिश शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। रातभर ड्रेन में सर्च अभियान चलता रहा। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्चियों के शव बरामद हुए।

सड़क हादसा देख डीएम-एसपी ने बीच रास्ते रोका काफिला

स्कॉर्ट वाहन से घायलों को भेजा अस्पताल

सोनभद्र, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सोनभद्र में डीएम चर्चित गौड़ और एसपी अभिषेक वर्मा ने सड़क हादसे के घायल को तत्काल स्कॉर्ट वाहन से अस्पताल पहुंचाकर इंसानियत और मानवता की मिसाल पेश की है। सरकारी कार्यक्रम में जा रहे डीएम एसपी को रास्ते में सड़क हादसे की जानकारी मिली। तभी वहां से गुजरते हुए दोनों ने अपने काफिल रूकवा दिए और घायलों को अस्पताल पहुंचवाया। दुद्धी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में भाग लेने जा रहे जिलाधिकारी चर्चित गौड़ और पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शनिवार को संवेदनशील प्रशासन की मिसाल पेश की।

गुरमुरा के समीप सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को देखकर दोनों अधिकारियों ने तत्काल अपना काफिला रुकवा दिया और स्वयं मौके पर पहुंचकर घायल का हालचाल जाना। डीएम और एसपी की इस मिसाल की हर कोई तारीफ कर रहा है।

ऊंचे टावर पर चढ़कर चिल्लाने लगी आगरा से आई महिला

पुलिस पर पिटाई और पैसे छीनने का लगाया आरोप

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तैनात पुलिसकर्मियों के दुर्व्यवहार से जुड़े अनेकों मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ शनिवार सुबह लखनऊ में देखने को मिला, जहां आगरा से लखनऊ पहुंची एक महिला पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए हजरतगंज स्थित पार्क रोड पर बने टावर पर चढ़ गई। महिला को टावर पर देखकर आसपास से गुजर रहे लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकलकर्मियों ने महिला को समझाबुझा कर नीचे उतारा।

आगरा के कैंट क्षेत्र स्थित श्याम विहार छोटी कॉलोनी की रहने वाली तुलसा नाम की महिला टावर पर चढ़ गई। वह वहां बने स्टील प्लेटफॉर्म पर बैठकर चिल्लाती रही। महिला का नाबालिग बेटा टावर के नीचे ही खड़ा रहा। बताया जाता है कि टावर पर चढ़ी महिला आगरा पुलिस के खिलाफ शिकायत लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने लखनऊ आई थी। महिला का कहना है कि आगरा पुलिस ने उसके बच्चे से रुपये छीन लिए और उसकी पिटाई की। पीड़ित महिला का कहना है कि आगरा में उसने अपने बच्चे को रेलवे स्टेशन पर कुछ सामान लेने के लिए भेजा था। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उसके बच्चे पर चोरी का झूठा आरोप लगाकर पिटाई की और 2 हजार रुपये छीनने के साथ साथ मोबाइल फोन भी तोड़ दिया।

नोएडा की मोबाइल कंपनी में 19 करोड़ की पीएफ धोखाधड़ी का खुलासा

> सीबीआई ने दो अधिकारियों पर दर्ज की एफआईआर

नोएडा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के सेक्टर-62 स्थित नोकिया सॉल्यूशंस एवं नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में करोड़ों रुपये के प्रोविडेंट फंड (पीएफ) घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। सीबीआई ने कंपनी के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ 19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि फर्जी पीएफ खातों में ट्रांसफर करने के आरोप में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है।

सीबीआई ने यह कार्रवाई भारतीय न्याय संहिता, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत की है। इस मामले में नोकिया के पेरोल क्लस्टर लीड वैभव वर्मा और पेरोल मैनेजमेंट हेड कमाराजू मुत्याला को नामजद किया गया है।

फरेंसिक ऑडिट में खुला राज

इस बड़ी गड़बड़ी का खुलासा तब हुआ जब नोकिया ने कर्मचारियों का जमा पीएफ फंड ईपीएफओ को ट्रांसफर करना शुरू किया। प्रक्रिया के दौरान कंपनी द्वारा कराए गए आंतरिक फरेंसिक ऑडिट में इस वित्तीय धोखाधड़ी का पता चला। कंपनी ने दोनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और जांच एजेंसियों का सहयोग कर रही है।

सरकारी कर्मचारियों पर भी कस सकता है शिकंजा

एफआईआर में केवल नोकिया के ये दो कर्मचारी ही नहीं, बल्कि कुछ अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों के नाम भी शामिल है। जांच एजेंसी को संदेह है कि इस बड़े पीएफ घोटाले की साजिश में बाहरी लोग और संबंधित विभागों के अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं।

आरोपियों ने 94 फर्जी खातों के जरिये की हेराफेरी

सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, दोनो आरोपियों ने वर्ष 2023-24 के दौरान कंपनी के आधिकारिक क्रेडेंशियल्स का दुरुपयोग कर 94 फर्जी पीएफ खाते बनाए। इसके बाद अनधिकृत केवाईसी और झूठे रोजगार पुष्टिकरण के जरिए फर्जी खाताधारकों के नाम पर कुल 19 करोड़ 33 लाख रुपये की ईपीएफओ (ईपीएफओ) राशि ट्रांसफर कर दी।

बाढ़ से निपटने को यूपी सरकार पूरी तरह तैयार : स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बाढ़ से बचने के लिए मौजूदा समय में राज्य सरकार के उपायों के बारे में बताया। उन्होंने शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि सबसे पहले तो आप यह जान लीजिए कि 2017 से पहले अब तक राज्य में कोई बाढ़ आई है, तो हमने उससे बखूबी निपटने की कोशिश की है। हमने इस संबंध में पूरी रूपरेखा पहले ही निर्धारित कर ली थी कि कैसे बाढ़ से निपटना है और उस रूपरेखा को जमीन पर भी उतारने का काम किया है, लेकिन यहां पर गौर करने वाली बात है कि अब तक ऐसी कोई बड़ी बाढ़ नहीं आई है। हालांकि हम लोग एहतियात बरतते हुए पूरी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहते हैं और हमारी यही कोशिश रहती है कि लोगों को कम से कम नुकसान हो।

मंत्री के मुताबिक, इस बार भी हमने बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तैयार कर ली है। हमारी तैयारी दुरुस्त है, लेकिन अभी तक अपेक्षित मात्रा में बारिश नहीं हो रही है। सबसे पहले बारिश नेपाल, उत्तराखंड, राजस्थान जैसे राज्यों में शुरू होती है और इसके बाद उत्तर प्रदेश में बारिश का सिलसिला शुरू होता है, लेकिन अभी उतनी बारिश नहीं हो रही है, जितना कि सोचा गया था। नदियों का जलस्तर सामान्य बना हुआ है लेकिन अगर किसी भी प्रकार से स्थिति चुनौतीपूर्ण होती है, तो हम उससे निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहेंगे।

आफत में रसूखदार मंत्रियों के बेटे

केदार गुप्ता के बाद मदन सहनी के 'लाल' को मिली धमकी

मुजफ्फरपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में वीआईपी नेताओं के परिवार पर मंडराते खतरे ने पुलिस महकमे की नींद उड़ा दी है। पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता के बेटे के बाद अब समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी के बेटे को मोबाइल पर मैसेज भेजकर रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी दी गई। मामला सामने आते ही डीजीपी के निर्देश पर गठित एसआईटी (एसआईटी) ने मुजफ्फरपुर के मोतीपुर से आरोपी कन्हैया सहनी को गिरफ्तार किया। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी ने कई अन्य लोगों से भी पैसों की उगाही के लिए धमकी भरे मैसेज भेजे थे। पुलिस अब उसके आपराधिक नेटवर्क को खंगाल रही है।

बिहार में दो-दो मंत्रियों के बेटों को धमकी

धमकी का समयः 24 जुलाई को मंत्री मदन सहनी के बेटे के मोबाइल पर मैसेज भेजकर पैसों की मांग और धमकी दी गई।

मंत्री केदार गुप्ता के बेटे को धमकी : 24 जुलाई को ही रात करीब सवा दस बजे 50 लाख रुपए रंगदारी की मांग की गई। साइबर थाने में मामलाः करीब एक सप्ताह बाद शुक्रवार को पटना के साइबर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। बिहार डीजीपी का निर्देशः मंत्री मजन सहनी की ओर से शिकायत के बाद डीजीपी के आदेश पर एसआईटी का गठन किया गया।

तकनीकी जांचः मोबाइल लोकेशन और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर मोतीपुर से आरोपी कन्हैया सहनी की गिरफ्तारी हुई।

रंगदारी का गिरोह या सिरफिरा? एसआईटी ने आरोपी के पास से बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और मोबाइल की जांच शुरू कर दी है। पूछताछ में ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपी किसी संगठित आपराधिक गिरोह से जुड़ा है या फिर व्यक्तिगत रूप से पैसों के लिए धमकियां दे रहा था। पुलिस का मानना है कि उसके कॉल रिकॉर्ड्स से कई अन्य पीड़ित लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। लगातार दो मंत्रियों के बेटों को धमकी मिलने के बाद राज्य की कानून व्यवस्था और वीआईपी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सावन में हर शनिवार और सोमवार को स्कूलों में छुट्टी

एटा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए एटा में 12वीं तक के विद्यालयों को शनिवार और सोमवार को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। सोरों और कछला घाट पर गंगाजल लेने पहुंचने वाले कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए जिले में शुक्रवार रात से रूट डायवर्जन भी लागू किया गया है। शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी है। वहीं रोडवेज बसों का संचालन भी निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से कराया जाएगा। डायवर्जन व्यवस्था सोमवार की शाम छह बजे तक लागू रहेगी। यही व्यवस्था सात से 11 अगस्त, 14 से 17 अगस्त और 21 से 24 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार से सोमवार शाम तक लागू रहेगी। डायवर्जन के दौरान अलीगढ़, पिलुआ, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कासगंज, बदायूं, बरेली, शिकोहाबाद और टूंडला की ओर से आने-जाने वाले भारी वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा। इन्हें वैकल्पिक मार्गों से उनके गंतव्य की ओर निकाला जाएगा। कांवड़ यात्रा के दौरान एटा-कासगंज मार्ग को वन-वे रखा जाएगा। कांवड़ की भीड़भाड़ को देखते हुए शहर के कई प्रमुख स्कूलों ने अवकाश घोषित कर दिया है। यह निर्णय ट्रैफिक में बच्चों की सुरक्षा को लेकर किया गया है। भीड़ की आशंका को देखते हुए शनिवार और सोमवार को स्कूल बंद रखने का निर्णय स्कूल प्रबंधन द्वारा लिया गया है।

पेपर लीक कर उत्तर एग्जाम हॉल में पहुंचा था

एईडीओ परीक्षा के शातिर से मिले सुराग पर तीन दबोचे

पटना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पूरे देश ने देखा कि नीट पेपर लीक के नाम पर कितना हंगामा हुआ। देश के शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। लेकिन, हकीकत यह है कि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे या कुछ अफसरों के स्थानांतरण से कुछ होने-जाने की उम्मीद करना खुद को बहलाने जैसा ही है।

यह कहने के पीछे तर्क है। क्योंकि, यहां परीक्षा का पेपर लीक करना जैसे घर में सेंधमारी जैसा आसान काम हो गया है। इस घिनौने खेल में शामिल खिलाड़ियों की हिम्मत दिल्ली में इतने हंगामे के बावजूद कमजोर नहीं पड़ी। कहीं डर नहीं है इनके मन में। तभी तो 20 अप्रैल 2026 में बिहार की एईडीओ परीक्षा में उत्तर बनवा कर परीक्षा हॉल में मंगाने के कारण पकड़े गए युवक के साथी 29 जुलाई 2026 को गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग के अधिनायक अनुदेशक (हवलदार अनुदेशक) तक की परीक्षा में वही सब दुहराने से नहीं हिचके। बिहारह पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओयू) को पिछले मामले की जांच में सुराग मिला और यह पकड़े गए।

किन तीन शातिरों को गिरफ्तार किया गया

बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग पटना की ओर से आयोजित गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग के अधिनायक अनुदेशक (हवलदार अनुदेशक) परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक में बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने तीन शातिरों को गिरफ्तार किया- राज समदर्शी उर्फ राजा (25 वर्ष), अभिषेक कुमार (21 वर्ष) और नितेश कुमार (28 वर्ष)। राज समदर्शी पटना जिले के विक्रम थाना अंतर्गत करसा ग्राम निवासी सुशील कुमार यादव का बेटा है। अभिषेक कुमार वैशाली जिले के हाजीपुर सदन थाना क्षेत्र अंतर्गत सैदपुर रजौली निवासी शिवचंद महतो का बेटा है। नितेश कुमार भी वैशाली जिले के ही हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कटरा निवासी अमित सिंह का बेटा है। नितेश इस परीक्षा का बायोमीट्रिक सुपरवाइजर था।

पत्नी कब खो सकती है मेंटेनेंस का अधिकार?

सुप्रीम कोर्ट ने बताया 'लिविंग इन एडल्टरी' का मतलब

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक पत्नी के मेंटेनेंस अधिकार से जुड़े एक फैसले पर कहा कि अगर कोई पत्नी लिविंग इन एडल्टरी यानी विवाहोत्तर संबंध में रह रही है तो वह भरण-पोषण की अधिकार नहीं होगी। कोर्ट का यह फैसला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एक मामले के खिलाफ दायर अपील पर आया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या अब विवाहेतर संबंध रखने वाली हर पत्नी का गुजारा भत्ता बंद हो जाएगा? यह जानने के लिए आपको अदालत के दिए आदेश और मामले पर गौर करना होगा। मध्य प्रदेश में एक पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पति ने आरोप लगाया कि पत्नी किसी अन्य पुरुष के साथ लगातार संबंध में रह रही है।

निचली अदालत में इस मुद्दे पर सुनवाई हुई और बाद में मामला हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने पत्नी को मेंटेनेंस देने का आदेश दिया। पति हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा सुप्रीम कोर्ट ने रिकॉर्ड और सबूतों की जांच करने के बाद कहा कि अगर पत्नी लिविंग इन एडल्टरी की स्थिति में है तो उसे

पति से भरण-पोषण नहीं मिल सकता। अदालत ने इसी आधार पर हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया।कोर्ट ने एडल्टरी और लिविंग इन एडल्टरी के बीच कानूनी अंतर को भी स्पष्ट किया है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक केवल एक घटना या संदेह के आधार पर पत्नी के मेंटेनेंस के अधिकार को नहीं नहीं रोका जा सकता। हालांकि, पत्नी लगातार किसी के साथ विवाहोत्तर संबंध या वैवाहिक संबंध जैसी स्थिति में रह रही हो तो उसे भरण-पोषण का अधिकार नहीं मिल सकता है।

पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में प्रावधान था कि यदि पत्नी लगातार विवाहोत्तर संबंध की स्थिति में है, तो वह पति से भरण-पोषण नहीं मांग सकती। नई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में भी इस सिद्धांत को बरकरार रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रावधान आज भी लागू है और अदालतों को इसका पालन करना होगा।

पति केवल यह आरोप लगाकर कि पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से संबंध है, पत्नी का मेंटेनेंस बंद नहीं करा सकता। अदालत ने साफ किया कि पत्नी के लगातार विवाहोत्तर संबंध में रहने को साबित करने की जिम्मेदारी पति पर होगी। अगर पति के पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो पत्नी का भरण-पोषण नहीं रोका जा सकता। पहले भी अदालतें क्या कह चुकी हैं हर विवाहेतर संबंध 'व्यभिचार में रहना' नहीं माना जाएगा। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा था कि किसी महिला का अपने पूर्व परिचित से एक बार मिलना यह साबित नहीं करता कि वह उसके साथ लगातार विवाहोत्तर संबंध में है। इसलिए केवल एक घटना के आधार पर तलाक या उसकी अन्य कानूनी प्रक्रिया नहीं अपनाई जा सकती है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एक विस्तृत फैसले में कहा गया कि तलाक के बाद महिला तलाकशुदा पत्नी के तौर पर मेंटनेंस के लिए राशि मांग सकती है। दरअसल, । विवाह समाप्त होने के बाद सीआरपीसी की धारा 125(4) के कुछ प्रतिबंध उसी रूप में लागू नहीं रहते हैं। दरअसल, अदालत यह देखती है कि तलाकशुदा महिला स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम है या नहीं। हालांकि, तलाक की प्रक्रिया के दौरान अगर यह साबित हो जाए कि पत्नी किसी अन्य पुरुष के साथ वैवाहिक संबंध जैसी स्थिति में है तो जरूर इसपर प्रभाव पड़ सकता है।

पंजाब में पेपर लीक के खिलाफ छात्रों ने शुरू किया प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़, 1 अगस्त (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ से सामने आ रही है। यहां पंजाब में पेपर लीक को लेकर मामला गर्म होता जा रहा है। चंडीगढ़ में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने भगवंत मान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। एबीवीपी के कार्यकर्ता मान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान छात्रों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग भी की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की है। दरअसल, पंजाब में फार्मेसी ऑफिसर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है।

इसके साथ ही बाकी परीक्षाओं के पेपर लीक का मुद्दा भी उठाया जा रहा है। हालांकि पंजाब में फार्मेसी ऑफिसर भर्ती परीक्षा के दौरान पेपर लीक के आरोपों को शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि ये मामला पेपर लीक का नहीं बल्कि हाईटेक उपकरणों के जरिए नकल का है। वहीं दूसरी तरफ मामले की गंभीरता को देखते हुए पेपर लीक की सीबीआई जांच कराने की मांग भी उठाई जा रही है। इस मुद्दे को लेकर न केवल एबीवीपी, बल्कि बीजेपी, कांग्रेस और अकाली दल भी मान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले विपक्ष ने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े चार साल में कई बार विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं।

हालांकि सरकार का कहना है कि आप के कार्यकाल के दौरान राज्य में एक भी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ। आप ने भी दावा किया है कि कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोगों को गुमराह करने के लिए एक झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश कर रही हैं, क्योंकि उनके पास मान सरकार के खिलाफ कोई और मुद्दा नहीं है। बता दें कि पंजाब पुलिस ने 19 जुलाई को फार्मेसी अधिकारी भर्ती परीक्षा के दौरान एक अंतर-राज्यीय नकल गिरोह का भंडाफोड़ किया और इसके 11 सदस्यों और 10 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से ही विपक्ष के द्वारा लगातार पेपर लीक के आरोप लगाए जा रहे हैं।

'गृहमंत्रालय नहीं गैंग चला रहे हैं', संजय राउत का तीखा हमला

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत एक बार फिर सरकार पर बरसे हैं। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के पुणे दौरे को लेकर निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा, रात के अंधेरे में गृह मंत्री पुणे में आए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने उनके स्वागत में बड़े बड़े बैनर लगाएं हैं कि देश के चाणक्य का पुणे में आगमन हो गया है। संजय राउत ने कहा, यह सवाल गृहमंत्री से पूछना चाहिए। गृहमंत्री इस पद पर रहने वाले व्यक्ति नहीं है। वह गृहमंत्रालय नहीं चला रहे हैं, वह इस पद पर अब गैंग चला रहे हैं। वो गैंग व्यापारियों का है। वो गैंग गुंडों का है। संजय राउत ने कहा, विपक्ष को खत्म करने का काम कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर में निरापराध लोग मारे जा रहे हैं, आतंकवादी घुस रहे हैं इसकी पूरी जिम्मेदारी देश के गृहमंत्री की है।

संजय राउत ने आगे कहा, प्रधानमंत्री से ऊपर उठ कर काम कर रहे हैं। इस्तीफे को लेकर हम सदन में प्रदर्शन कर रहे हैं। वंदे मातरम् पर चर्चा के समय प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सदन में ही मौजूद नहीं थे। इस पर सवाल उठाते हुए राउत ने कहा, क्या यह वंदे मातरम् मातरम् का अपमान नहीं है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम् की रचना हुए 150 साल हो गए हैं। प्रधानमंत्री खुद को बहुत बड़ा देशभक्त बताते हैं हालांकि आजादी की लड़ाई में उनकी कोई भूमिका नहीं थी फिर भी उन्होंने खास तौर पर वंदे मातरम् पर चर्चा करने के लिए संसद का दो दिन का विशेष सत्र बुलाया राउत ने पूछा, अगर आप इतने बड़े देशभक्त हैं और आपने राष्ट्रगान और वंदे मातरम् के अपमान के खिलाफ कोई बिल पेश किया है, तो सदन में मौजूद रहना आपकी जिम्मेदारी थी।

सरकार, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने वंदे मातरम् का अपमान किया है। उन्हें इसके लिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना चाहिए। कुलगाम में हुए आतंकी हमले पर उन्होंने कहा, मैं इस बारे में क्या कहूं? अमित शाह को इस पर बोलना चाहिए। हमने पुलवामा और पहलगाम देखा है। अब दो और लोग मारे गए हैं। फिर भी, वे इस बारे में एक शब्द भी बोलने को तैयार नहीं हैं। वे अब सरकार में बने रहने के लायक नहीं हैं। इस्तीफा देना चाहिए।

कब्जे के लिए पार्टनर की हत्या की साजिश, यूपी से 7 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वसई के डायमंड इंडस्ट्रियल एस्टेट स्थित जीएसएम फॉइल्स लिमिटेड के भागीदार मोहनसिंह लक्ष्मणसिंह परमार की हत्या की कोशिश के मामले में वालीव पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए आर्थिक लाभ के लिए रची गई साजिश का पर्दाफाश किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि करीब 32 करोड़ के लेन-देन और कंपनी पर पूरी तरह कब्जा करने की मंशा से इस हमले की साजिश रची गई थी। मामले में मुख्य साजिशकर्ता सागर गिरीश भानुशाली समेत कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वालीव पुलिस थाना क्षेत्र स्थित जी।एस।एम। फॉइल्स लिमिटेड, डायमंड इंडस्ट्रियल एस्टेट, वसई (पूर्व) में 24 जुलाई 2026 को कंपनी के भागीदार मोहनसिंह लक्ष्मणसिंह परमार पर पिस्तौल से गोली चलाकर हत्या का प्रयास किया गया था। इस मामले में वालीव पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 497/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 3(5), भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25, 27 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1), 135 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि घायल मोहनसिंह परमार और आरोपी सागर गिरीश भानुशाली जीएसएम। फॉइल्स लिमिटेड कंपनी के भागीदार हैं। सागर भानुशाली ने शेयर बाजार में भारी निवेश किया था, लेकिन अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट आने से उसे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ और वह भारी कर्ज में डूब गया।

पहले बाइक रोकी, फिर जंगल में घसीटकर ले गए 6 दरिंदों ने दोस्त के साथ जा रही युवती से किया गैंगरेप

गुना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गुना जिले में नेशनल हाईवे-46 पर हिलगना के समीप बोरखेड़ा के जंगल में बीती रात एक युवती से तीन बदमाशों ने गैंग रेप किया। इस दौरान उनके तीन अन्य साथी युवती के मित्र युवक को बंधक बनाए रहे। बचने के लिए युवती बदमाशों को नोंचती रही, काटती रही पर वे नहीं मानें। बदमाशों ने शोर बंद करने गुप्तांग में लकड़ी तक घुसा दी, जिससे वह घायल हो गई। इसके बाद भी युवती संघर्ष करती रही। उसका शोरगुल सुनकर पास ही तैनात पुलिस मौके पर जा पहुंची, तो बदमाश जंगल के रास्ते भाग गए।

खास बात यह कि पुलिस दुष्कर्म के प्रयास की बात कह रही है, जबकि एफआइआर में सामूहिक दुष्कर्म की बीएनएस की धारा 70(1) दर्ज है। मूल रूप से कोलकाता निवासी 26 वर्षीय युवती बीती शाम करीब 6.40 बजे अपने मित्र के साथ एनएफएल कैंपस से गुना हनुमान टेकरी दर्शन करने बाइक से आई थी। युवती का झारखंड निवासी साथी युवक एनएफएल विजयपुर में इंजीनियर है, युवती भी झारखंड में रहती है, जो इन दिनों अपने साथी युवक के पास एनएफएल आई है। मैंने संघर्ष करके खुद को बचाया तथा इस दौरान जो लोग मुझसे जबरदस्ती कर रहे थे मैंने अपने बचाव में उन्हे नोंचा, काटा फिर भी वह नहीं माने।

जंगल में कुछ ही दूरी पर मेरे साथी युवक के चिल्लाने की भी अवाज आ रही थी, फिर कुछ देर बाद पुलिस वहां आ गई, जिन्हें देखकर वह सभी लोग मुझे पूर्ण नग्न अवस्था में छोड़कर वहां से भाग गए। गुना एसपी हितिका वासल ने बताया कि बीती रात हाईवे पर एक युवक-युवती से बाइक रोककर लूट और युवती से दुष्कर्म का प्रयास किया गया।

युवाओं को गुमराह न करें कंगना रनौत ने अपनी फ़िल्मों के क्लिप का इस्तेमाल करने वाले ट्रोलर्स को जवाब दिया

मंडी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। एक्टर और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने सोशल मीडिया यूज़र्स की आलोचना की है जो उन्हें निशाना बनाने के लिए उनकी फ़िल्मों के क्लिप शेयर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी पोस्ट युवाओं को गुमराह कर सकती हैं। रनौत को विरोध प्रदर्शनों पर अपनी टिप्पणियों के बाद आलोचना का सामना करना पड़ा है। उन्होंने 'जेन ज़ी' को जेनरेशन गटर कहा था और प्रदर्शनों के वीडियो को उल्टी लाने वाला बताया था, जिस पर ऑनलाइन तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। उनकी टिप्पणियों के बाद, कई यूज़र्स ने एक्टर की फ़िल्मों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के क्लिप शेयर किए और उनके बयानों पर सवाल उठाए। आलोचना का जवाब देते हुए, रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो क्लिप के साथ एक नोट शेयर किया। उन्होंने कहा कि उनकी फ़िल्मों के सीन, जिनमें वह काल्पनिक किरदार निभाती हैं, उनकी तुलना असल ज़िंदगी की स्थितियों से नहीं की जानी चाहिए।

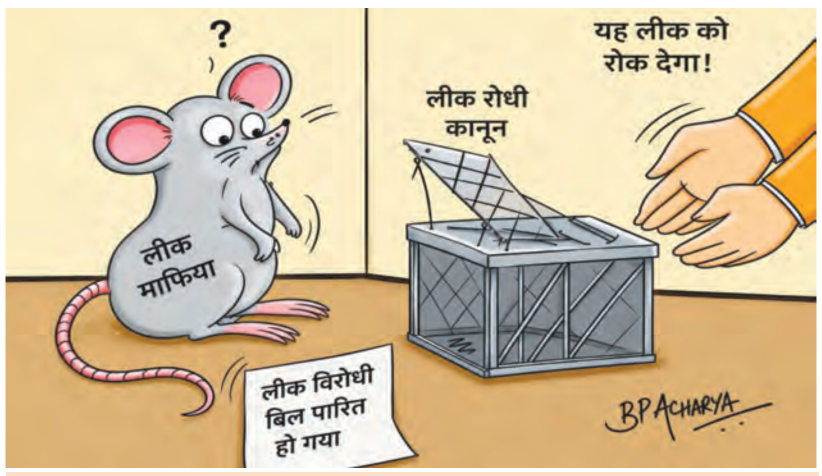

नशा तस्करी नेटवर्क का आरोपी काबू, 20 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने सीमा पार से चल रहे नशा तस्करी नेटवर्क और संगठित अपराध से जुड़े मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 किलो हेरोइन बरामद की है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी विदेश में बैठे एक हैंडलर के संपर्क में था और उसके निर्देशों पर सीमा पार से भेजी जाने वाली नशे की खेप को हासिल करता था। आरोपी की भूमिका बॉर्डर इलाके से हेरोइन की खेप लेने और उसे पंजाब में आगे सप्लाई करने वाले लोगों तक पहुंचाने की थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आरोपी के विदेशी संपर्कों और सीमा पार सक्रिय नशा तस्करों से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

जब बहादराबाद टोल पर दिखी अद्भुत कांवड़, झलक देखने को कुछ देर थमा ट्रैफिक, 25 लाख शिवभक्त पहुंच चुके

हरिद्वार, 1 अगस्त (एजेंसियां)। श्रावण माह से शुरू हुए कांवड़ मेले में दो दिन में 25 लाख 10 हजार शिवभक्तों ने गंगाजल उठाया है। दूसरे दिन 14 लाख 55 हजार शिवभक्त गंगाजल भरकर रवाना हुए। मेला कंट्रोल रूम में स्थापित पुलिस कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवड़ मेला के दूसरे दिन शिवभक्तों की भारी आमद देखने को मिली। हरिद्वार में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं।

कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रमुख स्नान घाटों, कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली में 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन और छोटे हवाई उपकरणों के उड़ाने पर रोक

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए राजधानी में 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन सहित सभी तरह के छोटे हवाई प्लेटफॉर्म उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया यह आदेश 15 दिनों तक लागू रहेगा, जिसमें 15 अगस्त के समारोह से पहले और तुरंत बाद की अवधि शामिल है।

आधिकारिक आदेश के अनुसार, ऐसी खबरें मिली हैं कि कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों का उपयोग करके आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट में आशंका जताई गई है कि असामाजिक तत्व या आतंकवादी ड्रोन और अन्य छोटे हवाई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर आम लोगों, वीआईपी, संवेदनशील सरकारी भवनों और स्वतंत्रता दिवस समारोह को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे किसी भी खतरे को पहले ही खत्म करने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। बीएनएसएस के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि अधिसूचित अवधि के दौरान दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) के अधिकार क्षेत्र में कहीं भी इन चीजों को उड़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कौन हैं सीएसपी नेहा पच्चीसिया

एयर होस्टेस की ग्लैमरस जॉब छोड़ पहनी थी खाकी, आज गंभीर आरोपों में घिरीं है

भोपाल, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस महकमे में इन दिनों कटनी की नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नेहा पच्चीसिया का नाम सुर्खियों में बना हुआ है। कभी अपनी मेहनत, संघर्ष और एयर होस्टेस की ग्लैमरस लाइफस्टाइल छोड़कर वर्दी पहनने के लिए मिसाल बनीं नेहा पच्चीसिया पर अब 'अवैध वसूली' और 'कर्तव्य में लापरवाही' के गंभीर आरोप लगे हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की गूंज कटनी से लेकर भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय तक सुनाई दे रही है।

कटनी के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी महेंद्र कुमार जैन ने एसपी अभिनय विश्वकर्मा से शिकायत की कि 21 जुलाई की रात वाहन चेकिंग के दौरान उनकी रेत/डोलोमाइट से लदी हाईवा गाड़ी को रोका गया। आरोप है कि गाड़ी छोड़ने के एवज में सीएसपी की ओर से 30 हजार रुपये की मांग की गई। मौके पर 25 हजार रुपये नकद लिए गए और बाकी 5 हजार रुपये अगले दिन ड्राइवर के जरिए देने को कहा गया। पीड़ित ट्रांसपोर्टर ने बताया कि पैसे न देने पर वाहन को थाने में खड़ा कर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी गई थी।

शिकायत मिलते ही कटनी पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने शुरुआती जांच के आधार पर सीएसपी नेहा पच्चीसिया के वाहन चालक आरक्षक केशव सिंह को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया। सीएसपी नेहा पच्चीसिया से तीन प्रमुख थानों (कुठला, माधवनगर और रंगनाथ नगर) का

प्रभार वापस ले लिया गया और यह जिम्मेदारी अजाक डीएसपी शिवा पाठक को सौंप दी गई। नेहा पच्चीसिया एक अन्य विभागीय जांच के घेरे में भी हैं। हत्या के एक मामले में तय 90 दिनों के भीतर अदालत में चालान पेश न होने के कारण आरोपी को डिफॉल्ट जमानत मिल गई। आरोपी ने कोर्ट में परिवाद दायर कर आरोप लगाया है कि मामले में फायदा पहुंचाने के बदले उसकी जमीन बेहद कम कीमत पर बिकवाई गई। हालांकि इस मामले की भी अभी जांच जारी है।

मामले की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जांच जिला सीमा से बाहर भेजी गई। ट्रांसपोर्टर की शिकायत और विभागीय लापरवाही दोनों मामलों की जांच जबलपुर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व महिला आईपीएस अधिकारी अनु बेनीवाल को सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही कोई अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा, फिलहाल आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है।

शादी के महज सात दिन बाद तलाक, कोर्ट ने सुनाया फैसला; विवाहिता बोली– मैं किसी और से प्यार करती हूं

इंदौर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। विवाह के सिर्फ सात दिनों में तलाक का मामला सामने आया है। इंदौर जिला कोर्ट में यह सवाल उठा कि क्या हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत एक वर्ष तक अलग-अलग रहने की शर्त पूरी नहीं होने के कारण तलाक की याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं? लेकिन वकील ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 14(2) के तहत आवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णयों में स्पष्ट किया है कि जिस विवाह का वास्तविक अस्तित्व ही न हो, उसमें दोनों पक्षों को जबरदस्ती साथ रहने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

दोनों पक्षों का समय और जीवन प्रभावित न हो, इसलिए उन्हें आपसी सहमति से अलग कर देना ही उचित होगा। कोर्ट ने भी पति और पत्नी की सहमति के आधार पर तलाक मंजूर कर लिया। अधिवक्ता वर्षा गुप्ता ने बताया कि दोनों ही एक-दूसरे के साथ नहीं रहना चाहते थे। तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए परिवार न्यायालय ने विवाह के मात्र सात दिनों के भीतर ही तलाक की प्रक्रिया पूरी कर दी। गांव से जबरदस्ती शादी करके आई पत्नी ने पति के साथ रहने से इनकार कर दिया। उसने कहा, यह शादी मेरी मर्जी से नहीं हुई थी। घरवालों के दबाव में जबरदस्ती मेरी शादी कराई गई। अब मैं पति के साथ नहीं रहना चाहती। मैं किसी और से प्यार करती हूं। पत्नी की बातें सुनने के बाद पति ने तलाक लेने का फैसला किया।

कबड्डी खिलाड़ी की पत्नी ने दी जान

ढाई साल पहले शादी, 11 माह का बेटा, एक दिन पहले बनाई थी ये रील; क्या थी वजह?

रोहतक, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी शीलू बल्हारा की पत्नी मुस्कान बल्हारा (23) ने शुक्रवार शाम साढ़े 4 बजे मकान में ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हरियाणा आला चीता के नाम से मशहूर शीलू 15 दिन से कबड्डी खेलने के लिए पंजाब गए हुए थे। वह देर रात वापस लौट आए। घटना की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। शनिवार को पोस्टमार्टम व मायके वालों के बयान दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

शव को पीजीआई के डेड हाउस में रखवाया गया है। जांच अधिकारी और बहुअकबरपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जसबीर ने बताया कि शुक्रवार शाम बाद करीब साढ़े 4 बजे पुलिस को सूचना मिली कि शीलू बल्हारा की पत्नी मुस्कान ने पंखे से चुन्नी बांधकर फंदा लगा लिया है। एफएसएल टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची और मायके वालों को सूचित किया। फरमाणा गांव से मायके वाले मौके पर पहुंचे और उनकी मौजूदगी में शव को नीचे उतारकर पीजीआई के डेड हाउस में पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला लग रहा है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी शीलू बल्हारा की पत्नी मुस्कान बल्हारा के सुसाइड मामले में नया मोड़ आ गया है। रात दो बजे मुस्कान के पिता फरमाणा गांव निवासी सुखबीर ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। साथ ही शीलू के दूसरी लड़कियों से अवैध संबंध हैं। इसका पता उसे लग गया था। हालांकि आरोपी पक्ष ने इस तरह के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

बहुअकबरपुर थाना पुलिस ने शीलू उर्फ टिंकू बल्हारा, पिता सुरेंद्र बल्हारा, मां निशा व भाई मनीष के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने की एफआईआर दर्ज की है। पुलिस को दी शिकायत में महम चौबीसी के गांव फरमाणा गांव निवासी सुखबीर ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी मुस्कान की शादी दिसंबर 2023 में बहुअकबरपुर निवासी टिंकू (शीलु) बल्हारा के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही टिंकु व उनके परिवार के लोग मुस्कान को दहेज कम लाने के ताने देने लगे।

बेटी को बोलते थे कि शीलू तुम्हारे लेवल से बहुत ऊपर है। वह कबड्डी का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी है। परिवार का प्रताडित करने की सिलसिला चलता रहा। उन्होंने कर्ज लेकर एक डिमांड पूरी की। प्रताड़ना जारी रहने पर व्यक्तिगत व पंचायती तौर पर शीलू व उसके परिवार को समझाया। बेटे होने पर पीलिया में डिमांड पूरी करने के बावजूद मुस्कान को तंग व जलील करने का सिलसिला जारी रहा। मुस्कान ने सुसाइड से एक दिन पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के गाने ओ घुमेया तू कर नी पटोला बनके, रह कर बिल्लो थोड़ा बन ठन के.. पर रील अपलोड की थी।

शुक्रवार रात 10 बजे तक दोनों पक्षों के बीच गांव के बाद बहुअकबरपुर थाने में पंचायत हुई। कार्रवाई कराने या न कराने पर कोई निर्णय नहीं हो सका। मायके पक्ष के लोग थाने के बाहर बैठ गए। थाना प्रभारी जसबीर सिंह का कहना है कि मायका पक्ष कोई बयान दर्ज कराएगा, तभी कार्रवाई की जा सकेगी।

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने उतारा दोस्त रूस का कर्ज

प्रतिबंधों के बीच बना तारणहार, भड़क सकता है यूरोप

मास्को/नई दिल्ली/कीव, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और रूस के बीच दोस्ती सोवियत जमाने से ही दुनिया में एक मिसाल है। साल 1971 का बांग्लादेश युद्ध हो या भारत का परमाणु विस्फोट, रूस भारत के साथ हमेशा खड़ा रहा। आज भी भारत के करीब 65 फीसदी हथियार रूसी मूल के हैं। अब यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस जंग में बुरी तरह से फंस गया है और लाखों की तादाद में रूसी सैनिक हताहत हुए हैं। रूस के लिए महासंकट की इस घड़ी में भारत ने रूस का पुराना कर्ज एक तरह से उतार दिया है। भारत अमेरिका के 100 फीसदी टैरिफ के खतरे के बाद भी न केवल रूस से जमकर तेल खरीद रहा है, बल्कि उसे ऐसे 50 हजार बेहद जरूरी सामानों का भी निर्यात कर रहा है जो उसे पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से नहीं मिल पा रहे हैं।

पोलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक रूस की रक्षा और सुरक्षा कंपनियां भारत के सप्लाई चेन की मदद से

हजारों ऐसे सुरक्षा से जुड़े सामानों का आयात कर रही हैं। रिपोर्ट में एक शोध के हवाले से यह भी चेतावनी दी गई है कि भारत और ब्रिटेन तथा यूरोपीय संघ के बीच ट्रेड डील के बाद ऐसे सुरक्षा से जुड़े उपकरणों का रूस को निर्यात बढ़ सकता है। इस शोध को करने वाली कंपनी स्ट्राइडर टेक्नोलॉजीज के मुख्य खुफिया अधिकारी डेविड विगनेअल्ट ने यह दावा किया है।

स्ट्राइडर कंपनी के शोधकर्ताओं ने 50 हजार कंट्रोल्ड या संवेदनशील सामानों को तीसरे देशों में ट्रैक किया जो यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद भारत के रास्ते रूस जा रहा है। कंपनी का कहना है कि ये यूरोप में बने सामान हैं जो भारत के रास्ते रूस जा रहे हैं। इन सामानों के बारे में पहली बार खुलासा हुआ है। इन सामानों में इलेक्ट्रानिक, मशीनरी, ट्रांसपोर्ट के सामान, मेटल और अत्याधुनिक इलेक्ट्रिकल उपकरण शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इन सामानों में कई तो दोहरे इस्तेमाल वाले हैं या संवेदनशील उपकरण माने जाते हैं।

इस शोध में दावा किया गया है की यूरोप या ब्रिटेन के सामानों को भारत में असेंबल करके उसे रूस भेजे जाने का खतरा है। यूरोप के देशों ने रूस के खिलाफ कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। इससे रूस यूरोपीय देशों की तकनीक और उपकरणों को हासिल करने में मुश्किल का सामना कर रहा है। यूरोपीय कंपनी कुछ भी कहे भारत और रूस के बीच संबंध सोवियत जमाने से ही बहुत ही अच्छे रहे हैं। भारत रूस का सबसे बड़ा हथियार खरीदने वाला देश है। रूस ने भारत की कई बार मदद की है। रूस भारत को ऐसे हथियार और तकनीक देता है जो पश्चिमी देश भारत को नहीं देते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण परमाणु पनडुब्बी है। रूस ने भारत को चक्र परमाणु पनडुब्बी लीज पर दी थी।

विश्लेषकों का कहना है कि अब भारत भी रूस की मदद कर उसका कर्ज उतार रहा है। भारत के इस रुख से पश्चिमी देश भड़के हुए हैं।

श्रावणी मेले में पहली बार हेलीकॉप्टर सेवा

15 मिनट में पहुंचे देवघर से बासुकीनाथ, ऑनलाइन ही करना होगा बुकिंग, 4 अगस्त से शुरुआत

रांची, 1 अगस्त (एजेंसियां)। इस श्रावणी मेले में देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने की दिशा में सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार के नगर विमानन विभाग के सहयोग से देवघर से बासुकीनाथ तक हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की तैयारी की गई है। इस पहल के तहत पहली बार श्रद्धालुओं को झारखंड के प्रमुख तीर्थ स्थलों का हवाई दर्शन कराने की योजना बनाई गई है।

प्रशासन का मानना है कि इस सेवा के शुरू होने से खासकर श्रावणी मेला और अन्य अवसरों पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। यात्रा अधिक सुगम हो सकेगी।

नई हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने के बाद श्रद्धालु देवघर से बासुकीनाथ की दूरी मात्र 15 मिनट में तय कर सकेंगे। वर्तमान में सड़क मार्ग से यह दूरी तय करने में एक घंटे से अधिक समय लग जाता है।

सोना भी पड़ा फीका! रूसी वैज्ञानिकों ने खोजा दुनिया का सबसे महंगा खनिज

1 मिलीमीटर की कीमत हिला देगी

मॉस्को, 1 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी वैज्ञानिकों ने सोने से भी महंगा धातु खोजने का दावा किया है। रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक ने बताया है कि रिसर्चर्स ने कोला प्रायद्वीप पर खिबिनी मैसिफ की किरोव्स्की खदान में इस नए मिनरल की पहचान की है। रूसी विज्ञान और उच्च शिक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने स्पुतनिक को बताया कि इसका नाम 'कोला ऐश्क्रॉफ्टाइन' रखा गया है। प्रवक्ता के मुताबिक चट्टान पर इस नए मिनरल की एक पतली परत की कीमत भी औसतन 145 डॉलर प्रति मिलीमीटर है जो सोने की कीमत से काफी ज्यादा है।

रूसी रिसर्चर्स ने जोर देकर कहा 'यह अब सिर्फ एक सुंदर पत्थर नहीं है बल्कि यह पृथ्वी की ऊपरी परत का एक केमिकल आर्काइव है। एक ही क्रिस्टल में यट्रियम, सिलिकॉन, पोटैशियम, सोडियम और पूरी मेंडलीव टेबल मौजूद है।' प्रवक्ता ने आगे कहा कि

कोला ऐश्क्रॉफ्टाइन की खासियत इसमें कैल्शियम, मैंगनीज और फ्लोरीन का होना है जबकि इसकी क्रिस्टल संरचना विज्ञान की जानकारी में मौजूद सबसे जटिल मिनरल संरचनाओं में से एक है।

ऐश्क्रॉफ्टाइन खनिज क्या है?

स्पुतनिक ने बताया है कि क्लासिक ऐश्क्रॉफ्टाइन गुलाबी रंग का पारदर्शी और आसानी से टूटने वाला और बहुत ही दुर्लभ सिलिकेट मिनरल है जिसके भंडार ग्रीनलैंड, कनाडा और इटली में पाए जाते हैं। ऐश्क्रॉफ्टिन को वैज्ञानिक भाषा में मुख्य रूप से ऐश्क्रॉफ्टाइन-(Y) कहा जाता है और ये प्रकृति में पाया जाने वाला एक बेहद दुर्लभ और अत्यधिक जटिल खनिज है। यह वही खनिज है जिसकी चर्चा इंटरनेट पर वायरल हो रहे 'सोने से भी महंगे रूसी खनिज' वाले दावों में की जा रही है।

ऐश्क्रॉफ्टिन एक पोटैशियम, सोडियम, इट्रियम, कैल्शियम सिलिकेट कार्बोनेट खनिज है। इसका रासायनिक सूत्र विज्ञान की दुनिया में सबसे बड़े और जटिल सूत्रों में से एक माना जाता है। इसमें भारी मात्रा में इट्रियम शामिल होता है, जो एक रेयर-अर्थ एलिमेंट है।

अमेरिका में एफ-35बी फाइटर जेट क्रैश

पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब

वाशिंगटन, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के सैन डिएगो में शुक्रवार सुबह मरीन कॉर्प्स का एफ-35बी फाइटर जेट मिरामार एयर बेस के पास क्रैश हो गया। हादसे के बाद विमान में आग लग गई, जिसे दमकलकर्मियों ने बुझा दिया। मरीन कॉर्प्स के मुताबिक, पायलट समय रहते इजेक्ट कर सुरक्षित बाहर निकल आया। उसे मामूली चोटें आई हैं और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने इस हादसे को 'क्लास ए मिसहैप' घोषित किया है। यह सैन्य विमान हादसों की सबसे गंभीर श्रेणी होती है। इसमें विमान पूरी तरह नष्ट हो जाए, 20 लाख डॉलर (करीब 17 करोड़ रुपये) से ज्यादा का नुकसान हो या किसी सैनिक की मौत हो जाए। एक एफ-35बी फाइटर जेट की कीमत करीब 109 मिलियन डॉलर (करीब 950 करोड़ रुपये)

बताई जाती है।

एफ-35बी अमेरिका का एडवांस्ड स्टील्थ फाइटर जेट है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह कम दूरी से उड़ान भर सकता है और हेलीकॉप्टर की तरह सीधा उतर (वर्टिकल लैंडिंग) भी सकता है। इसका इस्तेमाल अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, नेवी और एयर फोर्स करती हैं।

यह पिछले एक महीने में अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के एफ-35बी से जुड़ा दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले वॉशिंगटन में भी एक एफ-35बी जेट दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। अब इस नए हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

पाकिस्तान में गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई पर हमला

ल्यारी में अज्ञात हमलावरों ने घर के बाहर गोली मारी, हालत गंभीर

कराची, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलोच पर गुरुवार शाम जानलेवा हमला हुआ। कराची के ल्यारी इलाके में उनके घर के बाहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

हमले में 40 साल के जुबैर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि गोलीबारी की चपेट में आए दो राहगीर भी जख्मी हुए हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जुबैर के सीने और पेट में गोलियां लगी हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। घायलों को तुरंत कराची के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां जुबैर की सर्जरी की गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, घायल राहगीरों में से एक की हालत भी गंभीर है।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि हमलावरों के भागने के रूट का पता लगाया जा सके।

मौके से गोलियों के खोल बरामद किए गए हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि इस्तेमाल किए गए हथियार के प्रकार का पता चल सके।

हमले के बाद ल्यारी में स्थिति तनावपूर्ण है, जिसके चलते वहां अतिरिक्त पुलिस बल और रेंजरों की तैनाती कर दी गई है।

संदिग्धों को पकड़ने के लिए कराची के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर चेकिंग तेज कर दी गई है।

साउथ के डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। अभी यह पता लगाने की

कोशिश की जा रही है कि हमला गैंगवार की वजह से हुआ, पुरानी दुश्मनी के चलते हुआ या इसके पीछे कोई और कारण है।

फिलहाल पुलिस ने किसी एक वजह की पुष्टि नहीं की है।

पुलिस के मुताबिक, जुबैर बलोच को 2012 में सात आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किया गया था। वह जनवरी 2025 में जेल से बाहर आया था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि उसकी पुरानी आपराधिक रंजिशों का इस हमले से कोई संबंध है या नहीं।

इस घटना के बाद ल्यारी में एक बार फिर गैंगवार की आशंकाएं तेज हो गई हैं। इलाके के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जुबैर ने हाल ही में एक राजनीतिक पार्टी जॉइन की थी और कुछ महीने पहले इलाके में पार्टी के झंडे भी लगाए थे।

हालांकि, इलाके में जारी तनाव के चलते उस राजनीतिक दल के नाम का खुलासा नहीं किया गया है, और न ही पार्टी की ओर से इस जानलेवा हमले पर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है।

उनका दावा है कि कराची ऑपरेशन के दौरान दुबई और ईरान भागे कई गैंगस्टरों के दोबारा लौटने की चर्चाएं हैं, जिससे स्थानीय लोगों में गैंगवार फिर शुरू होने का डर बढ़ गया है।

उजैर बलोच कभी कराची के सबसे ताकतवर गैंग लीडरों में गिना जाता था।

श्रीलंका ब्लास्ट : कोर्ट ने पूर्व पुलिस प्रमुख को दी मौत की सजा

कोलंबो, 1 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका में तीन न्यायाधीशों के उच्च न्यायालय के एक पैनल ने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक पुजित जयसुंदरा को मौत की सजा सुनाई है। दरअसल, अधिकांश न्यायाधीशों ने उन्हें पूर्व खुफिया जानकारी प्राप्त होने के बावजूद भी 2019 के ईस्टर संडे आतंकी हमलों को रोकने में विफल रहने का दोषी पाया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश प्रियानथ लियानागे और थिलाकरत्ने बंदारा ने बहुमत का फैसला सुनाया। वहीं, न्यायाधीश विराज वीरसुरिया ने असहमति वाला फैसला जारी किया। बहुमत के फैसले की घोषणा करते हुए, पीठासीन न्यायाधीश लियानागे ने कहा कि जयसुंदरा उस समय देश के पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। नागरिकों की रक्षा करने और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार थे। अदालत ने कहा कि तत्कालीन राज्य खुफिया सेवा के निदेशक निलंथा जयवर्धना ने 20 अप्रैल, 2019 की शाम को जयसुंदरा को सूचित किया था कि अगले दिन कैथोलिक चर्चों और पर्यटक होटलों पर आत्मघाती हमले होने की आशंका है। हालांकि, अदालत ने कहा कि जयसुंदरा हमलों को रोकने के लिए उपाय करने में विफल रहे। अधिकांश न्यायाधीशों ने कहा कि जयसुंदरा ने अपराध रोकने और जनता की सुरक्षा के लिए नियुक्त राज्य अधिकारी के रूप में अपने दायित्वों की उपेक्षा की थी। उन्होंने अपराधों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए मृत्युदंड सुनाया। अपने असहमति वाले फैसले में, वीरसुरिया ने कहा कि अभियोजन पक्ष जयसुंदरा के खिलाफ आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा और उन्हें बरी कर दिया।

पीओके में 'शांति' लाएंगी यासीन मलिक की पत्नी मुशाल?

पाकिस्तानी सरकार को दिया बड़ा ऑफर, मुनीर से भी अपील

इस्लामाबाद, 1 अगस्त (एजेंसियां)। यासीन मलिक की पत्नी मुशाल मलिक ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शांति स्थापित करने पर जोर दिया है। पीओके में बढ़ते संकट के बीच मुशाल ने पाकिस्तानी सरकार और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है। कमेटी के नेतृत्व में बीते करीब दो महीने से पीओके में प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे पूरे इलाका अशांति और हिंसा की चपेट में है। पाकिस्तान की ओर से इन प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाने की कोशिशों ने आम लोगों के गुस्से को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

तिहाड़ जेल में बंद यासीन मलिक की पत्नी मुशाल ने गतिरोध खत्म करने के लिए बातचीत का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि चीजों को शांति की तरफ ले जाने का बातचीत के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान

के सेना प्रमुख असीम मुनीर से पीओके में दखल देने और शांति बहाली में मदद करने की अपील की है।

मुशाल ने अपने बयान में कहा है कि पीओके लोग जायज मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। वे पीने का पानी, सड़कें और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी सार्वजनिक सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। इन मांगों को सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ नहीं हैं, जैसा कि कुछ लोग बताने की कोशिश कर रहे हैं।

मुशाल ने पीओके के लोगों की बात ना सुनने के लिए राजनीतिक नेतृत्व की आलोचना की और राजनेताओं पर लोगों की तकलीफों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने पाकिस्तान को चेताते हुए कहा कि पीओके में इंसानी जिंदगी की अहमियत को समझा जाए क्योंकि हिंसा जारी रही तो बहुत परेशानी होने वाली है।

मुशाल ने लगातार बने गतिरोध को तोड़ने, दोनों पक्षों को एक साथ लाने और बातचीत को आसान बनाने की कोशिश के तहत एक मानव श्रृंखला बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बातचीत शुरू करने में मदद के लिए पाकिस्तानी अधिकारियों और जेएएसी के बीच मध्यस्थ के तौर पर काम करने की पेशकश की है।

मुशाल ने पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से सीधे अपील की कि वे जारी अशांति के बीच दखल दें। मुशाल ने एक तरफ राजनीतिक नेतृत्व को चेताने का काम किया तो वहीं असीम मुनीर के प्रति वह नरम दिखीं। उन्होंने कहा कि सैन्य नेतृत्व को पीओके में दखल देनी चाहिए ताकि चीजों को बेहतरी की तरफ ले जाया जाए।

हिंदू-मुस्लिम तनाव की चपेट में नेपाल

छोटी सी चिंगारी ने भारत से सटे इलाके में भड़काई सांप्रदायिक आग

काठमांडू, 1 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल का मधेस इलाका हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में आ गया है। मधेस क्षेत्र में तनाव ने भारत की भी चिंता बढ़ा दी है क्योंकि नेपाल का यह इलाका भारतीय सीमा से लगा हुआ है। यह हिंसा एक धार्मिक जुलूस के दौरान झड़प से शुरू हुई जिससे पूरे इलाके में तनाव फैला हुआ है। हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हुए जिसके बाद कर्फ्यू लगाना पड़ा और सेना तैनात करनी पड़ी।

मधेस वह इलाका है, जहां नेपाल-भारत सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच भाषाई, सांस्कृतिक संबंध हैं। दोनों तरफ के लोगों की बड़ी संख्या में एक-दूसरे से रिश्तेदारियां भी हैं। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि अशांति जितनी तेजी से फैली वह चिंताजनक है।

हिंसा 26 जुलाई को नेपाल के

सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण नगर में शुरू हुई। यह इलाका भारतीय सीमा से 20 किमी से भी कम दूरी पर है। रिपोर्ट के अनुसार, हजारों हिंदू श्रद्धालु कोशी बैराज से सावन के महीने में होने वाली बोल बम यात्रा के लिए पवित्र जल लेकर लौट रहे थे। केसरिया झंडे और डीजे के साथ उनका जुलूस कप्तानगंज चौक की तरफ बढ़ रहा था, जहां स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोगों ने धार्मिक झंडे लगाने पर आपत्ति जताई।

जल्द ही यह बहस झड़प में बदल गई और दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। पुलिस ने गोली चलाकर भीड़ को हटाने की कोशिश की। इस दौरान एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और पुलिसकर्मियों समेत 2 दर्जन लोग घायल हो गए। हालात को काबू में पाने के लिए अधिकारियों ने कर्फ्यू लगा दिया और पुलिस की टुकड़ियां तैनात कर दीं। कर्फ्यू लगने के बाद भी हिंसा नहीं रुकी। अगले मधेस के दूसरे कस्बों में भी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और इलाके में सांप्रदायिक तनाव फैल गया। 30 जुलाई को सिराहा में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिसमें 15 साल के एक लड़के की मौत हो गई। यह पुलिस की कार्रवाई में तीसरी मौत थी, जिससे लोग भड़क गए। नेपाल ने सड़कों पर उतारी सेना हिंसा को रोकने के लिए नेपाल की सेना भी सड़कों पर उतरी और आर्म्ड पुलिस फोर्स के साथ गश्त में शामिल हो गई। वहीं, मारे गए लोगों के परिवारों ने शव लेने से इनकार कर दिया और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अधिकारियों और परिजनों के बीच बातचीत के बाद एक समझौता हुआ, जिसमें मृतकों को शहीद का दर्जा, हर एक पीड़ित परिवारों को 10 लाख नेपाली रुपये मुआवजा और परिवार के एक योग्य सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा किया।

लूट का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया। इस मामले के मास्टरमाइंड कनवर बाग को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि वारदात में शामिल उसके तीन साथी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस के मुताबिक, अजीत नाडार ने चौकी रामनगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि 30 जुलाई 2026 की शाम करीब 6:30 बजे उनका बेटा दुकान जाने के लिए घर से निकला था। गोपालनगर पहुंचने पर मोहल्ले का रहने वाला कनवर बाग अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोपियों ने पहले युवक से अश्लील गाली-गलौज की, फिर जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ मारपीट की और उसके पास रखे कैश लूटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर गुढ़ियारी थाना में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया।

घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) दीपमाला कश्यप ने अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आदित्य पांडेय, सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा और रामनगर चौकी प्रभारी को आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद विशेष टीम का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ के साथ तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी कनवर बाग की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

समुद्र के नीचे जहाजों का कब्रिस्तान

द्वितीय विश्व युद्ध के जमाने के 8500 जहाज अभी भी दफन, अंदर है तबाही का सामान

वॉशिंगटन, 1 अगस्त (एजेंसियां)। यह बात किसी तबाही वाली फिल्म की कहानी की तरह लग सकती है लेकिन पूरी तरह सच है कि दुनिया भर में समुद्र के नीचे 8500 से ज्यादा जहाज डूबे पड़े हैं, जिनमें भारी मात्रा में ईंधन भरा हुआ है। यह समुद्री पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा खतरा बनता जा रहा है।

इनमें से ज्यादातर मलवा पहले और दूसरे विश्व युद्ध के समय का है। समुद्र की तलहटी में जंग खा रहे इन जहाजों में अभी भी लगभग 6 अरब गैलन ईंधन भरा हुआ है। इन जहाजों को डूबे हुए 100 साल या तो हो चुके हैं या फिर होने वाले हैं। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे इनका स्टील का ढांचा कमजोर होता जा रहा है, मलबों से होने वाला प्रदूषण चरम पर पहुंच सकता है। बीते साल

माइक्रोनेशिया में ऐसा देखा गया, जब जहाज से तेल रिसकर उस पानी में मिल रहा था जिस पर स्थानीय परिवार भोजन के लिए निर्भर हैं।

इस घटना के बाद लोगों को उस इलाके से हटाना पड़ा और मछली पकड़ने पर रोक लगानी पड़ी। इससे एक खतरा की आहट सुनाई पड़ती है कि अगर कोई बड़ा तूफान या भूकंप एक साथ कई मलबों को तोड़ दे, तो बड़ा पैमाने पर नुकसान हो सकता है।

इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के अनुसार, दुनिया भर में समुद्र की तलहटी में लगभग 30 लाख डूबे हुए जहाज छोड़े गए, जहाज हैं। इनमें से 8500 को ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले मलबे के तौर पर वर्गीकृत किया गया है। ज्यादातर मलबे दो विश्व युद्धों के समय के हैं। इन जहाजों के मलबों में 6 अरब गैलन भारी ईंधन के साथ ही हानिकारक केमिकल और बड़े पैमाने पर बिना फटे हथियार मौजूद हैं।

मरीन पॉल्यूशन बुलेटिन जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी से पता चलता है कि इनमें से लगभग आधे मलबे प्रशांत महासागर में हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या सोलोमन द्वीप समूह, माइक्रोनेशिया और मार्शल द्वीप समूह के आसपास पाई जाती है। इन जहाजों से होने वाले संभावित खतरे के बारे में सबसे पहले 1990 के दशक में विशेषज्ञों ने आगाह किया था।

गोला में 59 हाथियों का उत्पात

नए झुंड के पहुंचने से बढ़ी दहशत, फोरलेन में डिवाइडर से हाथियों का पारंपरिक रास्ता बंद

रामगढ़, 1 अगस्त (एजेंसियां)। रामगढ़ स्थित गोला प्रखंड में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले एक माह से क्षेत्र में लगातार उत्पात मचा रहे 45 हाथियों के बीच गुरुवार रात 14 हाथियों का नया झुंड हेसापोड़ा जंगल में पहुंच गया। इसके साथ ही प्रखंड क्षेत्र में हाथियों की संख्या बढ़कर 59 हो गई है। हाथियों के बढ़ते दबाव से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। किसानों की फसलें लगातार बर्बाद हो रही हैं। हेसापोड़ा जंगल में प्रवेश करते ही 14 हाथियों के झुंड ने सिंगारी गांव में वासुदेव महतो के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद हाथियों ने आसपास के खेतों में लगी धान का बिचड़ा, मक्का, सब्जियां समेत अन्य फसलों को खाया। फसलों को रौंदा। इससे भारी नुकसान हुआ। वहीं, पहले से मौजूद 45 हाथियों का झुंड चार-पांच टुकड़ियों में बंटकर सरला कला, कुम्हरदगा, सोसोकला, चोकाद, मगनपुर, महलीडीह, रोला, घाघरा, हेसापोड़ा, बड़की हेसल, जयंती बेड़ा, सिंगारी और कोरांबे सहित कई गांवों में लगातार उत्पात मचा रहा है।

हाथी सड़क के एक ओर से दूसरी ओर नहीं जा पा रहे हैं। इसी कारण वे गांवों की ओर भटक रहे हैं। वे भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसानों का आरोप है कि यदि सड़क निर्माण के दौरान हाथियों के आवागमन के लिए वन्यजीव कॉरिडोर बनाया जाता, तो आज उन्हें इतनी बड़ी क्षति नहीं उठानी पड़ती।

संकष्टी चतुर्थी व्रत आज

सावन महीने की पहली चतुर्थी, पंचामृत से करें भगवान शिव और गणपति जी का अभिषेक, भोजन और लड्डुओं का करें दान

सावन महीने में भगवान शिव की भक्ति के साथ-साथ भगवान गणेश की पूजा का भी विशेष महत्व है। सावन कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस बार रविवार, 2 अगस्त को यह चतुर्थी है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की पूजा और व्रत करने से जीवन की परेशानियां कम होती हैं और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, सावन महीने की संकष्टी चतुर्थी पर विधि-विधान से गणपति पूजा करने से जाने-अनजाने में किए गए पाप कर्मों के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है, इसलिए इनकी भक्ति करने से भक्त की सभी बाधाएं दूर हो सकती हैं। इस दिन भगवान शिव और गणपति जी का पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए।

संकटों से मुक्ति दिलाता है चतुर्थी व्रत

सावन की इस चतुर्थी को गजानन संकष्टी चतुर्थी भी कहते हैं। इस दिन भगवान गणेश के गजानन स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। संकष्टी शब्द संस्कृत भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है संकटों से मुक्ति पाना। यही कारण है कि इस दिन भगवान गणेश की पूजा करके भक्त दुखों और परेशानियों से छुटकारा पाने की प्रार्थना करते हैं। गणेश पुराण में भी चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश की पूजा को शुभ बताया गया है।

गणेश जी के साथ करें शिव-पार्वती की पूजा

सावन महीने की संकष्टी चतुर्थी का संबंध भगवान शिव से भी माना जाता है। भगवान गणेश को भगवान शिव और माता पार्वती का पुत्र माना जाता है, इसलिए इस दिन गणेश पूजा साथ शिव-पार्वती की पूजा करने की परंपरा है। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा में सुगंधित फूल, बेलपत्र खासतौर पर चढ़ाते हैं, देवी पार्वती को सुहाग की सामग्री जैसे लाल चुनरी, लाल चूड़ियां, बिन्दी, कुमकुम अर्पित करना चाहिए। भगवान गणेश को पंचामृत से स्नान कराएं, इसके बाद जल से स्नान कराएं। वस्त्र और हार-फूल से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाएं। दूर्वा और लड्डू चढ़ाएं। ऊँ गं गणपतयै नमः मंत्र का जप करें।

इस व्रत में भक्त पूरे दिन निराहार रहते हैं यानी अन्न का त्याग करते हैं। जो भक्त पूरे दिन भूखे नहीं रह पाते हैं, वे एक समय फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों का रस पी सकते हैं। शाम को भी भगवान गणेश और चंद्र देव की पूजा की जाती है। पूजा करने के बाद भोजन ग्रहण किया जाता है। भगवान गणेश को लड्डुओं का भोग खासतौर पर लगाया जाता है। इस दिन जरूरतमंदों को लड्डू, कपड़े, खाना, जूते-चप्पल, धन का दान करने की परंपरा भी है। कहा जाता है कि इस दिन श्रद्धा से पूजा, व्रत और दान करने से जीवन में सुख-शांति आती है और परेशानियों से राहत मिलती है।

ऐसे कर सकते हैं संकष्टी चतुर्थी व्रत

व्रत रखने वाले व्यक्ति को सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना चाहिए। कई लोग इस दिन काले तिल से स्नान करने की परंपरा का पालन करते हैं। इसके बाद भगवान गणेश का ध्यान करते हुए व्रत करने का संकल्प लेना चाहिए।

घर में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित कर उनकी पूजा करें। मूर्ति सोने, चांदी, तांबे या मिट्टी की हो सकती है।

भगवान गणेश का शुद्ध जल और पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद उन्हें नए वस्त्र अर्पित कर श्रृंगार करें। पूजा में चंदन, चावल, फूल, धूप और दीप अर्पित करें। भगवान गणेश को लड्डुओं का भोग लगाएं और नारियल चढ़ाएं।

संकष्टी चतुर्थी की कथा पढ़ें या सुनें और अंत में गणेश जी की आरती करें। शाम को फिर से पूजा करें और चंद्रमा के दर्शन के बाद उन्हें अर्घ्य देकर व्रत पूरा करें।

संत की राजा को सीख: क्रोध, ईर्ष्या और अहंकार मन की शांति छीन लेते हैं

इन भावनाओं को समझकर धीरे-धीरे नियंत्रित करना सीखें

एक लोक कथा है, पुराने समय में एक राजा के पास अपार धन-संपत्ति, विशाल महल, अनेक सेवक और जीवन की सभी सुख-सुविधाएं थीं। राज्य में उसकी प्रतिष्ठा और सम्मान भी बहुत था, लेकिन इतना सब होने के बाद भी राजा का मन हमेशा अशांत रहता था। वह हर समय चिंताओं से घिरा रहता था। कभी उसे पड़ोसी राज्यों की चिंता होती, कभी अपने फैसलों को लेकर डर रहता और कभी उसे लगता कि लोग उसके सम्मान को कम न कर दें।

राजा दिन-रात राज्य के कामों में व्यस्त रहता था, लेकिन उसके मन को शांति नहीं मिलती थी। एक दिन वह अपने राज्य का निरीक्षण करने निकला। यात्रा करते हुए वह जंगल के रास्ते से गुजर रहा था। तभी उसे एक आश्रम दिखाई दिया। राजा आश्रम में गया और वहां रहने वाले एक संत को प्रणाम किया।

राजा ने संत से कहा, "मेरे पास सब कुछ है, फिर भी मेरा मन बेचैन रहता है। मैं चाहता हूं कि मुझे सच्ची शांति मिले।"

संत ने मुस्कुराते हुए कहा, "यदि तुम्हें शांति चाहिए तो कुछ समय यहां बैठकर ध्यान करो।"

राजा ने ध्यान लगाने की कोशिश की, लेकिन उसका मन बार-बार राज्य की समस्याओं, भविष्य की चिंताओं और पुराने निर्णयों की बातों में उलझ जाता था। काफी प्रयास करने के बाद भी वह ध्यान नहीं लगा पाया।

राजा ने संत से कहा, "गुरुदेव, मैं ध्यान नहीं कर पा रहा हूं। मेरा मन शांत ही नहीं होता।"

संत ने कहा, "ठीक है, मेरे साथ आश्रम से बाहर चलो।"

राजा संत के साथ आश्रम के आसपास घूमने लगा। चलते-चलते राजा ने एक पेड़ को हाथ लगाया। अचानक उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया। राजा को तेज दर्द हुआ। संत तुरंत आश्रम से औषधि लेकर आए और राजा के हाथ पर लगा दी।

संत ने कहा, "राजन, जिस तरह हाथ में चुभा कांटा तुम्हें दर्द दे रहा था, उसी तरह तुम्हारे मन में भी कई कांटे चुभे हुए हैं। क्रोध, अहंकार, भय, ईर्ष्या और लालच जैसे कांटे मन को लगातार पीड़ा देते हैं। जब तक तुम इन कांटों को नहीं निकालोगे, तब तक तुम्हें सच्ची शांति नहीं मिलेगी।"

राजा को संत की बात समझ आ गई। उसने महसूस किया कि उसकी अशांति बाहरी परिस्थितियों की वजह से नहीं, बल्कि उसके अपने विचारों और भावनाओं की वजह से थी।

उस दिन से राजा ने अपने व्यवहार में बदलाव लाना शुरू किया। उसने अहंकार को छोड़कर लोगों की बात सुननी शुरू की, क्रोध पर नियंत्रण करना सीखा और अपने राज्य के धन का उपयोग जनता की भलाई के लिए करने लगा। धीरे-धीरे उसके मन के सभी कांटे निकलने लगे और उसे वह शांति मिल गई जिसकी उसे लंबे समय से तलाश थी।

प्रसंग की सीख

अपने मन को समझें - जीवन में समस्याएं हमेशा बाहर नहीं होतीं। कई बार हमारी बेचैनी हमारे विचारों, डर और इच्छाओं से पैदा होती है। अपने मन को समझना जीवन सुधारने की पहली सीढ़ी है।

नकारात्मक भावनाओं को नियंत्रित करें - क्रोध, ईर्ष्या और अहंकार मन की शांति छीन लेते हैं। इन भावनाओं को दबाने के बजाय उन्हें समझकर धीरे-धीरे नियंत्रित करना सीखें।

प्रतिदिन कुछ समय शांत बैठकर अपने विचारों को देखें। ध्यान मन को स्थिर करने और सही निर्णय लेने में मदद करता है।

जिम्मेदारियों के साथ संतुलन बनाए रखें - राजा की तरह जीवन में भी कई जिम्मेदारियां होती हैं, लेकिन केवल काम में डूबे रहना सही नहीं है। परिवार, स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए समय निकालना जरूरी है।

अहंकार को छोड़कर सीखते रहें - पद, धन या सफलता मिलने के बाद भी विनम्र रहना जरूरी है। जो व्यक्ति दूसरों से सीखता रहता है, वह जीवन में लगातार आगे बढ़ता है।

धन और सफलता का सही उपयोग करें - सच्ची खुशी केवल संपत्ति जमा करने में नहीं, बल्कि उसका सही उपयोग करने में है। दूसरों की मदद करने से मन को संतोष मिलता है।

भविष्य की अत्यधिक चिंता न करें - भविष्य की योजना बनाना जरूरी है, लेकिन लगातार चिंता करना वर्तमान की खुशियां छीन लेता है। वर्तमान समय का सही उपयोग करें।

अच्छी संगति अपनाएं - जिन लोगों के साथ हम रहते हैं, उनके विचारों का प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। सकारात्मक और ज्ञान देने वाले लोगों का साथ चुनें।

गलतियों से सीखें - हर व्यक्ति से गलतियां होती हैं। उन्हें लेकर पछतावे में रहने के बजाय उनसे सीखकर आगे बढ़ना जीवन प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सेवा और कृतज्ञता का भाव रखें - जीवन में जो कुछ मिला है उसके लिए आभारी रहें। दूसरों के प्रति सहयोग और सेवा का भाव मन को गहरी शांति देता है।

वास्तविक सुख बाहरी सुविधाओं में नहीं, बल्कि शांत और संतुलित मन में होता है। जब हम अपने अंदर के कांटों यानी बुराइयों को पहचानकर उन्हें दूर करते हैं, तभी जीवन वास्तव में सुखमय बनता है।

घर में शिवलिंग रखना सही या गलत?

यहां जानिए सावन में कौन सा शिवलिंग करें स्थापित

सावन का महीना भगवान शिव को अतिप्रिय है।इस पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा आराधना का विशेष महत्व होता है। हर कोई मंदिर और घर में भगवान भोले की कृपा पाने के लिए शिवलिंग की पूजा करते हैं, लेकिन घर में शिवलिंग की स्थापना करना सही है या गलत...।ये सवाल अक्सर लोगों के मन में होता है। घर में शिवलिंग की स्थापना के क्या नियम है? कौन सा शिवलिंग घर में स्थापित करना चाहिए? आइये जानते है इसके बारे में।

लिंग पुराण में शिवलिंग के पूजा आराधना के नियम तय किए गए हैं। काशी के ज्योतिषाचार्य पंडित संजय उपाध्याय ने बताया कि वैसे तो शिवलिंग कई प्रकार के होते हैं, लेकिन पत्थर या स्फटिक के शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा होती है। वहीं नर्मदेश्वर शिवलिंग की स्थापना और उनके पूजन की विधि बेहद सरल है।

नर्मदेश्वर शिवलिंग की करें स्थापना

उन्होंने बताया कि नर्मदा नदी में पाएं जाने वाले नर्मदेश्वर शिवलिंग के लिए प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती है। इसे सहज से घर में रखकर पूजन और जलाभिषेक किया का सकता है। इसलिए घरों में पूजन के लिए नर्मदेश्वर शिवलिंग की स्थापना करना शास्त्र संवत है। इस शिवलिंग को आप घर के पूजा स्थान पर स्थापित कर सकते हैं। बाजार में आपको आसानी से यह शिवलिंग भी मिल जाएगा।

सावन के पवित्र महीने में आज अपने घर पर इसे स्थापित कर सकतें है।

ऐसे करें पूजन

पंडित संजय उपाध्यय ने बताया कि हर दिन स्नान के बाद घर में स्थापित नर्मदेश्वर शिवलिंग को गंगा जल या किसी अन्य नदी के पवित्र जल से अभिषेक कराना चाहिए। विशेष तिथियों पर आप दूध, गन्ने का रस, नारियल का पानी और दही से भी इनका अभिषेक कर सकते हैं। इनके अभिषेक के बाद इन्हें बेलपत्र, सुगंधित पुष्प,धतूरा अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा इन्हें भस्म और चंदन भी अर्पित कर सकते हैं। इसके बाद धूप,अगरबत्ती और दीपक से इनकी पूजा करनी चाहिए। याद रहे यह क्रम नियमित होना चाहिए। इससे आप पूरे साल भगवान शिव की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

सावन में सुहागिन महिलाएं क्यों पहनती हैं हरे रंग की चूड़ियां?

हिंदू धर्म में श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सबसे पावन समय माना जाता है। इस पूरे महीने श्रद्धालु व्रत, पूजन, रुद्राभिषेक और शिव भक्ति में लीन रहते हैं। धार्मिक मान्यता है कि सावन में सच्चे मन से की गई पूजा-अर्चना से भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इसी दौरान चारों ओर हरियाली छा जाती है, जो समृद्धि और जीवन मे ऊर्जा बढ़ाती है। सावन में सुहागिन महिलाओं के हरी चूड़ियां पहनने की परंपरा भी विशेष महत्व रखती है। इसके पीछे धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं जुड़ी हैं। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं इसका महत्व।

भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सावन में श्रद्धालु पूजा-पाठ, व्रत और विभिन्न धार्मिक उपाय करते हैं। मान्यता है कि इस पावन माह में महिलाओं के लिए हरे रंग के वस्त्र पहनना और हरी कांच की चूड़ियां धारण करना बेहद शुभ माना जाता है। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हरा रंग सुख, समृद्धि और सकारात्मकता का प्रतीक है। वहीं कांच की चूड़ियों की मधुर ध्वनि वातावरण की नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। इससे घर-परिवार में सुख, शांति का वातावरण बना रहता है।

हरे रंग का महत्व

ज्योतिष शास्त्र में हरे रंग को बेहद शुभ और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। इसका संबंध बुध ग्रह से माना जाता है, जो बुद्धि, वाणी और समृद्धि का कारक है। मान्यता है कि हरे रंग के वस्त्र धारण करने से बुध ग्रह की कृपा प्राप्त होती है और व्यक्ति की वाणी में मधुरता व संतुलन आता है। सावन मास में सुहागिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा पाने के लिए हरे रंग की चूड़ियां, साड़ी या अन्य वस्त्र धारण करती हैं, जिसे सौभाग्य और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

प्रकृति और भगवान शिव का संबंध

भगवान शिव को प्रकृति का सबसे बड़ा उपासक माना जाता है। उनका जीवन प्रकृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। शिव का निवास हिमालय की शांत वादियों में माना जाता है, जो प्रकृति की पवित्रता का प्रतीक है। उनकी पूजा में बेलपत्र, धतूरा, भांग और अन्य हरी सामग्री अर्पित की जाती हैं। यही कारण है कि सावन माह में हरे रंग का विशेष महत्व माना जाता है। यह रंग हरियाली, समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और भगवान शिव की कृपा का प्रतीक माना जाता है।

सावन में राशि अनुसार जलाभिषेक समय करें छोटा सा उपाय

सावन का महीना शुरू हो गया है। सावन माह चातुर्मास में आता है, इस वजह से इस समय में विवाह नहीं होते हैं क्योंकि भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं, देव सो रहे होते हैं। लेकिन जिन लोगों का विवाह नहीं हो रहा है, शादी की बात बनते-बनते बिगड़ जा रही है या शादी तय होने में अड़चने आ रही हैं तो आप सावन में भगवान शिव और माता पार्वती की भक्ति करें। उनके आशीर्वाद से आपके शादी की बात पक्की हो सकती है, आपको मनचाहा जीवनसाथी मिल सकता है। इसमें आपको सावन सोमवार और मंगला गौरी का व्रत करना होगा। लेकिन जल का एक छोटा सा उपाय है, जो सावन में करने से जल्द विवाह का योग बनेगा।

सावन में विवाह के लिए उपाय

कानपुर की ज्योतिषाचार्या स्वाति सक्सेना के अनुसार, श्रावण मास में विधि विधान से माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करें। इसमें प्रत्येक दिन आपको शिवलिंग का जलाभिषेक करना है, लेकिन राशि के अनुसार, उस पवित्र जल में कुछ वस्तुएं मिलानी हैं।

सावन में अग्नि प्रधान राशियां मेष, सिंह और धनु को पवित्र जल या गंगाजल में शहद या फिर गुड़ मिलाकर शिवजी का अभिषेक करना चाहिए। यह उपाय सावन के हर दिन करें। शिव कृपा से आपके लिए जल्द ही विवाह के योग बनेंगे। जिनका विवाह हो चुका है, उनके दांपत्य जीवन की समस्याएं दूर होंगी और आपस में प्रेम बढ़ेगा।

वृषभ, कन्या और मकर राशि

पृथ्वी तत्व प्रधान राशियां वृषभ, कन्या और मकर वालों को गाय के दूध, दही और गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। इस उपाय को पूरे श्रावण मास में करें, आपकी शादी की बात पक्की हो जाएगी। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय होगा।

कर्क, वृश्चिक और मीन राशि

जल तत्व की प्रधान राशियां कर्क, वृश्चिक और मीन वालों को सावन के हर दिन भगवान भोलेनाथ का केसर वाले पवित्र जल से या गंगाजल में केसर मिलाकर अभिषेक करें। महादेव के आशीर्वाद से आपकी मनोकामना जल्द पूरी हो जाएगी।

मिथुन, तुला और कुंभ राशि

वायु तत्व की 3 राशियों मिथुन, तुला और कुंभ वाले जातकों को श्रावण मास में प्रतिदिन इत्र या सुगंधित जल या गंगाजल में इसे मिलाकर भगवान शिव शंभू का अभिषेक करना चाहिए।

बताए गए इस ज्योतिष उपाय से आपके ग्रह अनुकूल होंगे, विवाह में आने वाली बाधाएं दूर होंगी और जल्द ही विवाह के योग बनेंगे। आप दांपत्य जीवन के बंधन में बध जाएंगे। जीवन के कष्ट दूर होंगे और सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी होगी।

हमारे दुर्गुण, निराशा, अशांति और कलह का मूल कारण अज्ञान है, झूठे आकर्षणों से बचें

हमारे दुर्गुण, निराशा, प्रलोभन, अशांति और कलह का मूल कारण अज्ञान और अविवेक है। सही विचारों के अभाव में व्यक्ति भ्रम और झूठे आकर्षणों के जाल में फंस जाता है। इसलिए जीवन में उन्नति के लिए विवेकपूर्ण सोच अपनाना जरूरी है। हमें उस मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए, जहां उत्साह, उल्लास, आनंद, प्रसन्नता और सफलता का वास हो। सत्य, ज्ञान और सद्विचारों को अपनाकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। अतः भ्रम और झूठे आकर्षणों से बचकर सही दिशा में निरंतर आगे बढ़ना ही श्रेष्ठ है।

श्रावण मास में शिवोपासना की महिमा

अतुल कुमार

भगवान शिव आस्था और आध्यात्मिकता के सबसे बडे प्रतीक हैं . वह सृष्टि के रचयिता ,पोषक और संहारक हैं .वह कर्पूर गौरवं करुणाव तारं हैं . भगवान शिव की वंदना का यह एक प्रसिद्ध श्लोक है . अर्थात कपूर की भांति एकदम सफेद और करुणा के साक्षात रूप हैं . वह ही संसार के सार , संबल और समृद्धि के द्योतक हैं . पूरे संसार के मुख्य तत्व वही हैं . इसलिये उनको संसार सारम कहा गया जो श्रद्धालुओं के दिलों में वास करते हैं . अतः सदा वसंतम ह्रदयारविंदे के स्वरूप भी वही हैं . शिव में से इ की मात्रा निकाल दें तो केवल शव रह जाता है .जो प्राणहीन है. इसलिये शिव को सभी तत्वों का अधिपति कहा गया . श्रावण मास में शिव की पूजा ,भजन और प्रवचन होते हैं जिनके श्रवण (सुनने से) आध्यात्मिक शक्ति का विस्तार होता है . सभी मासों में सबसे प्रिय उनको श्रावण मास है .यह वही मास है जब पृथ्वी अपना श्रंगार करती है और अपने रमणीय सौंदर्य को बिखेरती है . किसी कवि ने खूब लिखा " रिमझिम बरसा सावन आया , धरती पर हरी चुनरिया लाया /तपती धूप का अंत हुआ , अंबर ने ठंडी बूंदों को बरसाया / .कजरी और मल्हार के सुर जग गये / मेंहदी रची हथेलियों ने शर्मा कर खुशियों के नये गीत गुन गुनाये / तभी गूंज उठा बम – बम भोले का जयकारा //

शिव अनादि और अनंत हैं प्रसंगानुसार एक बार ब्रह्मा और विष्णु में सबसे अच्छा कौन की लडाई होने लगी तब दोनों ने मिल तय किया कि इसका निर्णय भगवान शिव करेंगे .इस याचना को ले दोनों महादेव के पास पहुंचे .विवाद का हल निकालने के लिये शिव साकार से निराकार रूप में प्रकट हुए . उनका निराकार रूप अग्नि रूप में नज़र आने लगा . ब्रह्मा और विष्णु दोनों इसके आदि और अंत का पता लगाने के लिये चल पडे .कई युग बीत गये लेकिन इसके आदि और अंत का पता नहीं लगा .जिस स्थान पर यह घटना हुई वह अरुणाचल के रूप में जाना गया . दोनों को अपनी भूल का एहसास हुआ . भगवान शिव साकार रूप में प्रकट हुए और कहा कि आप दोनों ही समान हैं इसके बाद शिव ने कहा कि पृथ्वी पर अपने ब्रह्म रूप का बोध कराने के लिये मैं लिंग रूप में प्रकट हुआ इसलिये पृथ्वी पर इसी रूप में मेरे परम ब्रह्म रूप की पूजा होगी .आज भी उनके उसी रूप की पूजा होती है .

सबसे पहले शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार –प्रसार को शुरु किया इसलिये वह आदि देव कहे गये ." आदि " का अर्थ प्रारंभ होता है अतःउनको आदिनाथ कहा गया . शिव केवल देवता नहीं बल्कि जीवन का पाठ पढाने वाले गुरु माने गये .अपने जीवन दर्शन से उन्होंने आत्म बलिदान , विनम्रता ,साहस ,बुराई पर अच्छाई की जीत ,प्रेम और भक्ति की शक्ति तथा धैर्य के महत्व को बताया . जीवन में आज इन सभी का तेज़ी से क्षरण हो रहा है तब शिव दर्शन की महिमा प्रकट होती है .वह निगेटिव विचारों के अंत और पासिटिव ऊर्जा के सृजन के प्रतीक हैं रूपांतरण ,शक्ति ,ध्यान और करुणा के अवतार हैं इसलिये उनको करुणावतार ,कृपानिधि और आशुतोष कहा गया, शास्त्रानुसार समुद्र मंथन के समय काल कूट विष पान कर सृष्टि के रक्षार्थ भयानक विष को पिया और संसार की रक्षा की इसलिये असीम करुणा के प्रमाण हैं . पौराणिक मान्यता के अनुसार ,समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को भगवान शिव ने सावन में ही पिया था .इसलिये इस महीने में उनकी पूजा का विशेष महत्व है . जब दया की भावना लोगों में आज खत्म हो रही है तब यह प्रसंग अधिक मायने रखता है.

दूसरी मान्यतानुसार माता पार्वती ने श्रावण महीने से ही शिव को पति रूप में पाने के लिये तप शुरु किया था श्रावण में किये तप से देवी पार्वती की मनोकामना पूरी हुई और उनका विवाह शिव से हुआ अत; शिव को यह मास प्रिय है . कहा भी गया दिल सच्चा और कर्म अच्छा बाकि सब महादेव की इच्छा .आज के तनाव भरे और भागदौड भरे जीवन में भगवान शिव केवल एक पौराणिक देवता नहीं ,बल्कि मानसिक शांति ,संतुलन ,सादगी और चेतना के प्रतीक हैं .बिना किसी दिखावे व आडंबर के अत्यंत सरल जीवन को जीते है मौजूदा भौतिकवादी संस्कृति के दिखावे को छोड सहजता अपनाने का पाठ पढाते हैं

मस्तक पर चंद्रमा को धारण कर हर परिस्थित्ति में शांत ,संयमित और धैर्यवान बने रहने को बताते हैं . शिव अध्यात्म और विज्ञान का अनूठा संगम हैं जो विनाश और सृजन की ऊर्जा के द्योतक हैं . इंडियन साइंस भी मानती है कि सब कुछ शून्यता से शुरु हो उसी में विलीन हो जाता है . शिव महायोगी हैं जिन्होंने ध्यान की अवस्था में रह शरीर ,मन और आत्मा को संतुलन में रख जीवन को स्वस्थ ,संतुलित ,और सुदीर्घ बनाने का मार्ग बताया .

आज माडर्न साइंस भी मान चुका है कि मेडिटेशन और योग से मानसिक स्वास्थ ,न्यूरोलाजी और हार्मोन बैलेंस को चंगा रखा जा सकता है . दरअसल शिव शिक्षा का सिद्धांत ही वह ज्ञान है जो आज सारी दुनिया में किसी न किसी रूप में प्रचलित है . उनका नटराज स्वरूप उनके कलात्मक और वैज्ञानिक स्वरूप को दर्शाता है . इसलिये शास्त्रों में कहा गया " नटराजाय नम : " अर्थात नृत्यों के सम्राट शिव को प्रणाम .और " डमरू नाद –प्रवीणम" यानी डमरू के नाद में प्रवीण और " चरण नुपुर झंकार " चरणों के नुपुरों की गूंज . डमरू की चौदह ध्वनियों से संस्कृत व्याकरण के चौदह मूल सूत्र प्रकट हुए जिनको

महर्षि पाणिनी ने सुना शिव से जुडे होने के कारण इन सूत्रों का नाम माहेश्वर सूत्र पडा .इसलिये उनको महेश्वर भी कहा गया .

शास्त्रों द्वारा श्रावण मास को भक्ति ,तप और पूजा का महीना माना गया . इस समय प्रकृति अपने पूरे सौंदर्य से सजी होती है . हर ओर हरियाली होती है .लोक कल्याण के लिये विष को कंठ में धारण करने वाले भगवान नील कंठ को ठंडक व सुकून मिलता है .यह बताता है कि जीवन के विषैले विकारों और क्रोध को पचा कर ही व्यवहार और आचरण को मधुर बनाया जा सकता है .किसी कवि ने श्रावण के महत्व पर खूब लिखा " पावन श्रावण मास आया गूंजे शिव का हर –हर बास / अंबर से बरसे जल धार झूमे धरती और संसार / नाचे मन –मोर भई खुशहाल बोलो हर – हर महादेव //

काव्य कुंज

दीप शिखा सी बेटी

बेटी आज बढ़ो तुम आगे,
अपनी शक्ति की परख करो
इस समाज के हर पहलू में
स्वयं अपनी पहचान बनो।।
तुम वो दीप शिखा हो,
जो तूफ़ां में भी जलता है
जग की अंधी गलियों में
आलोक छटा बिखराता है ।।
गलित रूढ़ियों का ग्रास बनी,
ये समाज की काया आज
ले कटार क्रांति का कर में
तुम इसका ,जड़ से संहार करो ।।
देखो तुम में बसता है,
मानिनी उमा का सम्मान
हवन कुंड की उस ज्वाला को
फिर से तुम धधका दो ।।
आज भी लोभ के दलदल में,
दानव दहेज का पलता है
लेकर माँ दुर्गा की शक्ति
इस पापी का हनन करो ।।
बनी विडम्बना ये है कैसी
तू दहेज का ग्रास बनी
अस्तित्व पड़ा संकट में तेरा
कर विरोध संहार करो ।।
यह जग तुमको जोड़ रहा,
दहेज की क्षुद्र प्रस्तावना से
यह अवमूल्यन रोक लो
अपने स्वर की शक्ति से ।।
कितनी कुरीतियाँ बदल गयी समय के चलते चक्र से
इसका भी होगा उन्मूलन अब तेरे ही हाथों से ।।

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

उठो, देश के लिए उठो

कुमुद बाला,
हैदराबाद

काले अंधकार से लड़,
दीपक की लौ यही कहती है,
एक चिंगारी भी युगों का
भाग्य बदल सकती है।
उठो जवानों, उठो!
देश के लिए उठो।
प्रकृति से कर लो दोस्ती,
प्रदूषित हवा यही कहती है,
धरती माँ की हर साँस तुम्हें आज पुकारती है।
उठो इंसानों, उठो! देश के लिए उठो।
सोया हुआ विवेक जगाओ, नई चेतना लानी है,
स्वार्थ नहीं, अब राष्ट्रधर्म की ज्योति हमें जलानी है।
हाथों में श्रम, हृदय में सेवा, आँखों में विश्वास भरो,
उठो जवानों, उठो! देश के लिए उठो।
नदियाँ निर्मल, वन हरियाले, नीला अम्बर चाहिए,
आने वाली हर पीढ़ी को सुंदर सा कल चाहिए।
एक-एक पौधा रोप धरा का ऋण कुछ तो चुकाओ,
उठो इंसानों, उठो! देश के लिए उठो।
राम, रहीम, नानक, ईसा सबने प्रेम सिखाया है,
मानवता से बढ़कर जग में कोई धर्म न पाया है।
नफ़रत की हर दीवार गिराकर प्रेम का दीप धरो,
उठो जवानों, उठो! देश के लिए उठो।
सीमा पर जो वीर खड़े हैं, उनका भी सम्मान करो,
अपने कर्मों से भारत माँ का ऊँचा गौरव-गान करो।
राष्ट्र पहले, स्वार्थ बाद में—यह संकल्प हृदय में भरो,
उठो जवानों, उठो! देश के लिए उठो।
दीप बनो तो तम हर लेना, वृक्ष बनो तो छाँव देना,
नदी बनो तो प्यास बुझाना, बादल बनकर गाँव देना।
जीवन तभी सफल होगा, जब जनहित में खुद को धरो,
उठो इंसानों, उठो! देश के लिए उठो।
आओ मिलकर ऐसी धरती, ऐसा भारत गढ़ जाएँ,
जहाँ प्रेम के फूल खिलें, नफ़रत के काँटे झड़ जाएँ।
विश्वगुरु बनने का सपना कर्मों से साकार करो।
उठो जवानों, उठो! देश के लिए उठो।

युग -युगांतर

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

कुछ परम्पराएं,
कुछ विरासतें, धरोहर हैं हमारी,
जो युग- युगांतर से चली आ रही हैं,
उपलब्धियां सारी,
प्रसिद्धि के चरम पर है स्थापित
ऐतिहासिक किंवदंतियां न्यारी,
जनश्रुति, दंतकथा,
लोककथा से भरपूर हैं ये साक्षी हमारी।
फिर क्यूं हम सांस्कृतिक सहिष्णुता और सा
माजिक समरसता को,
भुला बैठे, विस्मृत कर दिया
'वसुधैव कुटुंबकम् 'के भाव को ?
परिवार रुपी सशक्त कड़ी की अवमानना की,
अपमान का घूंट पीना पड़ा, विवाह रुपी अनूठी ईकाई को।
लिव-इन- रिलेशनशिप ने संस्कारों का भद्दा मजाक बनाया है,
और विवाहेत्तर संबंधों ने भारतीय संस्कृति पर अट्टहास लगाया है।
कहीं नव परिणीता ने ही अपने सिंदूर को उजाड़ दिया,
और कहीं पराई बेटी को प्रताड़ित कर,उसका संहार किया।
क्यूं विस्मृत कर दिया अहिंसा और प्रेम के संवाद को?
क्यूं मां भारती की अस्मिता को सरेआम नीलाम कर दिया?
जिन गौरवशाली परंपराओं से अभिभूत होते थे हम,
आज उसी अतुलनीय संस्कृति का कत्लेआम देख रहे हैं हम।
कलियुग का ये कौनसा चरम अध्याय लिखा जा रहा है,
जिसने क्षत-विक्षत कर दिया है युग- युगांतर से अर्जित,
वैभवशाली परम्पराओं के इतिहास को,
जार जार कर दिया है, सभ्यता के विश्वास को ?

सावन

टी तारासिंह
हैदराबाद

आया सावन आया
लाया बहारे , लाया खुशियां
सबके घर मे लाया खुशियां
बादल निले बादल सफेद है
बादल बरसे रिमझिम - रिमझिम
किसान बोये बिजे
करे खेत की रखवाली दिन - रात
आस लगाये अच्छी फसल का
अच्छी फसल हो तो कर्ज चुके
करे पुजा - अर्चना अन्नपूर्णा का
घर सजे आंगन रंगोली से सजे
किसान के घर हो खुशियो की दिपावली ।।

सिलसिला

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

सिलसिला उषा को
सितारों की ओढनी हटा,
अपनी उज्जवल छवि दिखाने तक
सिलसिला सिंदूरी गोधूलि में
गायों को घर लौटने तक।
सिलसिला रजनी की शांत
उनींदी पदार्पण तक,
प्राची की सुनहरी किरणों से लेकर चिडियों के उडने तक।
सिलसिला एक शब्द जो सदैव चलती रहती है,
सिलसिला बच्चों की पहली किलकारी से लेकर,
जीवन के अनगिनत कहानियों तक ।
उम्मीद की झोली में भर-भरकर
धूप की आशाएं समेटने सहेजने तक
सिलसिला जारी है ।
एक परीक्षा की तैयारी, दूसरी परीक्षा की तैयारी,
तैयारी और पूर्णता आने तक सिलसिला जारी है।
सिलसिला हौसला देती है
एक मंजिल से दूसरे मंजिल तक जाने की पहचान देती है
सिलसिला मौन बैठने नहीं देती चलती रहती है
नदी की धाराओं की तरह अनवरत,
स्थिरता जटिल बनाती है, शिथिल कर देती है
जड़ बना देती है उड़ते हुए पंखों को ।
प्रकृति भी यही सीख देती है
दिन के बाद रात रात के बाद दिन।
एक ऋतु जाती है दूसरी आ जाती है
सिलसिला जारी है अवसान से लेकर निर्माण तक ।

एक अर्ज़

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

नेताओं के हाव-भाव में
बदल हुआ है भारी,
राजनीति की नीति
छोड़कर हो गए अत्याचारी।
अत्याचारी हो गए कुछ,
तो कुछ हो गए व्यभिचारी,
अच्छी भली छोड़कर
अपनी भाती है परनारी।
कहते हो जब जब
भक्तों पर भीर पड़ेगी भारी,
आऊंगा सब छोड़ छाड़ कर बन करके अवतारी।
'यदा यदा हि धर्मस्य' वाली आती याद तुम्हारी,
अभी नहीं तो कब आओगे मोहन कृष्ण मुरारी।
जन रूपी द्रौपदि का अब भी चीर- हरण है जारी,
एक नहीं है अब अनेक हैं दुःशासन अतिचारी।
आंखें मूंदे बैठे हैं जो हाथ जोड़कर बेबस,
उनको याद दिला दो मोहन उनका भूला साहस।
हैं वरिष्ठ सब मौन सभा में
जाने क्या लाचारी,
चक्र सुदर्शन लेकर आना घमासान है भारी।

"श्रेष्ठ"

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

महान वह जो गरज
को पीना जानता हो
दुश्मनों के साथ भी
दोस्त की तरह रहना जीना जानता हो
जो मौके पर अपने होठों
को सीना जानता हो
सुंदरता हो न हो,
सादगी में रहना जानता हो
खुशबू हो न हो, महकना जानता हो,
मुलाकात हो न हो, संवाद करना जानता हो,
समझाने की कोशिश करना जानता हो,
समस्या का समाधान ढूंढना जानता हो।
दर्द संकल्प के साथ तपस्या करना जानता हो,
विषम परिस्थितियों में लड़ने का जज्बा जानता हो।
उम्मीद की किरण हमेशा बनाना जानता हो
श्रेय मिले या न मिले अपने श्रेष्ठ देना जानता हो।
कथनी में काम, करनी में ज्यादा विश्वास रखता हो
कथनी में काम, करनी में ज्यादा विश्वास रखता हो ।

धरा की पहचान

दर्शन सिंह
हैदराबाद

मिली है रूहें तो...
रस्मों की बंदिशें क्यों हैं
यह जिस्म खाक..
जाना है, फ़िर रंजिशें क्यों हैं
इक्कीसवीं सदी ,
नई इबारत लिखी गई है
धर्म ठेकेदारों ने खींच..
रख दी लकीरें क्यों हैं
जमीन ही नहीं बचेगी, विश्व थम सा जायेगा
राह चलते खड़ी कर दी गयी अड़चनें क्यों हैं
मुल्क को जिन्होंने अपने रक्त से सींचा
कड़कती ठंड में लावारिस बिलखते क्यों हैं
जिन्होंने तुझे तख्त ओ ताज पर बैठाया
उन्हीं को धूल चटाने की कवायदें क्यों हैं
किसकी हार, किसकी जीत का प्रश्न नही है
जिद्द छोड़ो , अनावश्यक... मंसूबें क्यों हैं
हमारी सीमाएं पहले से ही ज़्यादा संतप्त हैं
बेमतलब धरना, प्रदर्शन रंग तमाशे क्यों हैं
सर्वे भवन्तु सुखिनः ही है धरा की पहचान
सभ्यता, संस्कृति, मूल्य सिसकते क्यों हैं ।

गुरूदेव

मोनिका डागा,
चेन्नई

उत्तम हो संसार में, बच्चों का व्यवहार।
गढें गुरुदेव प्रेम से, शिक्षा शुभ संस्कार।।
वाणी में गुरुदेव की, होता प्रभु का वास।
हाथों से गुरुदेव के, बरसे निधियाँ खास।।
चलना पथ पर सीखते, गुरु से पाकर ज्ञान।
परम पूज्य गुरुदेव का, सदा करे सम्मान।।
सदा करो गुरु वंदना, कहते श्री भगवान।
गुरु विवेक जागृत करें, दे गीता का ज्ञान।।
बाधाओं को गुरु हरें, बरसाए वरदान।
सर्वोपरि हित शिष्य का, वेद रचित व्याख्यान।।
पदवी दी गुरूदेव को, विधाता ने विशेष।
ईश्वर की प्रतिमूर्ति गुरु, ब्रह्मा विष्णु महेश।।
गुरु राह दिखाए सही, हरे है अधंकार।
दिव्य प्रकाशित ज्योति से, नौका लगती पार।।
अपने अनुभव ज्ञान से, करें राह आसान।
समदृष्टि शिष्य पर रखे, दे उत्तुंग उड़ान।।
राही को मंजिल मिले, आशाओं के पंख।
गुरु के शुभ आशीष से, बजे जीत के शंख।।
करूण हृदय की मूर्ति गुरु, थामें रखता हाथ।
संरक्षक बनके सदा, जीवन में दे साथ।।
सांसारिक बंधन कटें, गुरु चरण तीर्थ धाम।
दयालु श्री गुरुदेव को, बारम्बार प्रणाम।।
कर्मों में शुचिता बसे, सच्चा श्रद्धावान।
श्रेष्ठ गुरु दक्षिणा यही, देना गुरु को मान।।
जीवन में आनंद हो, गुरुकृपा और ओज।
नया ज्ञान गुरुदेव से, रहें सीखते रोज।।

थोड़ी संवेदना थोड़ा स्पंदन

संजीव ठाकुर,
रायपुर

जब-जब जिंदगी की साँस
थककर किसी सीढ़ी पर बैठ गई,
एक अनदेखे हाथ ने
उसकी पीठ सहला दी।
रोते हुए चेहरे के पास
शब्द नहीं पहुँचे,
पहुँची केवल आँखों की नमी,
बड़ी सहायता निकली।
कितनी बार टूटने से पहले
हम एक स्पर्श से बच गए,
कितनी बार बिखरने से पहले
किसी विश्वास ने हमें सहारा दिया।
घर ईंटों से कम, संवेदनाओं से अधिक बनता
रिश्ते खून से कम, धड़कनों के स्पंदन से गुंथे जाते ।
दुनिया में जितनी भी हरियाली बची , वह पेड़ों की नहीं,
मनुष्यों के भीतर बची हुई करुणा की ।
जिस दिन संवेदना अपने ही घर भूल जाएगी,
उस दिन सबसे पहले उस दिन पृथ्वी की आंखों में आंसू होंगे।
बनाये रखना थोड़ी-सी धड़कन दूसरों के लिए,
थोड़ी-सी जगह अपने हृदय में, थोड़ा प्रकाश रात के लिए।
यही थोड़ी-सी संवेदना, यही थोड़ा-सा स्पंदन,
हर बार डगमगाती हुई जिंदगी की साँस को
बाँधकर रख लेते।
जैसे माँ की दुआ अदृश्य पूरे घर को थामे रहती ।

तुम्हें क्या मिलता है...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

दुनिया में कभी-भी ऐसा नहीं चलता,
दिमाग गरम रहें तो प्यार नहीं पलता।
क्यों? यूं स्वयं को इतना जला रहे हो,
दूसरों को मानसिक संत्रास दे रहे हो।
बताओ ऐसा कर तुम्हें क्या मिलता है,
क्रोध में कब प्रेम का फूल खिलता है।
अपने स्वभाव को भी दूरंदेशी बनाओ,
अपने प्रति सबके मन में प्रेम जगाओ।
मैंने माना बहुत ही कठिन है यह डगर,
सोचो कैसे चलेगा ऐसे पूरें जिंदगी भर।
कल को तुम तनहाँ ही तो रह जाओगे,
सबके प्रेम से हमेशा वंचित हो जाओगे।

सावन मुझे बुलाता है

मनीषा मंजरी
दरभंगा

जाने क्यों ये सावन,
अब भी धरा को भींगा जाता है,
अधरों पर मुस्कान,
पर दर्द आँखों से पिघल जाता है।
ये स्याह बदरा बीती यादों की
डोर थमा जाता है,
टिन की छत पर रिमझिम संगीत उतर आता है।
यूँ तो हरित वर्ण हर जंगल से रास रचाता है,
पर अवसाद की रात को कोई रंग कहाँ लुभाता है।
मनमोहक ऋतु की छाँव में, मयूर पंख साधे इठलाता है,
पर हृदय की ज्वलंत धूप को सावन भी छू नहीं पाता है।
एक भीगा शहर है, जो सौंधी खुशबूओं से भर जाता है,
और एक वीरान खंडहर, जो थोड़ा और ढह जाता है।
एक कीचड़ से सना रास्ता है,
जो घर की दूरी और बढ़ाता है,
और एक मसान की पगडंडी, जहां सावन मुझे बुलाता है।

ज़ख्म दिल का

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

कभी कुछ किसी से छुपाया नहीं है
मगर ज़ख्म दिल का दिखाना नहीं है
दिलो जान तुम पर निछावर करेंगे
न कहना कभी कुछ लुटाया नहीं है
कभी रुख से पर्दा हटाओ तो जाने
करा प्यार हमसे बताया नहीं है
छुपे हो कहाँ तुम कभी तो मिलोगे
हमारे बिना तो गुजारा नहीं है
कहे रात-दिन मैं दीवाना हूँ तेरा
कभी पास मेरे जो आया नहीं है
यह दुनिया हमें रास आयेगी कैसे
जो मौके पे देती सहारा नहीं है
चलो 'गीत' अपनी कहानी सुना दे
करा प्यार हमने जताया नहीं है।।

प्यार कर ले

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

खामोशी इख़्तियार कर ले।
ख़ुद ही ख़ुद से प्यार कर ले।
घर वाले अपने नहीं होंगे।
इस सच स्वीकार कर ले।
कुछ कहने से अच्छी है खामोशी
अंजान बन रिश्तों से दिल बेज़ार कर ले।
खिजां हो सेहरा में बसर हो
फ़िज़ा दिल में बहार कर ले।
हर रिश्ता झूठा साबित हो चुका
औलाद से दिल सोग़वार कर ले।
ग़ज़ल बेशक बेबहर हो,
एहसासों से प्यार कर ले।
क्या ख़ुशी क्या ग़म होगा जिंदगी में
जब दिल ही मर चुका,घर को मज़ार कर ले।

मौन-पथ

प्रियंका सौरभ

मौन-पथों पर जो चला,
पाया अपना ठौर।
भीतर जागा जब स्वयं,
मिट गए सब छोर॥
हर यात्रा पैरों बिना,
चलती मन के साथ।
मौन सुनाता आत्म का, सबसे सच्चा नाथ॥
बाहर जितना दौड़िए, उतना मन कमजोर—
भीतर जागा जब स्वयं, मिट गए सब छोर॥
सागर की गहराइयाँ, लहरों का विस्तार।
निस्तब्धता के गर्भ में, छिपा हुआ संसार॥
शांत हृदय ही जानता, जीवन का सिरमौर—
भीतर जागा जब स्वयं, मिट गए सब छोर॥
जीवन उत्तर माँगता, ऐसा नहीं विधान।
सिर्फ़ सहज उपस्थिति ही, देती है पहचान॥
क्षण-क्षण में जो जी सके, वही हुआ विभोर—
भीतर जागा जब स्वयं, मिट गए सब छोर॥
जब भीतर का शोर सब, थम जाए एक बार।
पक्षी, पवन, पत्तों जुड़ा, सुन पड़ता विस्तार॥
प्रकृति स्वयं तब खोलती, अपने कपाट-द्वार—
भीतर जागा जब स्वयं, मिट गए सब छोर॥
सूरज प्रतिदिन एक-सा, बदले अपनी दृष्टि।
निर्मल मन की आँख से, नव हो जाए सृष्टि॥
हर दिशा घर-सी लगे, मिटे भटकन घोर—
भीतर जागा जब स्वयं, मिट गए सब छोर॥
'सौरभ' मन का आश्रय ही, सबसे सच्चा धाम।
जिसने खुद को जान लिया, पा लिया विश्राम॥
मौन-पथों पर जो चला, पाया अपना ठौर।
भीतर जागा जब स्वयं, मिट गए सब छोर॥

गूंगा समाज

डॉ टी महादेव राव

अक्षरों का अस्तित्व
शब्दों का सामर्थ्य
वाक्यों की विशाल अभिव्यक्ति
कैद कर ली गई
ताकि रहे आघात बिन
तानाशाही जीवन तन
प्रजातंत्र के मैमने कीकितनी बार चढ़े बलि
कुछ शब्द मर गए कई अक्षर तर गए
वाक्यों का विन्यास दीमक कुतर गए मूक हैं सारे जन
बस कुछ करते हैं भजन कीर्तन
ताकि उनका अस्तित्व चमके
खुशहाली उनके आंगन बरसे
लोकतंत्र में लोग हों भले ही
क्षुधित बाधित तंत्र मगर पूर्णतया संसाधित
अक्षर शब्द वाक्यों की देखें आओ समाधि
ताकि सभ्यता के मृतप्राय होने से
पहले परम सनातन सत्य के हो जाए अंतिम दर्शन।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

निजाम के पास था कोहिनूर से दोगुना बड़ा हीरा?

आखिरी निजाम ने जैकब हीरे को पेपरवेट की तरह इस्तेमाल किया

दुनिया में जब भी मशहूर भारतीय हीरों का जिक्र होता है, तो कोहिनूर का नाम सबसे पहले आता है। ब्रिटिश क्राउन ने इस हीरे पर कब्जा कर लिया था और आज यह लंदन के टॉवर में रखा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक और हीरा है जो कोहिनूर से दोगुना बड़ा है और अभी भी भारत में मौजूद है। इस हीरे का नाम है जैकब डायमंड। यह बेशकीमती हीरा हैदराबाद के निजाम का था, जो कभी दुनिया के सबसे अमीर आदमी थी। इस हीरे के निजाम तक पहुंचने की कहानी बहुत दिलचस्प है और यह भी कि कैसे यह सालों तक जूते के अंदर पड़ा रहा था।

जैकब डायमंड की कहानी तीन लोगों की कहानी है- हैदराबाद के छठे निजाम महबूब अली खान, उनके आर्मेनियाई वैले आबिद और एक रहस्यमय हीरा व्यापारी अलेक्जेंडर मैल्कम जैकब की। 1890 के दशक में इस हीरे ने एक अंतरराष्ट्रीय स्कैंडल को जन्म दिया था।

कोहिनूर से दोगुना बड़ा हीरा

जैकब डायमंड का वजन 184.75 कैरेट है, जो इसे कोहिनूर से लगभग दोगुना बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े कटे हुए हीरों में से एक बनाता है। कहा जाता है कि यूरोप में तराशे जाने से पहले इसका वजन 400 कैरेट से ज्यादा था। जैकब डायमंड कहां से आया, इस बारे में आज तक साफ पता नहीं चल पाया है। इस हीरे को भारत के गोलकुंडा की खदानों का हीरा बताया जाता है। हालांकि,एक्सपर्ट इस पर संदेह जताते हैं।

कहां से आया जैकब डायमंड?

एक्सपर्ट का कहना है कि गोलकुंडा की खदानों से 400 कैरेट से ज्यादा वजन का हीरा मिलना ठीक नहीं मालूम पड़ता है, क्योंकि उस समय तक ये खदानें लगभग खत्म हो चुकी थीं। एक्सपर्ट इस हीरे के दक्षिण अफ्रीका की खदानों से पाए जाने की ओर इशारा करते हैं। हालांकि, इस बारे में पक्का नहीं कहा जा सकता है।

इस हीरे को मैल्कम जैकब ने एम्सटर्मड के एक ज्वेलरी सिंडिकेट से खरीदा था। जैकब तुर्की में पैदा हुए एक रहस्यमय ज्वेलरी थे, जिनके बारे में कई सारी कहानियां प्रचलित थीं। उन्होंने इस हीरे को हैदराबाद के छठे निजाम महबूब अली खान को बेचने का इरादा किया।

निजाम के लिए लंदन से लाया गया

निजाम को हीरा बेचने के लिए जैकब ने उनके निजी नौकर अल्बर्ट आबिद की मदद ली। निजाम, आबिद पर बहुत भरोसा करते थे और उसके कहने पर हीरा देखने के लिए तैयार हो गए। उस समय यह हीरा लंदन में था। निजाम ने इसे भारत लाने के लिए 23 लाख रुपये जमा किए, लेकिन शर्त रखी कि उनके पास ही यह तय करने का अधिकार होगा कि उन्हें पसंद है या नहीं।

इस बीच ब्रिटिश सरकार को निजाम की दिलचस्पी की खबर लग गई और उसने हीरा न खरीदने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। जुलाई 1891 में जैकब ने निजाम के सामने हीरा पेश किया। निजाम ने हीरा हाथों में उठाया और कहा- नापसंद। जैकब को लगा जैसे उसकी जिंदगी का सबसे बड़ी डील नाकाम हो गई।

हीरा बना इंटरनेशनल स्कैंडल

कुछ दिनों बाद जैकब ने अपने बैंक को पेमेंट ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। जैकब ने दावा किया कि नापसंद कहना अंग्रेजों को धोखा देने का एक नाटक था। हालांकि, निजाम ने जमा किए पैसे वापस मांगे, जिसे जैकब ने मना कर दिया। इसके बाद एक लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हुई, जो पूरी दुनिया में चर्चा बनी। पहली बार किसी भारतीय राजा ने ब्रिटिश अदालत में गवाही दी।

यह लड़ाई सभी के लिए नुकसानदेह साबित हुई। हालांकि, हाई कोर्ट ने जैकब को धोखाधड़ी के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन निजाम को बिना बकाया रकम दिए ही हीरा रखने की इजाजत दे दी। जैकब ने इज्जत, दौलत और अपने रईस ग्राहक, सब कुछ गंवा दिया था।

निजाम ने गुस्से में जूते में डालकर रखा

उधर हैदराबाद में इस हीरे को श्राप से जोड़कर देखा जाने लगा और लोग इसे मनहूस कहने लगे। निजाम भी स्कैंडल और अदालती कार्यवाही के चलते इसी नजर से देखने लगे। इसके बाद उन्होंने इस हीरे के साथ कुछ ऐसा किया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उन्होंने इसे कपड़े में लपेटा और पुराने जूते में डाला और महल में एक दराज के सबसे पीछे रख दिया।

1911 में निजाम महबूब अली खान की मौत के बाद गद्दी उनके बेटे मीर उस्मान अली खान को मिली। वे हैदराबाद के सातवें और आखिरी निजाम थे। उस्मान अली खान को यह हीरा अपने पिता के जूते में छिपा हुआ मिला। उन्होंने इस हीरे के साथ जो किया वह बहुत दिलचस्प रहा। उस्मान अली खान ने इस 184 कैरेट को हीरे को अपनी डेस्क पर पेपरवेट की तरह इस्तेमाल किया। इस बेशकीमती पत्थर को उन्होंने दफ्तर के सामान से ज्यादा नहीं समझा।

भारत सरकार ने खरीद लिया जैकब डायमंड

आखिरकार इस हीरे को निजाम के परिवार ने एक ट्रस्ट के हवाले कर दिया। बाद में इसे बेचने की कोशिश की गई तो भारत सरकार ने दखल दिया। निजाम के रत्नों को राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर दिया। अब इसे विदेशी खरीदारों को नहीं बेचा जा सकता था। आखिरकार भारत सरकार ने 1995 में निजाम के अन्य रत्नों के साथ खरीद लिया। वर्तमान में यह हीरा मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक की तिजोरी में रखा हुआ है। इसे कभी-कभार की सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए बाहर लाया जाता है।

चाय की दुकान की चकल्लस

डॉ. सुरेश मिश्रा

शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पर मन्नू की चाय की दुकान केवल एक गुमटी नहीं थी बल्कि उस पूरे इलाके की धड़कन थी जहाँ रोज सुबह से देर रात तक लोगों का तांता लगा रहता था। उस छोटी सी दुकान के कोने में लकड़ी की एक पुरानी बेंच रखी थी जहाँ हर शाम रामनाथ जी आकर बैठते थे। सफेद कुर्ता-पायजामा पहने और चेहरे पर एक अजीब सी खामोशी लिए रामनाथ जी जब भी आते तो मन्नू बिना कुछ पूछे मिट्टी के कुल्हड़ में कड़क अदरक वाली चाय उनके सामने रख देता था। रामनाथ जी चाय का केवल एक घूँट लेते और फिर उस आधे भरे कुल्हड़ को घंटे भर अपने हाथों में पकड़े टुकुर-टुकुर सामने की सड़क को निहारते रहते थे। मन्नू ने सालों से यह माजरा देखा था लेकिन उसने कभी उनसे इस बात का कारण पूछने की हिम्मत नहीं जुटाई थी। एक दिन जब दुकान पर ग्राहकों की भीड़ कुछ कम हुई तो मन्नू से रहा नहीं गया और वह हाथ में पोछा लिए उनके पास जाकर खड़ा हो गया। मन्नू ने बहुत ही सहेज कर अपनी बात रखते हुए पूछा बाबूजी आप रोज आते हैं और इतनी बढ़िया गरम चाय का बस एक घूँट पीकर छोड़ देते हैं, बाकी की पूरी चाय ठंडी होकर बेकार हो जाती है, क्या हमारी चाय का स्वाद आपको पसंद नहीं आता या फिर कोई और बात है? रामनाथ जी ने एक गहरी सांस ली और अपने कांपते हाथों से उस कुल्हड़ को सहलाते हुए मुस्कुराए। उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक तैर गई और उन्होंने धीमी आवाज में कहा मन्नू भाई इस कुल्हड़ की मिठास तो मुझे उस राह पर ले जाती है जहाँ मेरा पूरा संसार बसा हुआ है। रामनाथ जी की बात सुनकर मन्नू की उत्सुकता और बढ़ गई क्योंकि उसे लगा कि शायद किसी पुराने प्यार या खोए हुए रिश्ते की कहानी अब बाहर आने वाली है। उन्होंने आगे बोलना शुरू किया मन्नू तुम्हें शायद पता नहीं है कि यह आधा भरा कुल्हड़ मेरे लिए सिर्फ चाय का बर्तन नहीं बल्कि उम्मीद की वह आखिरी किरण है जो मुझे रोज जीने की वजह देती है। तभी चौराहे पर तेज हॉर्न की आवाज हुई और रामनाथ जी ने अपनी निगाहें सड़क की ओर दौड़ा दीं जैसे वे किसी चमचमाती गाड़ी का इंतजार कर रहे हों। मन्नू ने पूछा बाबूजी क्या आपका कोई अपना उस पार से आने वाला है जिसके लिए आप रोज यहाँ बैठकर राह तकते हैं? रामनाथ बड़े गर्व के साथ कहा मेरा बेटा है मन्नू, बहुत बड़ा अफसर बन गया है और बड़े शहर में रहता है, जब वह छोटा था तो हम दोनों इसी दुकान पर आकर एक ही कुल्हड़ से चाय पिया करते थे, आधा कुल्हड़ वह पीता था और आधा मैं पीता था, तब से मुझे आधे कुल्हड़ की ही आदत पड़ गई है। मन्नू के चेहरे पर एक हमदर्दी भरी मुस्कान आ गई और उसने कहा अच्छा तो बाबूजी आप यहाँ बैठकर अपने साहबजादे का इंतजार करते हैं कि वह किसी दिन आएगा और आपके साथ बैठकर यह आधी बची हुई चाय पूरे हक से पिएगा। रामनाथ जी की आँखों में चमक आ गई और उन्होंने सिर हिलाकर हाँ में जवाब दिया।

पास के पान वाले ने जब यह बातचीत सुनी तो उसने दूर से ही चुटकी लेते हुए कहा रामनाथ जी आप भी क्या कमाल करते हैं, चार साल हो गए आपको इस कोने में बैठकर सड़क नापते हुए, आपका साहबजादा अगर आने वाला होता तो कब का आ गया होता। रामनाथ जी ने पान वाले की बात को अनसुना कर दिया और मुस्कुराते हुए मन्नू से बोले मन्नू तुम इन लोगों की बातों पर ध्यान मत दो, औलाद जब बड़ी हो जाती है तो उस पर जिम्मेदारियों का बहुत बड़ा पहाड़ टूट पड़ता है, उसके पास वक्त नहीं होता लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि मेरा बेटा अपनी इस मिट्टी की खुशबू को कभी नहीं भूल सकता।

मन्नू ने देखा कि रामनाथ जी के चेहरे पर अपने बेटे को लेकर एक अटूट विश्वास था जिसे दुनिया की कोई भी कड़वी बात डिगा नहीं सकती थी। शाम ढलने लगी थी और चौराहे की बत्तियाँ एक-एक करके जलने लगी थीं लेकिन रामनाथ जी की नजरें अब भी चौराहे पर रुकने वाली हर बस और कार के दरवाजे पर टिक जाती थीं। जब भी कोई गाड़ी रुकती तो उनके चेहरे पर एक हल्की सी उम्मीद जागती और जब वह गाड़ी आगे बढ़ जाती तो वे फिर से कुल्हड़ को हाथ में थामकर बैठ जाते थे।

महिलाओं का सशक्तिकरण उत्साह बढ़ाने वाला

भारत की 117 सर्वाधिक प्रभावशाली महिलाओं का नाम वर्ष 2026 की कैंडेरे हुरुन इंडिया वुमेन लीडर्स लिस्ट में आना उस सामाजिक बदलाव की इबारत है, जिसमें महिलाएं सिर्फ सफलता की दर्शक नहीं, बल्कि आर्थिक सफलता की कहानियां रच रही हैं। ये महिलाएं 39 लाख करोड़ रुपये के साम्राज्य पर राज करती हैं, जो फिनलैंड की कुल जीडीपी से भी अधिक है। इन सफल महिलाओं की सूची का सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इनमें से 98 (यानी 84 फीसदी) ने अपनी मेहनत और उपलब्धियों के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो विरासत में मिली संपत्ति या पद के जरिये आगे बढ़ने वाली महिलाओं की संख्या से ज्यादा है। 2025 की सूची में 97 महिलाएं शामिल थीं, यानी पिछले साल के मुकाबले 21 फीसदी अधिक महिलाओं ने इस सूची में अपनी जगह बनाई है। इसे महिला सशक्तीकरण जैसी प्रचलित शब्दावली में बांधना इनकी उपलब्धियों को कमतर करके आंकना होगा। वास्तव में, यह सूची संकेत है कि भारतीय महिलाएं शिक्षा, उद्यमिता, व्यवसाय, खेल, मीडिया, कला, साहित्य और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही हैं, जो लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र माने जाते थे। बेशक यह सूची उत्साहित करती है, पर सवाल यह भी उठता है कि करीब 140 करोड़ की आबादी वाले देश में मात्र 117 महिलाओं की सूची के क्या मायने हैं। सूची का दूसरा पहलू उस असमानता को भी दर्शाता है, जिसमें करोड़ों महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर नहीं मिल पाते। बड़े शहरों और कॉरपोरेट जगत की इन महिलाओं की सफलता इस बात की गारंटी नहीं हो सकती कि देश के छोटे शहरों, कस्बों की महिलाओं को भी शिक्षा, उद्यम और नेतृत्व के मौके मिल रहे हैं। एक महिला की सफलता की कहानी बेशक सैकड़ों महिलाओं को प्रेरित कर सकती है, पर सामाजिक ढांचे और व्यवस्था में सुधार से ही देश की अधिकांश महिलाओं को शिक्षा, व्यवसाय, कला और शासन-प्रशासन में नेतृत्व के अवसर मिल सकते हैं। केवल कुछ महिलाओं के शीर्ष पर पहुंचने से महिला सशक्तीकरण का लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता, इसके लिए वैसी सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियां बनानी होंगी, जिनमें सबको आगे बढ़ने के समान अवसर मिल सकें। इस दृष्टि से यह सूची समाज के लिए आईना भी है और चुनौती भी।

मंदिरों में सरकारी नियंत्रण ठीक नहीं, कॉरपोरेट मॉडल है समाधान?

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों से कथित चोरी का मामला इन दिनों चर्चा में है। इसी बीच, केरल हाईकोर्ट ने सबरीमला मंदिर में 4.5 किलो सोने के कथित दुरुपयोग के मामले में FIR दर्ज करने की अनुमति दी है। वहीं, उत्तराखंड के बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर में भी नकदी और बेशकीमती चीजों की कथित चोरी के आरोपों की जांच चल रही है।

कॉरपोरेट मॉडल है समाधान? इन घटनाओं से तीखी बहस छिड़ गई है। एक पक्ष का कहना है कि बड़े हिंदू मंदिरों का प्रबंधन सरकार के अधीन लाया जाए, उनके लिए धार्मिक कॉरपोरेशन बनाए जाएं या स्वतंत्र निदेशकों वाला कॉरपोरेट मॉडल बने। दूसरा पक्ष ऐसे मामलों में केवल हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने पर प्रश्न उठाता है।

वह अन्य धर्मों के धार्मिक संस्थानों में भ्रष्टाचार, भूमि घोटालों और धन के कथित दुरुपयोग के मामलों को भी सामने लाने की बात करता है। इन सभी सुझावों की अपनी सीमाएं हैं। सरकारी संस्थानों और कॉरपोरेट क्षेत्र में भी भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों के उदाहरण मौजूद हैं।

सनातन में ही है उपाय। मुझे लगता है कि सनातन परंपरा पर आधारित पारदर्शी और सहभागी मंदिर प्रबंधन मॉडल बनाया जाए। सनातन संस्कृति में शास्त्रार्थ के रूप में संवाद, तर्क-वितर्क, विचार-विमर्श और सर्वसम्मति से निर्णय लेने की एक प्राचीन और सहभागी व्यवस्था रही है। शताब्दियों तक मंदिरों और अन्य हिंदू धार्मिक संस्थानों में शास्त्रार्थ (चर्चा और विमर्श) के माध्यम से प्रश्न पूछने, समीक्षा करने की खुली परंपरा रही।

इसी परंपरा ने दक्षिण भारत के युवा संन्यासी आदि शंकराचार्य को पूरे भारतीय उपमहाद्वीप के विद्वानों और दार्शनिकों के साथ शास्त्रार्थ और धार्मिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम बनाया। उन्होंने मठों, मंदिरों और अन्य धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था विकसित की। बाद में स्वामी दयानंद सरस्वती ने भी इसी रास्ते पर चलकर आधुनिक भारत में सामाजिक और सांस्कृतिक सुधारों को नई दिशा दी।

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना अयोध्या का राम मंदिर

असहमति की गुंजाइश घटी। आज भारत के अनेक मंदिरों का प्रबंधन एक व्यक्ति, एक परिवार या सीमित समूह के हाथों में सिमट गया है। इससे सवाल उठाने, निर्णयों की समीक्षा करने, रचनात्मक असहमति जताने की गुंजाइश कम हो गई है। कई बार तो प्रश्न उठाने वालों की आवाज दबा दी जाती है। अधिकारों का यह केंद्रीकरण जवाबदेही को कमजोर करता है और अनियंत्रित स्वार्थ को बढ़ाता है। ऐसे लागू हो मॉडल। मेरा मानना है कि मंदिर प्रबंधन की इन कमियों का समाधान शास्त्रार्थ के सिद्धांतों पर आधारित व्यवस्था से किया जा सकता है। हरेक पंजीकृत मंदिर में एक 'शास्त्रार्थ परिषद' का गठन किया जाना चाहिए। इसके लिए मंदिर के पंजीकरण दस्तावेज में शास्त्रार्थ परिषद का गठन अनिवार्य किया जाए। साथ ही, यह व्यवस्था हो कि किसी श्रद्धालु या श्रद्धालुओं के प्रतिनिधि संगठन के अनुरोध पर तय समय-सीमा के भीतर शास्त्रार्थ आयोजित करना अनिवार्य हो।

मंदिर न्यास/प्रबंधन समिति जिन विषयों पर सर्वसम्मति से निर्णय न ले सके, उन्हें शास्त्रार्थ परिषद के पास भेजा जाए। शास्त्रार्थ की कार्यवाही और उसके निष्कर्ष मंदिर न्यास की वार्षिक रिपोर्ट का अनिवार्य हिस्सा बनाए जाएं।

युवा तैयार होंगे। चूंकि शास्त्रार्थ सनातन संस्कृति की अनादि परंपरा का अभिन्न अंग रहा है, इसलिए पुजारियों और मंदिर प्रबंधन के पास इस व्यवस्था का विरोध करने का कोई नैतिक आधार नहीं होगा और इसे लागू करना सहज होगा।

ऋग्वेद के सिद्धांत, जैसे 'सभी दिशाओं से हमारे पास कल्याणकारी विचार आएं' (ऋग्वेद 1.89.1), 'प्रत्येक विचार और दावे की प्रमाण और तर्क के आधार पर समीक्षा हो' (ऋग्वेद 10.71.2), तथा 'जो लोग प्रश्न और संवाद के प्रति ग्रहणशील नहीं होते, वे समाज के लिए अहितकारी होते हैं' (ऋग्वेद 8.101.4)... के अनुरूप यदि इसकी कार्यप्रणाली होगी तो मंदिर प्रबंधन व्यवस्था के भीतर ही आत्मशुद्धि का एक प्रभावी तंत्र विकसित हो जाएगा। ऐसी व्यवस्था में बाहरी नियंत्रण की आवश्यकता कम होगी।

इसके जरिए दान प्रबंधन, श्रद्धालुओं को सुविधाएं, भीड़ प्रबंधन, भाई-भतीजावाद, स्वच्छता, एकाधिकार की प्रवृत्ति और अन्य प्रबंधन संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान मिल सकते हैं। यह युवाओं को मंदिरों के बेहतर प्रबंधन और नेतृत्व के लिए तैयार करेगी।

बाहरी दखल से बचें। सरकारी प्रतिनिधियों की नियुक्ति कर, कानून बनाकर मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण करने से बाहरी हस्तक्षेप बढ़ेगा। सरकार बदलेगी तो व्यवस्था की दिशा और प्राथमिकताएं भी बदल जाएंगी। सनातन धर्म की मंदिर परंपरा का मूल आधार बाहरी नियंत्रण नहीं, बल्कि आंतरिक उत्तरदायित्व, शास्त्रसम्मत विचार-विमर्श और सामूहिक निर्णय-प्रक्रिया यानी शास्त्रार्थ रहा है।

गैर-कश्मीरियों की हत्याओं का सिलसिला भारत के विचार पर सीधा हमला है

अशोक भाटिया

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद देश और दुनिया को यह संदेश देने की पुरजोर कोशिश की गई थी कि घाटी में अब अमन-चैन का एक नया सूरज उग चुका है। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में विकास, पर्यटन और शांति की नई इबारत लिखी जा रही थी। परंतु, जमीनी हकीकत इन दावों के विपरीत एक बेहद डरावनी और चिंताजनक तस्वीर पेश कर रही है। कश्मीर घाटी में एक बार फिर लक्षित हत्याओं का दौर तेज हो चुका है। आतंकवादियों द्वारा बाहरी राज्यों से आए निर्दोष मजदूरों, रेहड़ी-पटरी वालों, कश्मीरी पंडितों और गैर-स्थानीय कामकाजी लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाना इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि घाटी में आतंकी तंत्र अब भी पूरी तरह सक्रिय है। हाल ही में कुलगाम जिले के केलम क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के दो निर्दोष मजदूरों की गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था, खुफिया तंत्र और सरकार के शांति के दावों पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। यह केवल दो व्यक्तियों की हत्या नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक ढांचे और उस भरोसे पर हमला है, जिसे बहाल करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अथक प्रयास किए गए हैं।

पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम पर नजर डालें, तो स्पष्ट होता है कि आतंकवादियों ने अपनी रणनीति में एक बड़ा बदलाव किया है। अब वे बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों के कैंपों पर सीधे हमले करने के बजाय सॉफ्ट टारगेट यानी उन लोगों को निशाना बना रहे हैं जो निहत्थे हैं, जिनकी सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है और जो केवल अपनी आजीविका कमाने के लिए कश्मीर आए हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से आए ये गरीब मजदूर कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। चाहे वह निर्माण कार्य हो, ईंट भट्ठे हों या सेब के बागान, इन प्रवासियों के बिना घाटी का आर्थिक पहिया थम जाता है। आतंकियों का मुख्य उद्देश्य इन गैर-स्थानीय लोगों के मन में ऐसा खौफ पैदा करना है जिससे वे घाटी छोड़कर भागने पर मजबूर हो जाएं। लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट जैसे आतंकी गुट इस तरह की कायरतापूर्ण हरकतों की जिम्मेदारी लेकर यह संदेश देना चाहते हैं कि कश्मीर में जनसांख्यिकीय बदलाव की किसी भी कोशिश को वे बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह सोच पूरी तरह से विभाजनकारी और राष्ट्रविरोधी है, जिसका मुकाबला केवल गोलियों से नहीं, बल्कि एक ठोस दीर्घकालिक रणनीति से ही किया जा सकता है। कश्मीर में गैर-कश्मीरियों की हत्या का यह सिलसिला केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि इसके गहरे आर्थिक और सामाजिक निहितार्थ हैं। कश्मीर की स्थानीय अर्थव्यवस्था बहुत हद तक बाहरी श्रमिकों पर निर्भर है। सर्दियों के मौसम को छोड़कर, साल के अधिकांश महीनों में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों मजदूर निर्माण, कृषि और हस्तशिल्प के क्षेत्र में काम करने कश्मीर आते हैं। जब इन मजदूरों को निशाना बनाया जाता है, तो पूरी घाटी में भय का माहौल व्याप्त हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर पलायन शुरू होता है। मजदूरों के पलायन से विकास परियोजनाएं अधर में लटक जाती हैं, बुनियादी ढांचे का निर्माण रुक जाता है और स्थानीय कारोबारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। सामाजिक स्तर पर, यह हमला कश्मीरियत की उस सदियों पुरानी भावना पर भी चोट करता है, जो मेहमाननवाजी और सह-अस्तित्व के लिए जानी जाती है। आतंकियों की यह रणनीति कश्मीर को शेष भारत से पूरी तरह से अलग-थलग करने और देश के अन्य हिस्सों में कश्मीरियों के प्रति अविश्वास पैदा करने की एक गहरी साजिश का हिस्सा है।

हर एक हत्या के बाद गृह मंत्रालय, केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल और सुरक्षा बलों के आला अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठकें होती हैं। आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के कड़े बयान जारी किए जाते हैं और पूरे इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या ये कदम पर्याप्त हैं। कुलगाम जैसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा करती हैं कि सुरक्षा और खुफिया तंत्र में कहीं न कहीं कोई गंभीर चूक हो रही है। आतंकवादी रिहायशी इलाकों और ईंट भट्ठों जैसे स्थानों पर आसानी से आते हैं, वारदात को अंजाम देते हैं और गायब हो जाते हैं। स्थानीय स्तर पर आतंकियों को मिलने वाली मदद यानी ओवर ग्राउंड वर्कर्स के नेटवर्क को पूरी तरह से समाप्त करने में अभी तक अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। जब तक इन जमीनी मददगारों के नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा, तब तक ऐसी छिटपुट लेकिन बेहद घातक घटनाओं को रोकना नामुमकिन होगा। सुरक्षा बलों को अपनी पारंपरिक रणनीति से आगे बढ़कर ह्यूमन इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक के समन्वय पर अधिक ध्यान देना होगा।जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक शून्यता को समाप्त करने के लिए हाल के समय में कई प्रयास हुए हैं, लेकिन वास्तविक प्रशासनिक नियंत्रण अभी भी काफी हद तक केंद्र के हाथों में है। ऐसे में सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सीधे तौर पर केंद्र सरकार और उपराज्यपाल प्रशासन की बनती है।

दीपिका की मां बनने की तैयारी, लेकिन काम से समझौता नहीं

प्रैग्रैंसी के दौरान दीपिका का अपने काम के प्रति समर्पण दिखाता है कि मातृत्व और करियर दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना संभव है। मातृत्व किसी भी महिला की जिंदगी का सबसे खूबसूरत और चुनौतीपूर्ण दौर माना जाता है लेकिन जब दीपिका पादुकोण की हो, तो यह सफर सिर्फ निजी जिंदगी तक सीमित नहीं रहता । वह इन दिनों अपनी दूसरी प्रैग्नेंसी के सातवें महीने में है, फिर भी प्रोफैशनल कमिटमेंट्स को उसी जुनून के साथ निभा रही है, जिसके लिए उसे जाना जाता है। एक तरफ वह अपनी आने वाली फिल्म 'राका' के चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही है, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर अपनी प्रैग्नैंसी जर्नी के छोटे-छोटे अनुभव भी प्रशंसकों के साथ साझा कर रही है। यही वजह है कि इन दिनों दीपिका सिर्फ अपनी फिल्मों के लिए नहीं, बल्कि अपने समर्पण और संतुलित सोच के लिए भी चर्चा में है ।

सात महीने की प्रैग्नेंसी में भी जारी है एक्शन

बॉलीवुड में लंबे समय तक यह धारणा रही कि प्रेग्नेंसी के दौरान अभिनेत्रियां काम से दूरी बना लेती हैं। हालांकि, बदलते दौर में यह सोच तेजी से बदल रही है और दीपिका पादुकोण इसका ताजा उदाहरण है।

हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'राका' की शूटिंग लगातार कर रही है । सबसे खास बात यह है कि वह प्रैग्नेंसी के सातवें महीने में होने के बावजूद फिल्म के कई चुनौतीपूर्ण एक्शन सीक्वेंस भी शूट कर चुकी है। बताया जा रहा है कि मातृत्व अवकाश पर जाने से पहले वह फिल्म का अपना हिस्सा समय पर पूरा करना चाहती है।

हालांकि, दीपिका लंबे समय से फिल्म इंडस्ट्री में आठ घंटे की वर्क शिफ्ट और बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस की समर्थक रही है, लेकिन अपनी प्रोफैशनल जिम्मेदारियों को लेकर उसका समर्पण भी उतना ही मजबूत है।

टीम बोली- प्रेरणा है दीपिका

फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 'राका' की टीम दीपिका की कार्यशैली से बेहद प्रभावित है। यूनिट के सदस्यों का कहना है कि कुछ एक्शन दृश्य शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन दीपिका ने पूरी तैयारी और सकारात्मक सोच के साथ उन्हें पूरा किया। टीम का यह भी कहना है कि शूटिंग के बाद दीपिका अपनी डेढ़ साल की बेटी दुआ के साथ भी पूरा समय बिताती है। काम और परिवार के बीच उसका संतुलन सैट पर मौजूद हर व्यक्ति के लिए प्रेरणा का विषय बना हुआ है ।

'राका' से जुड़ी बड़ी उम्मीदें

निर्देशक एटली की महत्वाकांक्षी साइंस फिक्शन फैंटेसी एक्शन फिल्म 'राका' पहले से ही चर्चा में है । फिल्म में दीपिका पादुकोण पहली बार सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएगी। बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही इस पैन इंडिया फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन, अत्याधुनिक विजुअल इफैक्ट्स और भव्य सिनेमाई अनुभव देखने को मिलेगा। फिल्म को वर्ष 2027 की सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज में शामिल माना जा रहा है।

प्रैग्नेंसी की चुनौतियां भी

दीपिका उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जो अपनी निजी जिंदगी को जरूरत से ज्यादा सार्वजनिक नहीं करती। बावजूद इसके उसने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी प्रैग्नेंसी से जुड़ा एक हल्का-फुल्का अनुभव साझा किया। उसने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक रील शेयर की, जिसमें तीसरी तिमाही में गर्भवती महिला को धीरे-धीरे चलते हुए दिखाया गया था । इसके साथ लगाया गया उसका उल्टा स्माइली इमोजी यह बताने के लिए काफी था कि इस दौर की शारीरिक चुनौतियों से वह भी गुजर रही है। प्रशंसकों ने उसकी इस ईमानदारी और सहजता की खूब सराहना की ।

दीपिका और रणवीर सिंह ने अप्रैल में सोशल मीडिया के जरिए दूसरी प्रैग्नेंसी की घोषणा की थी। इस पोस्ट में उनकी बेटी दुआ भी नजर आई थी, जिसके बाद फैंस और फिल्मी सितारों ने इस जोड़े को खूब शुभकामनाएं दीं। सितंबर 2024 में बेटी दुआ के जन्म के बाद दीपिका लगातार फिल्म इंडस्ट्री में बेहतर कार्य-परिस्थितियों और महिलाओं के लिए संतुलित वर्क कल्चर की बात करती रही है। उसने सार्वजनिक रूप से आठ घंटे की कार्य अवधि का समर्थन किया, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में भी काफी चर्चा हुई ।

फिल्मों की लंबी कतार

मातृत्व के इस खूबसूरत दौर के बावजूद दीपिका की फिल्मों की सूची बेहद मजबूत है। उसने शाहरुख खान के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी कर ली है, जो दिसंबर में रिलीज होने वाली है। वहीं संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में उसके विशेष भूमिका निभाने की चर्चा भी है।

वाणी कपूर का सबसे बड़ा दाव, ग्लैमरस इमेज छोड साधारण लडकी का किरदार निभायेंगी

बॉलीवुड में जहां ज्यादातर सितारे अपनी ग्लैमरस इमेज को बनाए रखने में लगे रहते हैं, वहीं वाणी कपूर ने अपने करियर में ऐसा जोखिम उठाया है, जिसकी शायद ही किसी को उम्मीद रही हो । लंबे समय से पर्दे से दूर रही वाणी अब फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' के जरिए बिल्कुल नए अंदाज में वापसी करने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वह न तो हाई - फैशन लुक में नजर आएगी और न ही किसी स्टाइलिश अवतार में, बल्कि छोटे शहर की एक साधारण, चश्मा पहनने वाली लड़की के किरदार में दिखाई देगी।

वाणी ने इस बार अपनी स्थापित ग्लैमरस इमेज से बाहर निकलकर ऐसा दाव खेला है, जो उसके अभिनय करियर लिए एक नया मोड़ साबित हो सकता फिल्म की सबसे दिलचस्प बात इसकी कहानी है। इसमें वाणी एक ऐसी युवती बनी है, जिसका चेहरा पोर्न फिल्मों की एक स्टार से मिलता-जुलता है । यही समानता उसकी जिंदगी में ऐसी मुश्किलें खड़ी कर देती है कि उसे हर कदम पर लोगों की धारणाओं, तानों और सामाजिक फैसलों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, फिल्म का फोकस किसी सनसनीखेज विषय पर नहीं, बल्कि इस बात पर है कि समाज अक्सर किसी इंसान को उसके व्यक्तित्व से ज्यादा उसकी छवि के आधार पर आंकता है।

खत्म होगा दो साल का इंतजार

यह फिल्म करीब दो साल से रिलीज का इंतजार कर रही थी। 2023 में पूरी होने के बावजूद किसी वजह से सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच सकी । अब आखिरकार इसे ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा रहा है। ऐसे में वाणी के प्रशंसकों को भी लंबे इंतजार के बाद उसे एक नए अंदाज में देखने का मौका मिलेगा।

आसान नहीं था यह किरदार निभाना

बताया जाता है कि इस किरदार को निभाना वाणी के लिए आसान नहीं था। निर्देशक सोनाली रतन देशमुख चाहती थीं कि वाणी सिर्फ अभिनय न करे, बल्कि उस किरदार को पूरी तरह जीए । यही वजह रही कि शूटिंग शुरू होने से पहले अभिनेत्री ने लगभग तीन महीने तक लगातार तैयारी की ।

स्क्रिप्ट रीडिंग, अभिनय कार्यशालाएं, भाषा, बॉडी लैंग्वेज, हाव-भाव और छोटे शहर की लड़कियों की जीवनशैली को समझने पर विशेष ध्यान दिया गया। टीम का उद्देश्य था कि पर्दे पर वाणी नहीं, बल्कि वही लड़की दिखाई दे जिसकी कहानी फिल्म कहती है ।

आदतों में किए बदलाव

वाणी ने अपने ग्लैमरस व्यक्तित्व से बाहर निकलने के लिए कई छोटी-छोटी आदतों में भी बदलाव किए। मेकअप को बेहद सीमित रखा गया, पहनावे में सलवार-कमीज और साधारण लुक अपनाया गया तथा किरदार की सहजता बनाए रखने के लिए उनकी चाल-ढाल तक पर काम किया गया। जहां सितारे अक्सर स्टाइलिश लुक के लिए चर्चा में रहते हैं, वहीं वाणी का यह बदलाव चर्चा का विषय बन गया है।

वाणी भी इस फिल्म को अपने करियर की सबसे अलग फिल्मों में से एक मानती है। उसका कहना है कि कहानी का मूल संदेश पहचान और समाज द्वारा लगाए जाने वाले तमाम लेबल्स से जुड़ा है। उसे यह बात सबसे ज्यादा पसंद आई कि फिल्म गंभीर विषय को हल्के-फुल्के हास्य और भावनात्मक अंदाज में पेश करती है। उसके अनुसार दर्शकों को मनोरंजन के साथ सोचने के लिए भी काफी कुछ मिलेगा।

काम नहीं, कहानी है पहली पसंद

वाणी का कहना है कि पिछले कुछ समय से वह अपने करियर को लेकर बेहद चयनात्मक हो गई है। उसने खुलकर कहा कि वह सिर्फ वही फिल्में करना चाहती है, जो उसे भीतर से संतुष्ट करें। यहां तक कि उसने अपनी टीम से साफ शब्दों में कह दिया है कि अगर सही स्क्रिप्ट नहीं मिली तो वह काम छोड़ने से भी नहीं डरती।

उसके अनुसार लगातार काम करते रहना ही सफलता नहीं है, बल्कि सही कहानी चुनना ज्यादा महत्वपूर्ण है। शायद यही सोच 'सर्वगुण संपन्न ' जैसी फिल्म तक उसे लेकर आई। जहां एक ओर बॉलीवुड में बड़ी स्टारकास्ट और मसाला फिल्मों की होड़ लगी हुई है, वहीं वाणी ने एक ऐसी कहानी चुनी है, जो सामाजिक सोच, पूर्वाग्रह और आत्मसम्मान जैसे विषयों को मनोरंजन के साथ जोड़ती है।

शकुंतला देवी के 6 साल: असाधारण महिलाओं को पर्दे पर जीवंत करने में माहिर हैं विद्या बालन

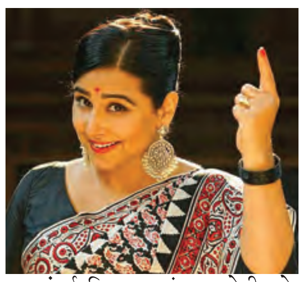

मुंबई फिल्म शकुंतला देवी को रिलीज हुए छह साल हो चुके हैं, लेकिन यह फिल्म आज भी विद्या बालन की उस खास क्षमता की मिसाल है, जिसके जरिए उन्होंने असाधारण महिलाओं की कहानियों को पर्दे पर बेहद सहज और भावनात्मक तरीके से पेश किया। यही वजह है कि समय के साथ विद्या बालन बॉलीवुड की उन भरोसेमंद अभिनेत्रियों में शामिल हो गई हैं, जो मजबूत महिला किरदारों को पूरी गरिमा और गहराई के साथ निभाने के लिए जानी जाती हैं। यह उनकी प्रतिभा क्षमता ही है, जहां उन्होंने द डर्टी पिक्चर में ग्लैमरस सिल्क स्मिता से प्रेरित किरदार निभाने से लेकर महान गणितज्ञ शकुंतला देवी का किरदार निभाकर इन असाधारण महिलाओं की कहानियों को यादगार बनाया।

सच पूछिए तो शकुंतला देवी का किरदार निभाना सिर्फ उनकी शानदार गणितीय प्रतिभा दिखाने तक सीमित नहीं था। विद्या ने उनके आत्मविश्वास, हाजिरजवाबी, आकर्षक व्यक्तित्व और भावनात्मक पहलुओं को भी बखूबी पर्दे पर उतारा। उन्होंने शकुंतला देवी को सिर्फ एक महान गणितज्ञ के रूप में नहीं दिखाया, बल्कि एक ऐसी महिला के रूप में पेश किया, जो अपने सपनों और महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ मां होने और निजी रिश्तों को भी संभालने की कोशिश कर रही थी।

उनके अभिनय की यही खूबी थी कि दर्शक महान शख्सियत के साथ-साथ उनके पीछे छिपे इंसान से भी जुड़ गए। आज भी शकुंतला देवी विद्या बालन के करियर की यादगार फिल्मों में शामिल है।

राजेश खन्ना और मुमताज की जोड़ी ने बना दिया था एक यादगार दौर

हिंदी सिनेमा के इतिहास में कुछ जोड़ियां ऐसी रही, जिन्हें दर्शक बेहद पसंद करते थे। 1970 के दशक में ऐसी ही एक जोड़ी थी राजेश खन्ना और मुमताज की। दोनों जब पर्दे पर साथ आते थे तो उनकी बातचीत, हंसी-मजाक और रोमांटिक अंदाज दर्शकों को बहुत पसंद आता था। इसी शानदार केमिस्ट्री की वजह से दोनों की जोड़ी इतनी मशहूर हुई कि समय के साथ उनकी दोस्ती और रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी होने लगीं। हालांकि, दोनों ने हमेशा अपने रिश्ते को एक अच्छी दोस्ती का नाम दिया। मुमताज का जन्म 31 जुलाई 1947 को मुंबई में हुआ था। उनका पूरा नाम मुमताज अस्करी था। उनका बचपन फिल्मी दुनिया से जुड़ा रहा और उन्होंने बहुत कम उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। शुरुआत में उन्हें छोटे-छोटे किरदार मिले। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें सिर्फ एक्शन फिल्मों की अभिनेत्री के तौर पर देखा जाता था। मुमताज ने अभिनेता दारा सिंह के साथ कई फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों से उन्हें लोकप्रियता तो मिली, लेकिन असली पहचान तब मिली, जब उन्होंने बड़े सितारों के साथ मुख्य भूमिकाएं निभानी शुरू कीं। धीरे-धीरे उनकी खूबसूरती, अभिनय और डांस की चर्चा होने लगी।

उन्होंने 'दुश्मन', 'प्रेम नगर', 'रोटी', 'खिलौना', 'महबूबा', 'ये रात फिर ना आएगी', 'हमराज', 'ब्रह्मचारी' और 'चोर सिपाही' जैसी फिल्मों में काम किया। इसी दौर में उनकी जोड़ी राजेश खन्ना के साथ बनी। राजेश खन्ना उस समय हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक थे। उनके रोमांटिक अंदाज और अभिनय के लाखों प्रशंसक थे।

जब मुमताज और राजेश खन्ना ने साथ काम किया तो दोनों की स्क्रीन पर मौजूदगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। दोनों ने 'दो रास्ते', 'सच्चा झूठा', 'आप की कसम' और 'अपना देश' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री दिखाई देती थी। उनके रोमांटिक सीन्स बनावटी नहीं लगते थे। मुमताज की चंचलता और राजेश खन्ना का आकर्षक अंदाज एक-दूसरे के साथ अच्छा मेल खाता था। यही वजह थी कि दर्शक उनकी जोड़ी को बार-बार देखना चाहते थे। इनके गाने भी बहुत लोकप्रिय हुए और उनकी जोड़ी उस दौर की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाने लगी।

मुमताज को करियर का सबसे बड़ा सम्मान फिल्म 'खिलौना' के लिए मिला। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

1974 में मुमताज ने बिजनेसमैन मयूर माधवानी से शादी कर ली। शादी के बाद, उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और अपने परिवार को समय देने का फैसला किया। उस समय वह अपने करियर की पीक पर थीं, इसलिए उनका फिल्मों से दूर जाना कई लोगों के लिए हैरानी की बात थी।

रियलिटी शो ' लॉक अपः सच या सजा' में श्रेया के हैरान करने वाले खुलासे

रियलिटी शो ' लॉक अपः सच या सजा' में हर नए टास्क के साथ रिश्ते बदलते नजर आ रहे हैं। हाल ही में श्रेया कालरा का गुस्सा राम कपूर पर फूटा है। एक टास्क में जीत की खुशी में राम कपूर ने श्रेया के माथे और गाल पर कई बार किस कर दिया। उसने तंज कसते हुए कहा, "इतना तो मेरा बाप भी मुझे चुम्मी नहीं करता, अब बस करिए। उसने राम कपूर के व्यवहार को लेकर कहा कि जब शिवांगी अपना टास्क कर रही थी, तब राम कपूर उसके काफी करीब चला गया था । इसके बाद राम कपूर ने 'सॉरी' भी कहा, लेकिन उसे उसका यह रवैया बिल्कुल पसंद नहीं आया।

श्रेया ने बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि राम कपूर बातचीत करते समय लोगों के बहुत करीब आ जाता है। हर किसी को अपनी मर्यादा बनाए रखनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि किस हद तक किसी के करीब जाना सही है।

यही नहीं, श्रेया ने आगे कहा, "मैं तीन बार राम कपूर के लिए खड़ी रही, लेकिन उन्होंने मेरे समर्थन के लिए एक उंगली तक नहीं उठाई। मुझे उनकी सीनियरिटी पर शर्म आती है। ऐसे सीनियर्स पर मैं थूकती हूं।

बता दें कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर, डिजिटल

कंटैंट क्रिएटर और मॉडल श्रेया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर फैशन, ब्यूटी, ट्रैवल और लाइफस्टाइल से जुड़े कंटैंट के जरिए लोकप्रियता हासिल की है।

उसने हाल ही में शो में एक और हैरान करने वाला खुलासा किया है कि बचपन में वह यौन शोषण का शिकार हो चुकी है। श्रेया, जो हमेशा दूसरों को अपने हक के लिए बोलने को कहती है, उसे इस बात का दुख है कि वह अपने लिए नहीं बोल पाई।

श्रेया ने बताया, "मेरे एक कजिन ने मेरे साथ छेड़छाड़ थी। तब मैं 13 साल की थी। मेरे परिवार को इस बारे में पता नहीं है। सिर्फ ऋषभ जयसवाल (दोस्त) को ही पता है । मैं अपनी नानी के घर जाती थी, जहां हम हॉल में सोते थे और उस समय मुझे पता भी नहीं चलता था कि क्या हो रहा है। वह मुझे पकड़ता था । मुझे कोई सहानुभूति नहीं चाहिए। मैं खुद को पीड़ित दिखाने वालों में से नहीं हूं।

"मैं नहीं चाहती कि बाहर जाने पर लोग मेरे प्रति सहानुभूति दिखाएं। बस मैं नहीं चाहती कि मेरी मां को यह पता चले, क्योंकि जिस लड़के ने मेरे साथ ऐसा किया था, उसकी मां की मौत हो गई थी और मेरी मां ने लगभग 3 साल तक उसकी देखभाल की।

उसने आगे कहा, "नवंबर में मेरे सगे भाई की शादी होने वाली है और उसकी पिछली सगाई इसलिए टूट गई थी, क्योंकि मैं इस इंडस्ट्री में हूं और कुछ विवाद हुए थे । इसलिए मैं नहीं चाहती थी कि यह बात सामने आए। उसकी शादी हो रही है और उसके पास खुश रहने का मौका है और मुझे लगता है कि मैं इसे फिर से बर्बाद कर दूंगी।

नीतीश भारद्वाज ने रणबीर कपूर को दी सलाह

रामायण का ट्रेलर देखने के बाद बोले- कृपया अपनी वाणी को अब और प्रदूषित न करें

टीवी सीरियल 'महाभारत' में भगवान श्रीकृष्ण का किरदार निभाने वाले एक्टर नीतीश भारद्वाज ने गुरुवार को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के ट्रेलर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स (VFX), कलाकारों की परफॉर्मेंस और संगीत की तारीफ करते हुए रणबीर कपूर को सलाह दी।

नीतीश भारद्वाज ने इंस्टाग्राम पर 'रामायण' का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, बेस्ट फॉरेन फिल्म के लिए यह 100% ऑस्कर की हकदार है। बधाई हो नमित। नितेश तिवारी, सत्यजीत रे और शेखर कपूर के बाद भारतीय सिनेमा की दुनिया को भारत का अगला बड़ा तोहफा हैं। प्रोडक्शन डिजाइन और सिनेमैटोग्राफी (DOP) के लिए यह फिल्म कई पुरस्कार जीत सकती है। VFX और AI की मदद से बनाया गया इसका पीरियड वर्ल्ड शानदार है। भारतीय सिनेमा के साथ कोलेबोरेट करने के लिए महान संगीतकार हैंस जिमर का भी धन्यवाद।

रणबीर कपूर को सलाह देते हुए उन्होंने लिखा, रणबीर अब रणवीर के साथ अगली पीढ़ी के दो बेजोड़ धुरंधरों की बराबरी पर हैं। यश, ग्लोबल सिनेमा में आपका स्वागत है। आरके, मैं आपको हमेशा एक एक्टर के रूप में पसंद करता रहा हूं, लेकिन अब आपकी सामाजिक जिम्मेदारी शुरू होती है कि आप भारत की विरासत, संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं को आगे बढ़ाएं। इसलिए अब 'एनिमल' जैसी फिल्में नहीं, चाहे उसके लिए कितना भी बड़ा ऑफर क्यों न मिले। कृपया अपनी वाणी को अब और प्रदूषित न करें। भारत के पास आपकी अभिनय क्षमता को दिखाने के लिए कहानियों की कोई कमी नहीं है।

पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा,

मुझे सिर्फ यही उम्मीद है कि भारतीय दर्शक साई पल्लवी को सीता के रूप में स्वीकार करेंगे। साथ ही, मैं चाहता हूं कि फिल्म में कहीं न कहीं मृदंगम और मंजीरे की धुनों के बीच गोस्वामी तुलसीदास जी की चौपाइयां भी सुनाई दें। यही इस महाकाव्य की वह ध्वनि है, जो हर भारतीय की आत्मा में बसती है। मैं नितेश तिवारी की इस भव्य फिल्म को बनाने की मेहनत के सम्मान में 'रामायण' कम से कम 5 बार देखना चाहूंगा।

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' के पहले पार्ट का ट्रेलर कल रिलीज हो गया। मेकर्स ने इसे 30 जुलाई को सुबह 4:15 बजे, ब्रह्म मुहूर्त के शुभ अवसर पर दुनिया भर में लॉन्च किया। 'रामायण' के ट्रेलर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम समेत कई भाषाओं में एक साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया।

ऑस्कर विनर्स एआर रहमान और हैंस जिमर दे रहे म्यूजिक

फिल्म के संगीत को लेकर भी काफी समय से चर्चा बनी हुई है। इस फिल्म में दो दिग्गज म्यूजिशियन एआर रहमान और ऑस्कर विजेता हैंस जिमर पहली बार एक साथ मिलकर बैकग्राउंड स्कोर और संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और एक्टर यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के तहत किया जा रहा है। इस ग्रैंड प्रोजेक्ट को दो भागों में बनाया जा रहा है, जिसका पहला पार्ट नवंबर 2026 में दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

4000 करोड़ के बजट में बन रही देश की सबसे महंगी फिल्म

'दंगल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बना चुके डायरेक्टर नितेश तिवारी पिछले कई सालों से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो भागों में बनने वाली इस फिल्म का कुल बजट 4000 करोड़ रुपए के करीब है, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बनाता है। फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स (VFX) की जिम्मेदारी ऑस्कर विनिंग कंपनी DNEG संभाल रही है।

मिनी लॉटरी सिंडिकेट का भंडाफोड़

प्रिंटिंग मशीनें जब्त, करोड़ों का अवैध कारोबार बेनकाब

धनबाद, 1 अगस्त (एजेंसियां)। धनबाद जिले के चिरकुंडा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध लॉटरी कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है।

बाबूडंगाल मोड़ स्थित बीसीसीएल के जर्जर दो मंजिला क्वार्टर में संचालित अवैध लॉटरी प्रिंटिंग प्रेस पर छापेमारी कर पुलिस ने करीब डेढ़ से दो करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित लॉटरी टिकट बरामद किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अत्याधुनिक प्रिंटिंग मशीनें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कटर मशीन, रंग, स्टीकर और भारी मात्रा में कागज भी जब्त किए हैं। बरामद सामान इतना अधिक था कि उसे दो ट्रैक्टरों में लादकर थाना ले जाना पड़ा।

पुलिस के मुताबिक, इस अवैध कारोबार का मुख्य सरगना कार्रवाई से पहले ही फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह एक संगठित अवैध लॉटरी नेटवर्क का मामला सामने आया है। पुलिस ने जब्त प्रतिबंधित लॉटरी का बाजार मूल्य करीब डेढ़

से दो करोड़ रुपये बताया है। पूरे मामले की गहन जांच जारी है और इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार निरासा चिरकुंडा मैथन, झरिया के कई इलाकों बैंक मोड़ और धनबाद के पुराना और नया रेलवे स्टेशन समेत जिले भर में बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लॉटरी गेसिंग अड्डा का कारोबार जारी है। जानकारी मिली है की जिले भर में संचालित अवैध लॉटरी का कारोबार, चिरकुंडा एरिया से ही संचालित किया जा रहा है। जिसकी सूचना मिलने पर धनबाद पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस की इस छापेमारी से अवैध लॉटरी करोबारियों में हड़कंप मचा है। अवैध लॉटरी का खेल वह जाल है जिसमे में उलझकर गरीब तबके के लोग अपनी गाढ़ी कमाई दाव पर लगा कर हर दिन कंगाल हो रहे है। रातों-रात अमीर बनने की हसरत और जल्द पैसा कमाने का लालच गरीब एवं मजदूर तबके के लोगों पर भारी पड़ रहा है। धनबाद शहर के विभिन्न इलाकों में फल-फूल रहा अवैध लॉटरी का काला कारोबार अब गरीब परिवारों को बर्बादी के कगार पर ले आया है। अपनी दिनभर की कड़ी मेहनत की कमाई को इस उम्मीद में गंवा रहे हैं कि शायद आज उनकी किस्मत चमक जाएगी, लेकिन अंत में उनके हाथ केवल मायूसी और तंगहाली आ रही है। जिसके वजह से कई लोग आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं।

स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अवैध लॉटरी के एजेंट बस्तियों, चाय की दुकानों, और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सक्रिय हैं। मात्र 10 से 50 रुपये में लाखों का इनाम जीतने का सपना दिखाकर मजदूरों, ई-रिक्शा चालकों, और रेहड़ी-पटरी वालों को निशाना बनाया जा रहा है। अब यह खेल सिर्फ पर्चियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऑनलाइन ऐप्स और व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए भी धड़ल्ले से चलाया जा रहा है।

क्षेत्र के एक स्थानीय निवासी ने बताया कि दिनभर मजदूरी करके 400-500 रुपये कमाने वाले लोग शाम को 200-300 रुपये लॉटरी के नंबरों पर लगा देते हैं। शुरुआत में एक-दो बार छोटी रकम जीतकर उन्हें लत लगा दी जाती है, और फिर वे अपनी जमा पूंजी तक हार बैठते हैं। अवैध लॉटरी की इस लत का सबसे बुरा असर इन परिवारों के बच्चों और महिलाओं पर पड़ रहा है।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी कॉलेज छात्रा झारखंड से गिरफ्तार

साहिबगंज, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद संगठन के आतंकी हमीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र से 21 साल का कॉलेज छात्रा अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ का दावा है कि अर्पिता हमीम मंडल के संपर्क में थी। अर्पिता की भूमिका की जांच एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान ले जाया गया है। एसटीएफ के अनुसार, पूर्व बर्द्धमान से गिरफ्तार हमीम मंडल से पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के दौरान अर्पिता सरकार का नाम सामने आया। दोनों के बीच कई वाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल संवाद मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। यह भी दावा किया गया है कि दोनों सामान्य फोन कॉल के बजाय एनक्रिप्टेड एप के माध्यम से संपर्क में रहते थे।

राहुल गांधी बोले- परिसीमन भाजपा की साजिश है

इसका समर्थन करने वाले तमिलनाडु के साथ कर रहे धोखा

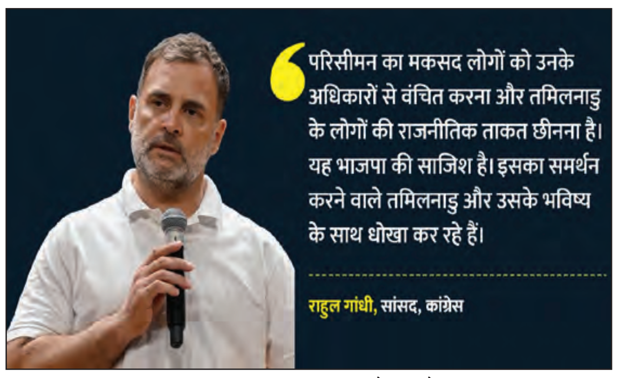

भाजपा परिसीमन करने की कोशिश कर रही है। परिसीमन का मकसद लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करना और तमिलनाडु के लोगों की राजनीतिक ताकत छीनना है।

महाबलीपुरम, 1 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मीडिया से बात करते हुए केंद्र सरकार पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा, 'भाजपा परिसीमन करने की कोशिश कर रही है।

परिसीमन का मकसद लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करना और तमिलनाडु के लोगों की राजनीतिक ताकत छीनना है। यह भाजपा की साजिश है... जो कोई भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु और उसके भविष्य के साथ धोखा कर रहा है, और आरएसएस व भाजपा को तमिलनाडु के लोगों और उनके भविष्य पर हमला करने का मौका दे रहा है।

तमिल व्यक्ति न करें परिसीमन का समर्थन- राहुल

राहुल गांधी ने आगे कहा कि ऐसा व्यक्ति 21वीं सदी का 'एट्टप्पन' है। किसी भी तमिल व्यक्ति को परिसीमन का समर्थन नहीं करना चाहिए। हर तमिल व्यक्ति को परिसीमन का विरोध करना चाहिए। हर तमिल पार्टी और हर राष्ट्रीय पार्टी को सदन में परिसीमन को हराना चाहिए'।

कौन था एट्टप्पन? जिसका राहुल ने किया जिक्र

एट्टप्पन तमिल इतिहास का एक विवादास्पद नाम है। एट्टप्पन को आमतौर पर वीर स्वतंत्रता सेनानी वीरपांडिया कट्टबोम्मन के साथ विश्वासघात करने वाले व्यक्ति के तौर पर जाना जाता है। 18वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों और स्थानीय पालयक्कर शासकों के बीच संघर्ष चल रहा था।

इतिहास के अनुसार, एट्टप्पन ने कट्टबोम्मन की गतिविधियों की जानकारी अंग्रेजों को दी, जिससे उन्हें गिरफ्तार करने में मदद मिली। 1799 में कट्टबोम्मन को अंग्रेजों ने फांसी दे दी।

इसी कारण तमिल संस्कृति में 'एट्टप्पन' नाम विश्वासघात का पर्याय बन गया है। हालांकि इस विषय पर इतिहासकारों के बीच अलग-अलग मत मौजूद हैं।

चाइल्ड केयर लीव कर्मचारियों का वैधानिक अधिकार

हाईकोर्ट बोला-स्टाफ की कमी बताकर छुट्टी देने से नहीं कर सकते इनकार

बिलासपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु ने कहा है कि, कर्मचारियों की कमी या प्रशासनिक असुविधा के बहाने किसी महिला कर्मियों को उनके वैधानिक चाइल्ड केयर लीव के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यह उनका वैधानिक अधिकार है। हाईकोर्ट ने महिला वार्डर की याचिका को स्वीकार करते हुए बिलासपुर सेंट्रल जेल प्रशासन के आदेश को निरस्त कर दिया है। साथ ही 7 दिनों के भीतर 60 दिनों की अतिरिक्त चाइल्ड केयर लीव स्वीकृत करने के आदेश दिए हैं।

दरअसल, बिलासपुर सेंट्रल जेल परिसर में रहने वाली महिला वार्डर ने 10 सितंबर 2025 को जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। उन्होंने नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए 13 अप्रैल 2026 से 11 जुलाई 2026 तक 90 दिनों का चाइल्ड केयर लीव लिया था। बच्चों की कम उम्र और उन्हें निरंतर मां की देखभाल की जरूरत को देखते हुए उन्होंने 60 दिनों के और अवकाश विस्तार का आवेदन प्रस्तुत किया।

उनके आवेदन को जेल प्रशासन ने महिला जेल सेल में कर्मचारियों की कमी बताकर 9 जुलाई 2026 को खारिज कर दिया। इससे परेशान होकर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

इसमें बताया कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 2010 के नियम 38-सी के तहत महिला कर्मचारी को पूरी सेवाकाल के दौरान 730 दिनों तक की चाइल्ड केयर लीव पाने का अधिकार है, जिसमें से उन्होंने केवल 90 दिन का लाभ लिया है।

वहीं, मामले में राज्य शासन की ओर से कहा गया कि बिलासपुर सेंट्रल जेल में वार्डर के स्वीकृत 106 पदों में से 24 पद खाली हैं। यहां केवल 13 महिला वार्डर ही पदस्थ हैं, जिसके कारण सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों से छुट्टी देना संभव नहीं था।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि चाइल्ड केयर लीव का मुख्य उद्देश्य मां को उसके छोटे बच्चों के पालन-पोषण और विकास के लिए समय देना है। जब कर्मचारी नियमों के अनुसार पात्रता रखता हो, तो स्टाफ की कमी जैसी प्रशासनिक मजबूरियों के आधार पर इस प्रावधान के लाभ से मना नहीं किया जा सकता। वैधानिक अधिकारों को पूरा करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाना नियोक्ता की जिम्मेदारी है।

बरेली में बारिश, बलिया में नदी में 9 मकान समाए

मगरमच्छ गांव में पहुंचा, जाल में फंसा अजगर, 71 शहरों में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसून की रफ्तार फिलहाल सुस्त पड़ गई है। पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों को छोड़कर प्रदेश के बाकी इलाकों में बारिश थम गई है। शनिवार सुबह 6:30 बजे बरेली में तेज बारिश हुई। वहीं, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर समेत कई शहरों में बादल छाए रहे। तेज ठंडी हवाएं चलीं।

उधर, पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश से गंगा, घाघरा और सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। मंदिरों में पानी घुस गया है। बलिया में सरयू नदी के कटान की चपेट में आकर एक ही दिन में 9 मकान नदी में समा गए, जबकि 100 से ज्यादा परिवार अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हो गए।

लखीमपुर खीरी की नहर में शुक्रवार को फिर मगरमच्छ दिखा। इससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। एक हफ्ते पहले इसी इलाके में मगरमच्छ ने एक कुत्ते का शिकार किया था। वहीं, एक दूसरे गांव में खेत के पास लगे जाल में 12 फीट लंबा अजगर फंस गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने उसे रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया।

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अब ओडिशा और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ गया है, जिस वजह से यूपी में मानसूनी गतिविधियों पर अस्थायी ब्रेक लग गया है।

अफसर के सामने कर्मचारियों ने ऑफिस में फेंका कचरा

समस्तीपुर-मुंगेर में झाड़ू के साथ प्रदर्शन
बिहार में हड़ताल पर 42 हजार सफाई कर्मचारी

पटना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में नगर निकायों में काम करने वाले सफाईकर्मियों और ड्राइवर्स की हड़ताल का आज तीसरा दिन है। इस हड़ताल में करीब 42 हजार सफाई कर्मचारी और ड्राईवर्स शामिल हैं।

हड़ताल की वजह से गली-मोहल्लों में कचरा पड़ा हुआ है। बदबू से लोगों का हाल बेहाल है। कचरा फैलने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

दरभंगा नगर पंचायत ऑफिस भरवाड़ा में कार्यपालक पदाधिकारी की मौजूदगी में सफाई कर्मचारियों ने कूड़ा, सड़ी हुई मछलियां लाकर फेंक दी। इधर, समस्तीपुर में हड़तालियों ने निगम कार्यालय के बाहर धरना दिया। वहीं मुंगेर में अपनी मांगों को लेकर कर्मचारियों ने झाड़ू के साथ प्रदर्शन किया।

पटना नगर निगम में 5 हजार कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। शहर का कचरा उठाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई है, लेकिन हड़ताल में शामिल

कर्मचारी उन कर्मचारियों को कचरा उठाने से रोक रहे हैं।

निगम आयुक्त ने काम में बाधा डालने वालों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। पटना में कई जगहों पर पुलिस की मौजूदगी में कचरा उठाया गया। विरोध का सामना ना करना पड़े, इसलिए रात में कचरा उठाया जा रहा है।

नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि हर वार्ड में काम कर रहे सफाईकर्मियों के अतिरिक्त 15 से 20 सहयोगियों की टीम तैयार कर काम कराएं। उन्होंने काम में बाधा डालने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने निर्धारित अंचलों में लगातार निगरानी रखते हुए रात में विशेष सफाई अभियान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की निगरानी में कचरे का उठाव किया जाएगा।

सभी सफाई निरीक्षकों और पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी निगरानी में सभी स्थायी, दैनिक और आउटसोर्सिंग एजेंसी के सफाई कर्मियों की बायोमेट्रिक और मैनुअल उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उपस्थिति की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा बिना अनुमति अनुपस्थित पाए जाने वाले कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त को भेजी लोकेशन, मौके पर पहुंचे फ्रेंड तो आम के बाग में फांसी के फंदे से लटका मिला नीट छात्र

मुरादाबाद, 1 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के छजलैट थाना क्षेत्र में नीट की तैयारी कर रहे 19 साल के छात्र का शव आम के बाग में फंदे से लटका मिला। छात्र घर से कोचिंग जाने की बात कहकर निकला था। कुछ देर बाद उसने दोस्तों को अपनी लोकेशन भेजी। जब दोस्त मौके पर पहुंचे तो छात्र मृत मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

घटना छजलैट थाना क्षेत्र के दाढ़ी महमूदपुर गांव के पास की है। अमरोहा के चक्क घी नगला गांव का रहने वाला 19 वर्षीय अनस नीट की तैयारी कर रहा था।

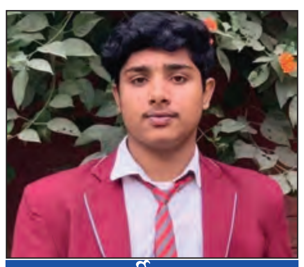
19 वर्षीय अनस

शुक्रवार को वह घर से कोचिंग जाने की बात कहकर निकला था। कुछ देर बाद उसने अपने दोस्तों को अपनी लोकेशन भेजी। दोस्त जब बताए गए स्थान पर पहुंचे तो उन्होंने अनस को आम के बाग में फंदे से लटका देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही छजलैट थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम में मौत की वजह फांसी आना बताई गई है।

परिजनों के मुताबिक, अनस ने इस साल इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की थी और नीट की तैयारी कर रहा था। बताया जा रहा है कि केमिस्ट्री में कम अंक आने और स्क्रूटनी के बाद भी रिजल्ट में कोई बदलाव न होने से वह परेशान था।

हालांकि, पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिवार का कहना है कि घर में किसी तरह का कोई विवाद नहीं था। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

साध्वी जगदंबा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

लखनऊ, 1 अगस्त (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में ऐतिहासिक 81 दिवसीय अबाध चली गौरक्षार्थ धर्मयुद्ध गविष्ठि यात्रा ने पूरे उत्तर प्रदेश की परिक्रमा करते हुए पंद्रह हजार किलोमीटर की यात्रा की। यात्रा 403 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंची, जहां जनता से जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ने प्रत्यक्ष संवाद किया। लाखों श्रद्धालुओं, गौभक्तों, शिष्यों, अनुयायियों, सनातनियों एवं विभिन्न मजहबों मतावलंबियों ने एकसाथ खड़े होकर शंकराचार्यजी को सुना और एकजुट होकर गौमाता के प्राण प्रतिष्ठा की रक्षा करने वालों को चुनने का संकल्प लिया। गौमाता को राष्ट्रमाता व राज्यमाता घोषित कराने की मांग को सर्वसम्मति से समर्थन भी मिला।

इस घटना विशेष को अभूतपूर्व मानते हुए हाई रेंज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा इसे प्रशस्ति पत्र

देकर सम्मानित किया गया है। आज लखनऊ के चांसलर क्लब में आयोजित गौ गर्जना अक्षौहिणी संकल्प कार्यक्रम में रिकॉर्ड बुक की टीम ने मंच पर शंकराचार्य जी को प्रशस्ति पत्र, मेडल व ट्रॉफी समर्पित किया।

श्री शंकराचार्य चतुरंगिणी सेना की महिला सर्वाध्यक्ष साध्वी जगदंबा (डॉ निशीथा दीक्षित , स्त्री रोग विशेषज्ञ) एकमात्र महिला रहीं जिन्होंने पूरी 81 दिवसीय गविष्ठि यात्रा पूरी की , लाखों लोगों तक गौमाता की रक्षा का संदेश पहुंचाया और जन जन को गौरक्षा से जोड़ने के लिए गांव गांव में प्रवास किया। ऐसा कीर्तिमान गौमाता की रक्षा के लिए पहले स्थापित नहीं किया गया है। ऐसा हाई रेंज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के चेयरमैन मार्शल आर्ट्स ग्रांडमास्टर डाक्टर जयंत रेड्डी ने बताया। डॉ निशीथा दीक्षित को भी मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हैदराबाद से आई रिकार्ड बुक की टीम के अन्य सदस्य श्रीकांत, पी० सुमन भी मंच पर उपस्थित रहे।

सीजेपी के प्रोटेस्ट में शामिल शिक्षक सस्पेंड, 7वें दिन जेल

प्राचार्य बोले- महिला टीचर को घसीट-घसीटकर पीटा, आरोपी शिक्षक बोला- सच बोलने की सजा मिली

कटनी, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल शिक्षक को पुलिस ने प्रभारी प्राचार्य और पूर्व प्राचार्य को घसीट-घसीटकर पीटने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शिक्षक ने स्कूल में महिला टीचर के बाल खींचे। शिक्षा विभाग ने सस्पेंड भी कर दिया है।

वहीं, गिरफ्तारी के बाद शिक्षक वरुण नायक ने मीडियाकर्मियों को अपने शरीर के चोट दिखाए। उनके पैर, पीठ और हाथ पर कट के निशान हैं। किसी नुकीले हथियार से पीठ को चीरने के जख्म हैं। शिक्षक नायक ने आरोप लगाया कि सीजेपी के प्रदर्शन में स्कूलों में नकल और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। इसी की सजा मिली है। पूरा मामला 25 जुलाई को कटनी के फॉरेस्टर ग्राउंड में हुए सीजेपी के प्रदर्शन से जुड़ा है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिलहरी में प्राथमिक शिक्षक (विज्ञान) के पद पर पदस्थ वरुण नायक भी इसमें शामिल हुए थे। प्रदर्शन के बाद उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके स्कूल से लेकर तहसील और जिला स्तर तक बीईओ और डीईओ स्तर पर भ्रष्टाचार और नकल की व्यवस्था फिक्स है। 11वीं और 12वीं के कई छात्र 'रिजल्ट' और 'पास' जैसे सामान्य अंग्रेजी शब्दों की स्पेलिंग तक नहीं लिख पाते, फिर भी उन्हें पास किया जा रहा है।

जौनपुर में नायब तहसीलदार पर यौन-उत्पीड़न की एफआईआर

जौनपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के जौनपुर में नायब तहसीलदार पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न-आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ है। महिला की मौत के 5 महीने बाद मां की शिकायत पर गुरुवार रात मुकदमा दर्ज किया गया।

मां ने आरोप लगाया-नायब तहसीलदार ने शादी का झांसा देकर बेटी से संबंध बनाए, फिर साथी अफसरों से संबंध बनाने का दबाव डालने लगा। मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर बेटी ने जान दे दी।

मामला जिला मुख्यालय से 55 किमी दूर मीरगंज थाना क्षेत्र का है। आरोपी नायब तहसीलदार वर्तमान में केराकत तहसील में तैनात है। महिला ने 9 मार्च, 2026 को मायके में जान दे दी थी।

मीरगंज के एक गांव की रहने वाली महिला ने गुरुवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने 2014 में बेटी की शादी बरसठी के एक गांव में की थी। शादी के बाद बेटी को एक बेटी हुई, जिसकी उम्र 10 साल है। बेटी का पति सूरत में नौकरी करता था। दो साल पहले 2024 में उनकी बेटी अपनी बच्ची के साथ सुल्तानपुर शिफ्ट हो गई।

सुल्तानपुर में उसकी बड़ी बहन रहती थी। बेटी किराए पर कमरा लेकर रहने लगी। इसी दौरान उसकी जान पहचान सुल्तानपुर के गोरा बारीक गांव निवासी विवेक श्रीवास्तव से हुई। उस वक्त विवेक राजस्व विभाग में कानूनगो था। बाद में प्रमोट होकर नायब तहसीलदार बन गया।

विवेक और बेटी की धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ गईं। विवेक बेटी के कमरे पर आने लगा। आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद पति से संबंध खराब करने के लिए बेटी को उकसाया।

मां का आरोप है कि विवेक ने बेटी से कहा कि वह पति से तलाक ले ले, फिर दोनों शादी कर लेंगे। उस समय विवेक अविवाहित था। उसके कहने पर बेटी ने डेढ़ साल पहले पति से तलाक के लिए कोर्ट में केस दाखिल कर दिया। इस दौरान विवेक का उसके कमरे पर आना-जाना और साथ घूमने जाना जारी रहा।

एक साल पहले विवेक का तबादला जौनपुर के मछलीशहर में नायब तहसीलदार के पद पर हो गया। बेटी 15-20 दिन के अंतराल पर उससे मिलने जाती थी। शुरुआत में सब ठीक रहा, लेकिन बाद में विवेक ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि वह घूमाने के बहाने ले जाता और अश्लील वीडियो बनाता था।

मां का आरोप है कि विवेक उस पर तहसील में तैनात अपने साथियों से संबंध बनाने का दबाव डालता था। इनकार करने पर मारपीट करता और जान से मारने की धमकी देता था। प्रताड़ना से तंग आकर बेटी ने 9 मार्च, 2026 को मायके में जान दे दी

पंजाब में कांग्रेस वर्कर भिड़े : एक-दूसरे से मारपीट, कुर्सियां मारीं

प्रभारी बघेल के मुर्दाबाद, चन्नी जिंदाबाद के नारे लगाए

जालंधर/पटियाला, 1 अगस्त (एजेंसियां)। संगरूर में कांग्रेस वर्करों में झड़प हो गई। भूपेश बघेल मुर्दाबाद के नारे लगे। एक-दूसरे पर कुर्सियां मारीं और चरणजीत चन्नी जिंदाबाद के नारे लगाए।

कोऑर्डिनेशन कमेटी चेयरमैन विजयइंदर सिंगला का यह विधानसभा क्षेत्र रह चुका है। कैलिफोर्निया रिजॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम में वड़िंग, भट्ठल और विजयइंदर सिंगला भी मौजूद थे।

इससे पहले शनिवार को ही पटियाला के समाना में कार्यक्रम के दौरान चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग का विरोध कर दिया। उन्होंने वड़िंग की हूटिंग करते हुए चन्नी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की।

यहां राजा वड़िंग ने जैसे ही बोलना शुरू किया तो समर्थकों ने चन्नी के हक में नारेबाजी शुरू कर दी।

उन्होंने 'चन्नी लियाओ-पंजाब बचाओ', 'चन्नी लियाओ-कांग्रेस बचाओ' के नारे लगाए। इससे राजा वड़िंग भड़क गए, उन्होंने पूछा कि क्यों नारे लगा रहे हो। जिसने पार्टी का प्रोग्राम खराब किया, उसके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई होगी।

पन्नाधाय को खीची राजपूत बताने पर विवाद

गुर्जर समाज बोला-धाय मां गुर्जर थीं, 'भारत के नारी रत्न' पुस्तक में ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़

उदयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मेवाड़ के इतिहास में अपने पुत्र का बलिदान देकर राजवंश की रक्षा करने वाली मां 'पन्नाधाय' की जाति को लेकर उदयपुर में नया विवाद खड़ा हो गया है। गुर्जर समाज ने 'पन्नाधाय' को गुर्जर जाति का बताते हुए भारत सरकार की किताब 'भारत के नारी रत्न' में दिए गए तथ्यों पर कड़ा एतराज जताया है।

भारत सरकार के प्रकाशन विभाग की ओर से वर्ष 2022 में छपी (8वां संस्करण) पुस्तक 'भारत के नारी रत्न' में पन्नाधाय को 'खीची राजपूत वंश की क्षत्राणी' बताया गया है। गुर्जर समाज ने इसे ऐतिहासिक तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और वास्तविक पहचान को बदलने का प्रयास बताया है। 31 जुलाई को गुर्जर समाज सेवा समिति उदयपुर के बैनर तले अलग-अलग इलाकों से आने वाले समाज के प्रतिनिधियों का एक मंडल उदयपुर जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल से मिलने पहुंचा। कलेक्टर के मौजूद न होने पर समाज के लोगों ने एसडीएम (गिर्वा) अवुल साईकृष्णा को ज्ञापन सौंपा।

गुर्जर समाज सेवा समिति के अध्यक्ष नारायण लाल गुर्जर ने कहा- 'भारत के नारी रत्न' के पेज नंबर-8 पर पन्नाधाय की मूल ऐतिहासिक पहचान को बदल दिया गया है। यह न केवल पन्नाधाय के महान बलिदान का अपमान है, बल्कि भावी पीढ़ी के सामने गलत इतिहास परोसने की कोशिश है। गुर्जर समाज की प्रतिनिधि कामिनी गुर्जर व समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने ज्ञापन के साथ सबूत देने का दावा किया।

सरकारी पैनोरमा और दीर्घाएं-राजसमंद के कमेरी स्थित 'पन्ना धाय पैनोरमा', चित्तौड़गढ़ के पाण्डोली स्थित 'पन्ना धाय पैनोरमा', उदयपुर के गोवर्धन विलास स्थित 'पन्ना धाय दीर्घा' व मूर्ति का हवाला दिया गया, जहां राजस्थान सरकार द्वारा प्रामाणिक इतिहास अंकित किया गया है।

सरकार का खजाना फुल! जुलाई में जीएसटी से हुई रिकॉर्ड कमाई

2.11 लाख करोड़ पहुंचा टैक्स कलेक्शन

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह में जुलाई 2026 के दौरान जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकार की ओर से शनिवार को जारी मासिक जीएसटी राजस्व आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में सकल जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा करीब 1.82 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी कलेक्शन में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से घरेलू राजस्व और आयात से मिलने वाले टैक्स में मजबूत वृद्धि के कारण हुई है। आंकड़ों से संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद देश में घरेलू खपत और कारोबारी गतिविधियां स्थिर बनी हुई हैं।

घरेलू जीएसटी से तगड़ी कमाई

घरेलू गतिविधियों और आयात से मिले टैक्स ने कुल जीएसटी कलेक्शन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। जुलाई में घरेलू जीएसटी रेवेन्यू 10.1 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो जुलाई 2025 में 1.31 लाख करोड़ रुपये था।

आयात से मिलने वाला जीएसटी रेवेन्यू 28.8 प्रतिशत बढ़कर 66,511 करोड़ रुपये हो गया।

रिफंड में 13% से ज्यादा की बढ़ोतरी

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में कुल जीएसटी रिफंड भी बढ़ा है। कुल रिफंड सालाना आधार पर 13.1 प्रतिशत बढ़कर 29,968 करोड़ रुपये रहा।

वहीं, आइसगेट के जरिए प्रोसेस किए गए निर्यात से जुड़े जीएसटी रिफंड में 22.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 12,288 करोड़ रुपये रहा। रिफंड को घटाने के बाद जुलाई में शुद्ध जीएसटी रेवेन्यू 1.81 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 15.8 प्रतिशत अधिक है। इसमें घरेलू शुद्ध जीएसटी रेवेन्यू 10.5 प्रतिशत बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपये और कस्टम्स से मिलने वाला शुद्ध जीएसटी रेवेन्यू 30.3 प्रतिशत बढ़कर 54,223 करोड़ रुपये हो गया।

अप्रैल-जुलाई में रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन

चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों यानी अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान भी जीएसटी कलेक्शन में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। इस अवधि में सकल जीएसटी संग्रह 10.1 प्रतिशत बढ़कर 8.43 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 7.66 लाख करोड़ रुपये था। अप्रैल-जुलाई के दौरान शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 9.2 प्रतिशत बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपये रहा।

हरियाणा सबसे आगे

जुलाई के जीएसटी कलेक्शन की सालाना वृद्धि के मामले में हरियाणा 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद गुजरात और तेलंगाना में जीएसटी कलेक्शन 19-19 प्रतिशत बढ़ा। पंजाब और केरल में 16 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 15 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 13 प्रतिशत, कर्नाटक में 12 प्रतिशत और दिल्ली में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। महाराष्ट्र देश में जीएसटी रेवेन्यू में सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य है।

इन राज्यों में जीएसटी कलेक्शन घटा

कुछ राज्यों में जुलाई के दौरान जीएसटी कलेक्शन में गिरावट भी देखने को मिली। हिमाचल प्रदेश में जीएसटी कलेक्शन 22 प्रतिशत, उत्तराखंड में 18 प्रतिशत और पुडुचेरी में 17 प्रतिशत घटा। इसके अलावा मध्य प्रदेश में 10 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 5 प्रतिशत और तमिलनाडु में मामूली 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रेपो रेट में आरबीआई बदलाव करेगा या नहीं

जीडीपी ग्रोथ कैसी रहेगी; एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में सब बता दिया

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। एसबीआई रिसर्च की शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अगस्त 2026 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले दो तिमाहियों तक खुदरा महंगाई (सीपीआई) 5 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में देश की आर्थिक वृद्धि 7 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। ऐसे में आरबीआई के लिए फिलहाल ब्याज दरों को स्थिर रखना अधिक उपयुक्त होगा। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई के दौरान 35 अरब डॉलर की पूंजी आमद (कैपिटल इनफ्लो) हुई, जिससे 24 जुलाई तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 12.6 अरब डॉलर बढ़ गया। साथ ही, जून के अंत तक तीन महीने तक की अवधि वाले फॉरवर्ड पोजीशन में 13 अरब डॉलर की कमी आई, जिससे विदेशी मुद्रा बाजार में दबाव कम हुआ। एसबीआई रिसर्च का मानना है कि इन परिस्थितियों को देखते हुए आरबीआई की एमपीसी ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रख सकती है। हालांकि, कच्चे तेल की

कीमतों में उतार-चढ़ाव, रुपये पर दबाव और वैश्विक पूंजी प्रवाह को लेकर अनिश्चितता के कारण केंद्रीय बैंक की ओर से अत्यधिक नरमरुख अपनाने की संभावना कम है।

3 से 5 अगस्त के बीच बैठक

आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 3 से 5 अगस्त के बीच होगी, जबकि 5 अगस्त को नीतिगत फैसलों की घोषणा की जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था अब भी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है और विभिन्न देशों में आर्थिक रुझान अलग-अलग दिखाई दे रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी अर्थव्यवस्था में भी अप्रैल-जून 2026 तिमाही के दौरान अपेक्षा से अधिक सुस्ती दर्ज की गई। एसबीआई रिसर्च ने बताया कि पिछली तीन मौद्रिक नीतियों में आरबीआई ने पश्चिम एशिया युद्ध के प्रभाव को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था। लेकिन अब हालात में सुधार हुआ है और पहली तिमाही की वास्तविक वृद्धि दर पहले के अनुमान से काफी बेहतर, यानी 7 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक मुद्रा बाजार में अब भी असंतुलन बना हुआ है और मार्च के दौरान इसका सबसे अधिक असर भारतीय रुपये पर पड़ा। हालांकि, आरबीआई ने फॉरवर्ड बाजार में अपनी रणनीति के जरिए अल्पकालिक दबाव को कम करने का प्रयास किया, जिससे निर्यातकों और आयातकों की हेजिंग गतिविधियों के कारण रुपये पर पड़ने वाले दबाव को नियंत्रित करने में मदद मिली।

फसलों की बुवाई 4.7 प्रतिशत कम

मानसून को लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश होने के कारण देशभर में वर्षा की कमी घटकर 13 प्रतिशत रह गई है। जलाशयों का जलस्तर लगभग सामान्य है और खरीफ फसलों की बुवाई पिछले वर्ष की तुलना में केवल 4.7 प्रतिशत कम है। इससे ग्रामीण मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष और रूस पर बैन से मुकेश अंबानी की लगी लॉटरी, यूरोप और ब्राजील को भेजा रिकॉर्ड डीजल

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया भर में डीजल की भारी कमी और तनाव के माहौल के बीच भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने जुलाई महीने में यूरोप और ब्राजील को भेजे जाने वाले डीजल के निर्यात में बड़ी बढ़ोतरी की है। हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच तनाव और रूस द्वारा डीजल बेचने पर लगाई गई रोक के कारण दुनिया भर में डीजल की किल्लत हो गई थी। रिलायंस के इस कदम से वैश्विक बाजार को बड़ी राहत मिली है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातकों में शामिल भारत पिछले कुछ समय में स्वेज नहर के पूर्व और पश्चिम दोनों ओर के बाजारों के लिए एक प्रमुख स्विंग बैरल सप्लायर बनकर उभरा है।

निर्यात में क्यों आया तेज उछाल?

केप्लर और वोर्टेक्स के शिप-ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी से यूरोप के लिए लगभग 40 लाख से 50 लाख बैरल डीजल भेजा गया है। यह पिछले 10 महीनों का उच्चतम स्तर है। वहीं यूरोप में डीजल का मुनाफा मार्जिन रिकॉर्ड 74 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, क्योंकि वहां का इन्वेंट्री स्टॉक 2014 के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गया है। इसके अलावा, मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष से फारस की खाड़ी से यूरोप जाने वाली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।यूक्रेन के ड्रोन हमलों में रूसी रिफाइनरियों को पहुंचे नुकसान के बाद रूस ने अधिकांश जुलाई के लिए डीजल निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। माना जा रहा है कि रूस अगस्त में भी यह रोक जारी रख सकता है।

ब्राजील को भी रिकॉर्ड निर्यात

आंकड़ों के मुताबिक, जामनगर और वाडीनार पोर्ट से ब्राजील को होने वाला डीजल निर्यात 11 महीने के उच्च स्तर 28 लाख बैरल पर पहुंचने के ट्रैक पर है। इसके विपरीत, जुलाई में ब्राजील को होने वाला रूसी डीजल का निर्यात पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गया है।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अगस्त महीने में भी यह निर्यात जारी रहेगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि यूरोप कितना महंगा डीजल खरीदने को तैयार होता है। फिलहाल एशिया के बाजारों में डीजल बेचना रिफाइनरी कंपनियों के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो रहा है।

एलपीजी का हलवाई सिलेंडर और 'छोटू' हुआ 202 रुपये तक सस्ता, आज से हो गया नया दाम लागू

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अगस्त के पहले दिन अच्छी खबर आई है। देश की सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल या हलवाई सिलेंडर की कीमत में 209 रुपये तक की कटौती की है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक इस कटौती के बाद कोलकाता में अब इसका रेट 2,872.50 रुपये रह गया है। वहीं 5 किलो वाला छोटा गैस सिलेंडर भी सस्ता हो गया है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव की सूचना नहीं है।

मिली राहत

एएनआई के मुताबिक आज से दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 192 रुपये की कमी हुई है। अब इसकी नई कीमत 2738 रुपये रह गई है। इससे पहले दिल्ली में इसका दाम 2930 रुपये था। पटना में इस सिलेंडर की कीमत 3018 रुपये रह गई है।

वहां पहले इसकी कीमत 3227 रुपये थी। इस सिलेंडर का उपयोग होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, कैटरिंग सर्विसेज आदि देने वाले कारोबारी करते हैं।

जुलाई में भी घटी थी कीमतें

इससे पहले बीते एक जुलाई को भी 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में कटौती हुई थी। तब दिल्ली में इसके दाम में 183.50 रुपये की कटौती की गई थी। उस समय भी घरों में यूज होने वाले 14.2 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

इस साल खूब बढ़ी कीमतें

इस साल जनवरी से ही लगातार 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हो रहा है। पिछले साल 1 दिसंबर को इस सिलेंडर की कीमत 1580.50 रुपये थी। इस साल एक जनवरी में यह बढ़कर 1691.50 रुपये हो गई। फिर फरवरी में इसे बढ़ाकर 1740.50 रुपये कर दिया गया। मार्च में अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से इसकी कीमत में दो बार बढ़ोतरी की गई थी। एक मार्च को इसकी कीमत बढ़ कर 1768.50 रुपये हुई और 7 मार्च को 1883 रुपये पहुंच गई। फिर 1 अप्रैल को इसका दाम 2078.50 रुपये हो गया। मई में इसमें फिर इसकी कीमत में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी की गई। तब दिल्ली में इसकी कीमत 3,071.50 रुपये पर पहुंच गई थी। जून में इसकी कीमत में 42 रुपये का इजाफा किया गया था। हां, जुलाई में इसकी कीमतों में जरूर 183.50 रुपये की कटौती की गई थी।

रसोई गैस सिलेंडरों का क्या हाल

आम घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमत में इस बार भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें आखिरी बार 7 जून 2026 को बदलाव किया गया था। इस समय दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपये है। कोलकाता में इसकी कीमत 968 रुपये, मुंबई में 941.50 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये है।

24 कैरेट गोल्ड 144220 पर पहुंचा

चांदी ने थामी रफ्तार, जानें सोने- चांदी का नया भाव

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अगस्त की शुरुआत हो गई है और महीने के पहले ही दिन सोना तेजी पर है।एक तरफ जहां सोने के दाम में उछाल नजर आ रहा है तो वहीं चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।सर्राफा बाजार में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,220 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है, जबकि कल इसका भाव 1,43,820 रुपये प्रति 10 ग्राम था।इस हिसाब से 24 कैरेट सोना आज 400 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है।प्रतिशत के लिहाज से देखें तो सोने के भाव में करीब 0.28 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है।आइये यहां से 22 कैरेट, 18 कैरेट सोना और साथ ही चांदी के बारे में भी जानते हैं.

22 कैरेट सोने का कितना है भाव?

सबसे ज्यादा लोग 22 कैरेट की ही ज्वेलरी खरीदते हैं।आज 22 कैरेट सोना भी तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट गोल्ड में 91.6 फीसदी शुद्ध सोना होता है और बाकी दूसरे धातुओं को मिलाया जाता है, जिससे ये गहने बनाने के लिए ज्यादा मजबूत माना जाता है।24 कैरेट सोने में आई तेजी के असर से 22 कैरेट सोने के भाव में भी करीब 400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रा में बड़ा उलटफेर

रिन्यूएबल बिजनेस सीईओ ने दिया इस्तीफा; शेयरों पर दिखेगा असर?

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से एक बड़ा उलटफेर हुआ है। कंपनी के रिन्यूएबल बिजनेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू भी हुआ। रिन्यूएबल बिजनेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इवान साहा अब सीईओ नहीं रहे। उन्होंने इस्तीफा देकर अपनी कुर्सी छोड़ दी है।कंपनी ने खुद इसकी जानकारी एक्सचेंज फाइलिंग में दी।

कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज को भेजी गई नियामक फाइलिंग के अनुसार, इवान साहा का इस्तीफा 31 जुलाई, 2026 से प्रभावी हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, श्री साहा ने अपने इस्तीफे के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने कंपनी के सीनियर मैनेजमेंट को भेजे अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि वे निजी वजहों से इस जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहते हैं।अपने रेजिग्नेशन लेटर इवान साहा ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अपने कार्यकाल की सराहना की है। उन्होंने लिखा, मैं कंपनी द्वारा मेरे कार्यकाल के दौरान प्रदान किए गए पेशेवर विकास और उन्नति के अवसरों के लिए आभारी हूं। इस संगठन का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है और मैंने टीम व प्रबंधन के साथ अपने जुड़ाव को बहुत महत्व दिया है। नियामक अनुपालन रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने यह जानकारी सेबी के 'लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स' रेगुलेशन, 2015 के रेगुलेशन 30 के तहत साझा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह बदलाव केवल सीनियर मैनेजमेंट स्तर पर हुआ है और इवान साहा के इस्तीफे के बाद कंपनी के रिन्यूएबल बिजनेस की कमान अब नए नेतृत्व को सौंपी जाएगी।बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी बड़ी कंपनी के प्रमुख बिजनेस वर्टिकल के सीईओ का जाना एक महत्वपूर्ण घटना होती है। कंपनी के शेयरों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। शुक्रवार को रिलायंस इन्फ्रा के शेयर -4.98% गिरकर 60 रुपये के स्तर पर बंद हुए। अब निवेशकों की नजर इस बात पर होगी कि कंपनी रिन्यूएबल बिजनेस के लिए अगले सीईओ के रूप में किसे नियुक्त करती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष रविवार 02 August 2026
तिथि - चतुर्थी 23-15 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 21-37 तक उप उ.भाद्रपद
योग - अतिगण्ड 22-29 रात्रि तक उप सुकर्मा
करण - बव 11-15 तक उप बालव

सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त. 18 -48

चतुर्थी व्रत

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कर्क---	04-50 बजे
सिंह---	07-06 बजे
कन्या--	09-12 बजे
तुला----	11-18 बजे
वृश्चिक--	13-28 बजे
धनु----	15-42 बजे
मकर--	17-48 बजे
कुंभ---	19-38 बजे
मीन---	21-16 बजे
मेष----	22-52 बजे
वृष-----	00-38 बजे
मिथुन--	02-38 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
17-11 से
18-48 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
उत्पात	05-56 - 07-33	अशुभ
चंचल	07-33 - 09-10	शुभ
लाभ	09-10 - 10-46	शुभ
अमृत	10-46 - 12-22	शुभ
काल	12-22 - 13-59	अशुभ
शुभ	13-59 - 15-35	शुभ
रोग	15-35 - 17-11	अशुभ
उत्पात	17-11 - 18-48	अशुभ

रात का चौघड़िया		
शुभ।	18-48 - 20-12	शुभ
अमृत	20-12 - 21-35	शुभ
चंचल	21-35 - 22-59	शुभ
रोग	22-59 - 00-23	अशुभ
काल	00-23 - 01-46	अशुभ
लाभ	01-46 - 03-10	शुभ
उत्पात	03-10 - 04-34	अशुभ
शुभ	04-34 - 05-56-	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आपका कार्य जीवन उत्साह ला सकता है, नई शुरुआत की चिंगारी जगा सकता है। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें और अपनी परियोजनाओं को पोषित करें। विवरण पर ध्यान देकर, आपकी उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। विलक्षण कार्यों की अपेक्षा करें, और अपने अध्ययन या कैरियर में बदलावों को अपनाएँ। रचनात्मक ऊर्जाएँ पनपेंगी, जिससे यह दिन गतिशील संभावनाओं और आशाजनक अंत का दिन बनेगा।

वृष — ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

आज, कर्क राशि में सूर्य चिंतनशील, पर्दे के पीछे के कामों का पक्षधर है। मिथुन राशि में चंद्रमा संचार और अनुकूलनशीलता को बढ़ाता है, जिससे आपको कार्यों को शालीनता से संभालने में मदद मिलती है। बृहस्पति वर्ग शनि सपनों और वास्तविकता के बीच संतुलन का आग्रह करता है। योजना बनाने पर ध्यान केंद्रित करें।

मिथुन — का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,

जैसे-जैसे आत्मविश्वास आपके कार्यों को गति देता है, आपकी सामाजिक उपस्थिति और भी मज़बूत होती जाती है। स्वतंत्र निर्णय आपके मार्ग को आकार देते हैं, जिससे आप अपनी मौलिकता के साथ अलग नज़र आते हैं। तार्किक सोच आपकी योजना बनाने और अपने काम या पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने की क्षमता को बढ़ावा देती है। प्रगति निरंतर होती है।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप ऊर्जावान महसूस करते हैं और साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं, अपने करियर में रचनात्मक प्रेरणा का संचार करते हैं। नवाचार सहजता से प्रवाहित होता है, जिससे आपको नई अंतर्दृष्टि के साथ समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलती है। आपको निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आपका करियर अंतर्ज्ञान और स्पष्ट सोच के सहज संतुलन द्वारा समर्थित है। मेष राशि में चंद्रमा आपकी प्रेरणा और उत्साह को बढ़ाता है, जबकि कर्क राशि में सूर्य आपको सहानुभूति के माध्यम से दूसरों से जुड़ने में मदद करता है। आप विचारों को अच्छी तरह से व्यक्त करते हैं, विकास और स्पष्टता दिखाते हैं।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपकी भावनात्मक अंतर्ज्ञान में वृद्धि हुई है, जो आपके करियर के निर्णयों का मार्गदर्शन करती है। सामंजस्य की भावना काम पर आपके रचनात्मक प्रयासों को बढ़ावा देती है, जो आपकी परियोजनाओं के माध्यम से चमकती है। हालाँकि तीव्र भावनात्मक जीवन और भावनात्मक संघर्ष पढ़ाई में संतुलन बनाए रखने की आपकी क्षमता को चुनौती दे सकते हैं।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप सुरक्षात्मक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील महसूस कर सकते हैं, परिचित, व्यक्तिगत स्थानों में आराम की तलाश कर सकते हैं। अप्रत्याशित ऊर्जा आपको अनुकूलनीय बनाती है, लेकिन चिंता करने की प्रवृत्ति रखती है। दूसरों के साथ बातचीत तनाव या शिकायतों का कारण बन सकती है। संघर्ष उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे आप अपने रिश्तों में सामंजस्य और सहज, सरल संबंध की चाहत रख सकते हैं।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

अपने काम या अध्ययन के पैटर्न में बदलाव की अपेक्षा करें। लचीले बने रहें और बदलावों को धैर्य के साथ अपनाएँ। मानसिक कोहरा स्पष्टता को धीमा कर सकता है, लेकिन अतिरिक्त ऊर्जा को उत्पादक गतिविधि में लगाएँ। आत्मविश्वास आपकी प्रगति का समर्थन करता है, जबकि विवरणों पर सावधानीपूर्वक ध्यान आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करता है।

मकर — भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

काम पर संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, जबकि तेज विश्लेषणात्मक कौशल आपको विस्तार से ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। तार्किक सोच और सावधानीपूर्वक योजना बनाना प्रगति लाता है, लेकिन नियंत्रण करने की इच्छा से बचें। इसके बजाय, अपनी तीव्रता को विचारशील संचार में लगाएं।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

आप अपने पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास से भरपूर हैं और अपनी साहसिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति से ध्यान आकर्षित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे नए समाधान स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। आपकी तीक्ष्ण बुद्धि जहाँ तीव्र सोच को बढ़ावा देती है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

दिवालिया कंपनियों के कर्मचारियों के लिए सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पीएफ (प्रोविडेंट फंड) और इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड से जुड़े एक बेहद अहम मामले पर फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया है कि दिवालिया प्रक्रिया शुरू होने से पहले अगर ईपीएफओ की तरफ से ब्याज और जुर्माने की राशि तय नहीं हुई थी, तो नया मालिक उसे देने के लिए बाध्य नहीं है। अदालत ने कहा कि पीएफ का मूल बकाया पूरी तरह सुरक्षित है और उसे देना ही होगा, लेकिन जो ब्याज और पेनल्टी प्रक्रिया शुरू होने के बाद तय की गई हो, उसे प्लान से बाहर रखा जा सकता है। यानी यहां कोर्ट ने कंपनी के नए मालिक को बड़ी राहत दी है।

क्या था पूरा मामला?

1 मई 2023 को एक कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू हुई। ईपीएफओ ने कुल 22,49,956 रुपये का दावा किया। इसमें सेक्शन 7ए के तहत मूल पीएफ बकाया 73,120 रुपये, सेक्शन 7क्यू के तहत ब्याज के रूप में 9.32 लाख रुपये और सेक्शन 14बी के तहत 12.44 लाख रुपये का हर्जाना शामिल था। कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स ने जो नया प्लान मंजूर किया, उसमें केवल मूल पीएफ के 73,120 रुपये देने का प्रावधान किया गया। बाकी ब्याज और जुर्माने की रकम को देने से मना कर दिया गया। कोर्ट ने पाया कि ब्याज और हर्जाने से संबंधित कार्रवाई 10 मई 2023 को शुरू हुई थी, जबकि सीआईआरपी 1 मई 2023 को शुरू हो चुका था। यानी सीआईआरपी शुरू होने के समय ये दावे तय या अंतिम रूप से निर्धारित नहीं थे। ऐसे में अदालत ने इसे खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में क्या-क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट (जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच) ने कहा कि नए मालिक को यह पहले से पता होना चाहिए कि उस पर कुल कितनी देनदारी है। अगर पुरानी अनिश्चित या अनसुलझी देनदारियों को बाद में मांगा जाएगा, तो कोई भी बंद पड़ी कंपनी को खरीदने और चलाने के लिए आगे नहीं आएगा। कोर्ट ने माना कि पीएफ का मूल पैसा सुरक्षित है, लेकिन दिवालिया प्रक्रिया शुरू होने से पहले जो ब्याज (सेक्शन 7क्यू) और जुर्माना (सेक्शन 14बी) आधिकारिक तौर पर तय नहीं हुआ था, वह संभावित देनदारी की श्रेणी में आता है।

महंगाई की मार: टूथपेस्ट से लेकर पेंट तक महंगे होंगे रोजमर्रा के सामान! त्योहारों से पहले बढ़ेंगी कीमतें

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन से पहले आम लोगों की जेब पर महंगाई का एक और असर देखने को मिल सकता है।देश की कई बड़ी कंज्यूमर कंपनियां रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सामान की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।कच्चे माल और ऊर्जा लागत में तेजी के चलते टूथपेस्ट, डिटर्जेंट, पेंट, टायर और अन्य सामान महंगे हो सकते हैं।इससे आने वाले महीनों में घरेलू खर्च और बढ़ने की आशंका है.

महंगे होंगे रोजमर्रा के कई सामान

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, देश की सबसे बड़ी कंज्यूमर कंपनियां एक बार फिर कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर, डोडला डेयरी और एशियन पेंट्स समेत कम से कम सात कंपनियों ने अपने तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों से बातचीत और मीडिया ब्रीफिंग में कीमतें बढ़ाने के संकेत दिए हैं।हिंदुस्तान यूनिलीवर के मुख्य वित्त अधिकारी निरंजन गुप्ता ने कहा कि कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत में लगातार तेजी बनी हुई है।इसी वजह से डिटर्जेंट और डिशवॉशिंग बार जैसे होम केयर उत्पादों में चरणबद्ध तरीके से कीमतें बढ़ाई जाएंगी.

ऊर्जा लागत और महंगाई बना रही दबाव

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव के कारण ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतों में तेजी आई है।इसका असर कंपनियों की उत्पादन और लॉजिस्टिक लागत पर भी पड़ा है।इसी दबाव के चलते हैवेल्स इंडिया अपने उत्पादों की कीमतें 8 प्रतिशत तक बढ़ा चुकी है।वहीं टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के नमक की कीमत भी करीब 7 प्रतिशत बढ़ चुकी है।

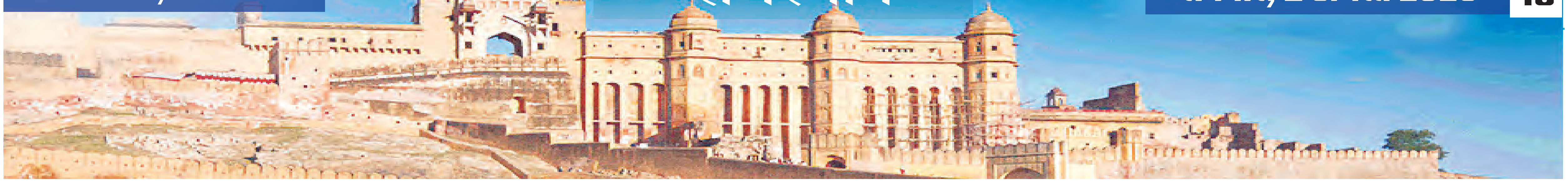

राजस्थान में भी एक साथ होंगे सभी चुनाव, 'वन नेशन-वन इलेक्शन' पर बोले केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल

बीकानेर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि देश 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की दिशा में आगे बढ़ चुका है। इससे संबंधित विधेयक लोकसभा में पेश किया जा चुका है और फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) इसका अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी एक साथ निकाय चुनाव कराए जाना इसी दिशा में एक सकारात्मक शुरुआत है। केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय के 40वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने यह बात कही।

उन्होंने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन की दिशा में कदम बढ़ चुके हैं। राजस्थान में भी एक साथ निकाय पालिका चुनाव हो रहे है। पहले बीकानेर नगर निगम के चुनाव अलग होते थे, लेकिन अब बीकानेर नगर निगम, श्रीडूंगरगढ़ और देशनोक के निकाय चुनाव एक साथ हो रहे हैं। उन्होंने इसे चुनावी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। संसद में विपक्ष के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए मेघवाल ने कहा कि सदन की गरिमा और आसन की मर्यादा बनाए रखना सभी सांसदों की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाया। नकल विरोधी कानून पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद में लंबी चर्चा के बाद यह कानून बनाया गया है। इसका उद्देश्य पेपर लीक और नकल माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करना है। उन्होंने कहा कि नए कानून में दोषियों के खिलाफ कड़े दंड का प्रावधान किया गया है, जिससे परीक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित बनेगी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश देंगे। राजस्थान सरकार भी नशा मुक्ति अभियान चला रही है। टीबी मुक्त के बाद अब नशा मुक्त और नकल मुक्त राजस्थान बनाने का लक्ष्य है। राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणामों पर संतोष जताते हुए कहा कि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए और प्रयास जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। इस मौके पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बीकानेर के स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े के साथ पौधरोपण किया। साथ ही मौके पर मौजूद लोगों को प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संदेश दिया।

अशोक गहलोत ने तोड़ी चुप्पी, डोटासरा की 'नाराज़गी' और 'सेल्फ ब्रांडिंग' तंज का दिया जवाब, कही 5 बड़ी बातें

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर कांग्रेस पार्टी का अंदरूनी सियासी पारा अचानक गर्म हो गया है। जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का गुस्सा उस वक्त फूट पड़ा, जब उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए बिना 'सेल्फ ब्रांडिंग' और 'व्यक्तिवाद' पर जोरदार हमला बोला। डोटासरा का यह बयान ऐसे समय पर आया, जब वागड़ के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय भारत आदिवासी पार्टी के 300 से 400 कार्यकर्ताओं को कांग्रेस में शामिल कराने जयपुर पहुंचे थे। हालांकि, पार्टी मुख्यालय में औपचारिक जॉइनिंग से ठीक पहले मालवीय इन कार्यकर्ताओं के साथ सीधे अशोक गहलोत के सिविल लाइंस स्थित बंगले पर पहुंच गए, जहां गहलोत ने उन्हें कांग्रेस का दुपट्टा पहनाया और समर्थकों ने अशोक गहलोत को चौथी बार मुख्यमंत्री बनाओ के नारे लगा दिए। इस घटनाक्रम से बिफरे डोटासरा ने चेतावनी दे डाली कि व्यक्तिगत ब्रांडिंग की वजह से ही पार्टी को बार-बार हार का सामना करना पड़ता है। जयपुर में पीसीसी दफ्तर में कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही सियासी बवंडर खड़ा हो चुका था। बांसवाड़ा से आए 300 से 400 आदिवासी कार्यकर्ताओं को पहले पार्टी मुख्यालय जाना था, लेकिन वे सीधे अशोक गहलोत के जयपुर आवास पर चले गए। अशोक गहलोत के आवास पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें चौथी बार मुख्यमंत्री बनाने के लिए नारेबाजी की और वहां दुपट्टा पहनाने का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

डोटासरा इस बात से बेहद खफा थे कि आधिकारिक जॉइनिंग पीसीसी दफ्तर में होने के बजाय एक नेता विशेष के

घर पर 'पावर शो' की तरह क्यों की गई?'

कार्यकर्ता जब गहलोत के आवास से निकलकर पीसीसी मुख्यालय पहुंचे, तब डोटासरा ने आक्रामक रुख अपनाया। डोटासरा ने बिना नाम लिए कहा कि किसी व्यक्ति को अपनी ब्रांडिंग की चिंता हो तो वह उनको मुबारक हो। गोविंद सिंह डोटासरा सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए काम करता है और जब तक अध्यक्ष पद पर रहेगा, संगठन के लिए ही काम करेगा। डोटासरा ने खुलकर स्वीकार किया कि व्यक्तिवाद और खुद को पार्टी से बड़ा दिखाने की होड़ ने कांग्रेस का भारी नुकसान किया है। इसी वजह से एक बार सरकार बनाने के बाद अगली बार हार का सामना करना पड़ता है।

अशोक गहलोत का जवाब, क्या वाकई कांग्रेस में कोई नाराजगी है?

डोटासरा के तीखे बयानों के बाद जब राजस्थान की राजनीति में गुटबाजी की अटकलें तेज हुईं, तो अगले ही दिन शुक्रवार 31 जुलाई को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद मीडिया के सामने आए और स्थिति स्पष्ट की। गहलोत ने अपनी प्रतिक्रिया में 6 मुख्य बातें कहीं।

'मेरे घर जॉइनिंग नहीं, केवल शिष्टाचार मुलाकात थी – गहलोत ने बताया कि उनके घर पर कोई आधिकारिक जॉइनिंग कार्यक्रम तय नहीं था। कार्यकर्ताओं की जिद थी कि वे जयपुर आकर मिलना चाहते हैं।

'मैंने 500 किलोमीटर आने से मना किया था' – गहलोत ने कहा कि उन्होंने खुद कार्यकर्ताओं से कहा था कि इतनी दूर बस लेकर जयपुर न आएं, वे खुद बांसवाड़ा दौरे पर आकर उन सभी से मिलेंगे। लेकिन मालवीय के बार-बार आग्रह पर वे मिलने के लिए राजी हुए।

'जॉइनिंग नेताओं की होती है, कार्यकर्ताओं का तो स्वागत है' – पूर्व सीएम ने कहा कि 400 कार्यकर्ताओं के आने पर क्या विवाद? अगर विपक्षी दल या बीएपी से लोगों का मोहभंग हो रहा है और वे कांग्रेस में आ रहे हैं तो यह अच्छी बात है।

'डोटासरा और मेरे बीच कोई कड़वाहट नहीं' – गहलोत ने कहा कि न तो अध्यक्ष जी को कोई नाराजगी है और न ही मुझे। डोटासरा को जो बात महसूस हुई, उन्होंने अपनी बात रख दी। अगर मीडिया ऐसे सवाल पूछेगा जिनकी पूरी जानकारी उन्हें नहीं थी, तो प्रतिक्रिया वैसी ही आएगी।

'मीडिया माहौल बिगाड़ने का काम न करे' – गहलोत ने चुटकी लेते हुए कहा कि मीडिया के साथी नेताओं को डराने और माहौल बिगाड़ने में आगे रहते हैं। लेकिन कांग्रेस का कोई भी नेता ऐसी बात नहीं बोलेगा जिससे आपस में लड़ाई बढ़े। पूर्व सीएम ने जोर देकर कहा कि देश को इस समय कांग्रेस की जरूरत है क्योंकि लोकतंत्र खतरे में है। राजस्थान में कांग्रेस पूरी तरह से एक होकर लड़ेगी और भविष्य में दोबारा सरकार बनाएगी।

जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर 'टोल बूथ' हमेशा के लिए बंद

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर गुरुग्राम से जयपुर के बीच रोजाना सफर करने वाले लाखों यात्रियों, ट्रांसपोर्टरों और पर्यटकों के लिए आज 1 अगस्त 2026 की तारीख ऐतिहासिक साबित हो रही है। दरअसल, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस 270 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर को पूरी तरह से बैरियर-फ्री करते हुए 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' टोल कलेक्शन सिस्टम में तब्दील कर दिया है। राजस्थान-हरियाणा बॉर्डर पर स्थित प्रसिद्ध शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर इस अत्याधुनिक सिस्टम के लाइव होते ही अब गाड़ियों को टोल देने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। अब वाहन चालक बिना अपनी स्पीड कम किए सीधे हाईवे गेंट्री के नीचे से गुजर सकेंगे और उनका टोल अपने आप उनके लिंक फास्टैग खाते से कट जाएगा।

बता दें कि राजस्थान के मनोहरपुरा और दौलतपुर प्लाजा पहले ही इस तकनीक से लैस हो चुके थे, जिसके बाद शाहजहांपुर अंतिम पड़ाव था। इस ऐतिहासिक बदलाव से न सिर्फ ईंधन की भारी बचत होगी बल्कि दिल्ली से जयपुर के बीच लगने वाले समय में भी काफी हद तक कम हो सकेगा। क्या है फ्री-फ्लो टोलिंग और कैसे काम करेगा यह नया सिस्टम? फ्री-फ्लो टोलिंग तकनीक का मुख्य मकसद हाईवे पर गाड़ियों की स्पीड को बिना प्रभावित किए टोल कलेक्शन को पूरा करना है।

हाईवे के ऊपर बने लोहे के विशाल गेंट्री फ्रेम पर हाई-टेक आरएफआईडी रीडर और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरे लगाए गए हैं। फुल स्पीड में स्कैनिंगः जब भी कोई कार या ट्रक 80 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से इन गेंट्री के नीचे से गुजरता है, तो कैमरे और रीडर सेकेंड के सौवें हिस्से में वाहन के विंडशील्ड पर लगे फास्टैग और नंबर प्लेट को स्कैन कर लेते हैं।

18 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, हनुमान बेनीवाल ने बताई शर्मनाक लापरवाही; सीएम भजनलाल से पूछे तीखे सवाल

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के गोवर्धनपुरी इलाके में पेयजल में सीवर का गंदा पानी मिलने का मामला अब सियासी रंग पकड़ता जा रहा है। इलाके के 'सी' और 'एफ' ब्लॉक में पिछले 25 दिनों से दूषित पानी की सप्लाई होने के कारण कम से कम 18 बच्चे उल्टी-दस्त की चपेट में आकर बीमार पड़ चुके हैं। इस मामले को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए इसे प्रशासन की बड़ी नाकामी और लापरवाही बताया है।

हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए इस पूरे मामले को प्रदेश सरकार की 'शर्मनाक लापरवाही' बताया। उन्होंने लिखा कि 25 दिनों तक लोगों को दूषित पानी मिलना और 18 बच्चों का बीमार होना बहुत गंभीर मामला है। लगातार शिकायत मिलने के बावजूद भी निगम और संबंधित विभाग ने कार्रवाई नहीं की। आगे उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सवाल पूछा कि जब लोगों को स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा भी नहीं मिल पा रही है, तो आखिर जिम्मेदारी किसकी है। उन्होंने पीएचईडी

मंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई।

बेनीवाल ने लिखा कि राजस्थान में बदहाल व्यवस्थाओं का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। इसी के चलते उन्होंने राज्य सरकार से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, पीएचईडी और नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने बीमार बच्चों का मुफ्त और बेहतर इलाज कराने तथा पूरे प्रदेश की पेयजल व्यवस्था का विशेष ऑडिट करवाने की भी मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से नलों में साफ पानी की जगह बदबूदार और सीवर मिला पानी आ रहा था। घरों की पानी की टंकियों से भी बदबू आने लगी थी। लोगों का कहना है कि हालात इतने खराब हो गए थे कि कई परिवारों को पीने के पानी के लिए टैंकरों का सहारा लेना पड़ा। लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समय पर समाधान नहीं किया गया।

दूषित पानी का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर देखने को मिला। पिछले करीब 20 दिनों में कम से कम 18 बच्चे उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद बीमार हो गए। इसके बाद इलाके में चिंता का माहौल बन गया। लोगों का कहना है कि अगर संबंधित विभाग शुरुआत में ही कार्रवाई कर देता तो बच्चों की तबीयत नहीं बिगड़ती और स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का कहना है कि शिकायत मिलते ही उसकी टीम मौके पर पहुंची और 5 से 6 संदिग्ध कनेक्शन भी काटे गए।

इसके बावजूद दूषित पानी की समस्या बनी रही। विभाग के अधिकारियों का दावा है कि सीवर लाइन में लीकेज की जानकारी नगर निगम को कई बार पत्र और शिकायत के जरिए दी गई, लेकिन समय रहते मरम्मत नहीं होने से गंदा पानी लगातार पेयजल लाइन में मिलता रहा।

सरकारी स्कूलों में हर महीने अनिवार्य होगी स्टाफ मीटिंग, माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश जारी

भीलवाड़ा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, भौतिक सुविधाओं और विद्यालय संचालन को बेहतर बनाने के लिए अब हर माह स्टाफ की बैठक अनिवार्य कर दी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी आदेश के अनुसार संस्था प्रधान और स्टाफ के बीच निरंतर संवाद और बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया है। शिक्षा विभाग के आदेशानुसार बैठक प्रत्येक माह के अंतिम कार्य दिवस को अनिवार्य रूप से होगी। बैठक के लिए समय निकालने के लिए प्रत्येक शिक्षण कालांश में से पांच-पांच मिनट की कटौती होगी। इस प्रकार समायोजित किए गए 40 मिनट के समय में, आठवें कालांश के बाद यह बैठक होगी। आठवें कालांश की समाप्ति के बाद सभी विद्यार्थियों को विद्यालय से प्रस्थान के लिए मुक्त कर दिया जाएगा। पारस्परिक विमर्श और योजना निर्माण को प्रभावी बनाने के लिए विभाग ने निर्देश दिए हैं। संस्था प्रधान की ओर से राजस्थान के सरकारी विद्यालय स्टाफ में से किसी एक सदस्य को स्टाफ मीटिंग का प्रभारी नामित किया जाएगा। इस प्रभारी का कार्य संस्था प्रधान से विमर्श करके बैठक का समसामयिक एजेंडा तैयार करना होगा। बैठक का रिकॉर्ड रखने के लिए एक कार्यवाही रजिस्टर का संधारण अनिवार्य किया है। इससे उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर, विचार-विमर्श और पारित प्रस्तावों का विस्तृत उल्लेख होगा। बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा अगली बैठक में भी की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तय कार्य समय पर पूरे हुए हैं या नहीं। साथ ही आवश्यक सुधारात्मक सुझावों पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता संस्था प्रधान करेंगे, जबकि उनके अवकाश पर होने की स्थिति में विद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षक यह जिम्मेदारी निभाएंगे।

छात्राओं से गलत चैट करने वाला पीटीआई गिरफ्तार

शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को किया सस्पेंड

अजमेर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के पीसांगन स्थित विवेकानंद मॉडल राजकीय विद्यालय में छात्राओं के साथ कथित गलत व्यवहार के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक ललित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस मामले के मुख्य आरोपी शिक्षक मोहम्मद अली को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और शिक्षा विभाग दोनों कार्रवाई कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार घटना की जांच के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। आरोपी ललित कुमार घटना के बाद से फरार था। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जांच के दौरान पुलिस दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन और उनके बीच हुई चैट की भी जांच कर रही है। इससे यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मामले से जुड़े अन्य तथ्य क्या हैं और कहीं इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

शिक्षा विभाग ने भी मामले को गंभीर मानते हुए कार्रवाई की है। विभाग ने दोनों आरोपी शिक्षकों को पहले ही निलंबित कर दिया था। इसके अलावा शिकायत करने वाली छात्रा को थप्पड़ मारने के आरोप में शिक्षिका पिंकी यादव को भी निलंबित किया जा चुका है। विभाग का कहना है कि छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने पीड़ित छात्राओं और उनके परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं। इन्हीं बयानों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से की जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ये मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल है। अभिभावकों ने विद्यालयों में छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।

फर्जी वाउचर से 30 लाख रुपये का गबन

चार महीने से फरार बैंक अधिकारी को पुलिस ने दबोचा

दौसा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। जिले की मंडावरी थाना पुलिस ने एसबीआई बैंक शाखा मंडावरी में 30 लाख रुपये के गबन मामले में फरार चल रहे तत्कालीन उप शाखा प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मुकदमा दर्ज होने के बाद पिछले चार महीने से फरार था। इससे पहले पुलिस इस मामले में कैशियर और एक संविदाकर्मी को गिरफ्तार कर चुकी है। मंडावरी थाना प्रभारी ने बताया कि आढ़त व्यापारी गिर्राज प्रसाद ने 25 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार उनकी फर्म पुरुषोत्तम लाल-पवन कुमार का एसबीआई बैंक शाखा मंडावरी में खाता है।

आरोप है कि 13 नवंबर 2025 को बैंक कर्मचारी विनोद कुमार मीणा ने फर्जी वाउचर तैयार कर तत्कालीन उप शाखा प्रबंधक अशोक कुमार से पास करवाए। इसके बाद 23 लाख रुपये संविदाकर्मी वीरेंद्र कुमार शर्मा के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए।इसके बाद 20 नवंबर 2025 को फिर फर्जी वाउचर तैयार कर 7 लाख रुपये अंकित कुमार मीणा के खाते में ट्रांसफर किए गए। इस तरह कुल 30 लाख रुपये का गबन किया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने 27 मार्च 2026 को कैशियर विनोद कुमार मीणा और संविदाकर्मी वीरेंद्र कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। हालांकि तत्कालीन उप शाखा प्रबंधक अशोक कुमार घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने लगातार तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से फरार आरोपी अशोक कुमार (36) निवासी सालवाड़ी, थाना गंज खेड़ली, जिला अलवर को गिरफ्तार कर लिया। घटना के समय वह एसबीआई बैंक शाखा मंडावरी में उप शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

आरपीएससी पोर्टल में सेंध के बाद अलर्ट

विश्वविद्यालयों और सरकारी संस्थानों को जारी की साइबर एडवाइजरी

जयपुर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग के भर्ती पोर्टल में कथित छेड़छाड़ के मामले के बाद राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने राज्य के विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी-निजी संगठनों के लिए विस्तृत साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने सभी संस्थानों से अपने वेब पोर्टलों की सुरक्षा व्यवस्था तत्काल मजबूत करने, नियमित सिक्योरिटी ऑडिट कराने और संवेदनशील डिजिटल प्रणालियों को आधुनिक सुरक्षा मानकों के अनुरूप अपडेट करने की अपील की है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) वीके सिंह ने बताया कि हालिया आरपीएससी भर्ती पोर्टल प्रकरण में अनधिकृत तरीके से पोर्टल में प्रवेश कर भर्ती परीक्षा के परिणाम, अभ्यर्थियों की वरीयता सूची और आवेदन संबंधी रिकॉर्ड से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस घटना ने संस्थागत वेब पोर्टलों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं।

साइबर क्राइम शाखा के अनुसार अधिकांश संस्थागत पोर्टलों में चार प्रमुख तकनीकी कमजोरियां देखने को मिलती हैं। इनमें सर्वर स्तर पर यूजर ऑथराइजेशन की पर्याप्त जांच नहीं होना, एसक्यूएल एसक्यूएल इंजेक्शन के जरिए डेटाबेस पर हमला संभव होना, पासवर्ड बदलने या रीसेट करने के दौरान उपयोगकर्ता की दोबारा पुष्टि का अभाव तथा लॉगिन, ओटीपी और पासवर्ड रीसेट पर प्रयासों की सीमा तय नहीं होना शामिल है। इन खामियों का फायदा उठाकर साइबर अपराधी संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बना सकते हैं और रिकॉर्ड में बदलाव कर सकते हैं।

पुलिस ने बताया कि हमलावर सबसे पहले वेबसाइट के यूआरएल और एचटीटीपी रिक्वेस्ट का विश्लेषण कर सुरक्षा में मौजूद कमजोरियों की पहचान करते हैं। इसके बाद ऑटोमेटेड स्क्रिप्ट और बॉट्स के जरिए सिस्टम की परमिशन व्यवस्था की जांच करते हैं। यदि सुरक्षा में कोई चूक मिलती है तो वे डेटा चोरी करने, रिकॉर्ड में हेरफेर करने या सिस्टम तक अनधिकृत पहुंच हासिल करने की कोशिश करते हैं। एडवाइजरी में सभी संस्थानों को प्रत्येक रिक्वेस्ट पर सर्वर-साइड ऑथराइजेशन अनिवार्य रूप से लागू करने, क्रमिक आईडी की जगह यूयूआईडी/जीयूआईडी का उपयोग करना, तैयार कथन और पैरामीटरयुक्त क्वेरीज़ जोड़ना तथा सभी इनपुट का सर्वर-साइड वैलिडेशन और सैनिटाइजेशन सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा पासवर्ड बदलने से पहले री-वेरिफिकेशन, संवेदनशील कार्यों के लिए मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन लॉगिन और ओटीपी पर सीमित प्रयास तथा लगातार असफल प्रयास होने पर अकाउंट को अस्थायी रूप से लॉक करने जैसे सुरक्षा उपाय अपनाने पर भी जोर दिया गया है।

प्रेग्नेंट महिला की गला रेतकर हत्या

बड़े भाई की डांट का बदला लेने के लिए रची थी साजिश

सीकर, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में 6 महीने की प्रेग्नेंट महिला की गला रेतकर हत्या मामले में हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने बड़े भाई से डांट पड़ने का बदला लेने के लिए वारदात की साजिश रची थी। बता दें कि धोद क्षेत्र के सरवड़ी गांव में 28 जुलाई को पड़ोसी ने घर में सो रही गर्भवती महिला का चाकू से गला काट दिया था। गंभीर घायल महिला की शुक्रवार को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में मौत हो गई थी। प्रियंका की मौत के बाद अब पुलिस इस केस में हत्या की धारा जोड़ेगी। धोद थानाधिकारी कमलपुरी गोस्वामी ने बताया कि प्रियंका घटना वाले दिन तीन वर्षीय बेटे के साथ घर पर थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला सुरेश सैनी घर में घुस गया और धारदार चाकू से प्रियंका के गले पर हमला कर दिया। आरोपी ने महिला के हाथ और पैरों पर भी कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी ने महज नौ मिनट में ही पूरी वारदात को अंजाम दे दिया।

क्या आपने देखी है सफेद गिलहरी ? राजस्थान के टोंक में दुर्लभ जीव को देख वन विभाग भी हैरान!

टोंक, 1 अगस्त (एजेंसियां)। टोंक के सीआईएसएफ के कैंपस में बेहद दुर्लभ मानी जाने वाली अल्बिनो (सफेद) गिलहरी दिखाई दी है, जिसे देख यहां वन विभाग और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों आश्चर्यचकित हो गए। राजस्थान में इस तरह की गिलहरी के सामने आने का यह संभवतः दूसरा मामला बताया जा रहा है।

टोंकः राजस्थान के टोंक जिले के देवली स्थित केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के आरटीसी परिसर से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक बार फिर सुखद खबर सामने आई है, जहां फिर से बेहद दुर्लभ मानी जाने वाली अल्बिनो (सफेद) गिलहरी दिखाई दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्थान में इस तरह की गिलहरी के सामने आने का यह संभवतः दूसरा मामला है। इस खबर को लेकर अब वन्य

जीव प्रेमियों और लोगों में जमकर चर्चा बनी हुई है। जानकारी के अनुसार देवली सीआईएसएफ परिसर के घने और हरियाली वन क्षेत्र में नीम के पेड़ पर यह सफेद गिलहरी नजर आई। इस दौरान परिसर में तैनात एक जवान ने इसे अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। वीडियो सामने आने के बाद वन विभाग और वन्यजीव विशेषज्ञों में भी इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। खास बात यह है कि ठीक एक साल पहले भी इसी परिसर में ऐसी ही सफेद गिलहरी देखी गई थी।

इसकी सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर मंगल सैनी ने 'नवभारत टाइम्स' से बातचीत के दौरान पुष्टि की। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार अल्बिनो गिलहरी कोई अलग प्रजाति नहीं होती। यह सामान्य गिलहरी ही होती है, जिसका रंग आनुवंशिक कारणों से पूरी तरह सफेद हो जाता है। शरीर में मेलानिन की कमी के कारण इसका रंग बदल जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि लगभग एक लाख गिलहरियों में से केवल एक अल्बिनो हो सकती है। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि उसके बच्चों का रंग भी सफेद ही हो। इधर, टोंक के सहायक वन संरक्षक अनुराग महर्षि ने बताया कि देवली के सीआईएसएफ परिसर में दोबारा अल्बिनो गिलहरी का दिखाई देना वन विभाग के लिए सकारात्मक संकेत है।

जीजा ने साली की गोली मार कर हत्या 'घर बिगड़ने' से था गुस्सा!

भीलवाड़ा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलववाड़ा जिले के बनेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आमली कला गांव में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक की ओर से अपनी ही 18 वर्षीय साली की दुनाली बंदूक से गोली मारकर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी शव को ठिकाने लगाने और सबूत मिटाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना के महज दो घंटे के भीतर ही आरोपी को दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान बीलिया निवासी 18 वर्षीय रेखा के रूप में हुई है। रेखा पिछले लगभग डेढ़ साल से अपनी बड़ी बहन सीता और जीजा किशन कालबेलिया के परिवार के साथ आमली कला गांव में ही रह रही थी। किसी बात को लेकर हुए पारिवारिक विवाद के दौरान आरोपी जीजा किशन ने आपा खो दिया। इसके बाद घर में रखी दुनाली बंदूक से साली रेखा पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नकली सोने से बैंकों और फाइनेंस कंपनियों को धोखा देने वाला गिरोह गिरफ्तार

खम्मम, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले की करेपल्ली पुलिस ने नकली सोने के गहने बनाकर बैंकों, फाइनेंस कंपनियों और सोना खरीदने वाली फर्मों को धोखा देने में शामिल एक गिरोह का पर्दाफाश किया। करेपल्ली के पुलिस इंस्पेक्टर सागर ने बताया कि यह ऑपरेशन करेपल्ली के सब-इंस्पेक्टर गोपी की देखरेख में चलाया गया। उन्होंने कहा कि करेपल्ली के दो आरोपियों, गुगुलोथ सुनील कुमार और मुंडाडा रामचंदर को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य आरोपी दरावथ राकेश फ़रार है।

जांच से पता चला कि आरोपी तांबे का इस्तेमाल करके गहने बनाते थे और उन्हें असली सोने जैसा दिखाने के लिए उन पर सोने की परत (गोल्ड प्लेटिंग) चढ़ाते थे। इसके बाद वे लोन लेने के लिए इन नकली चीज़ों को अलग-अलग बैंकों और फाइनेंस कंपनियों के पास गिरवी रखते थे और गैर-कानूनी तरीके से पैसे कमाने के लिए निजी गोल्ड-बाइंग फर्मों को भी धोखा देते थे।

एक मामले में, गिरोह ने रामचंदर के एजेंट सुनील के ज़रिए वेल्लंडु में मुथूट फाइनेंस के पास 52 ग्राम नकली सोना गिरवी रखा और 3.90 लाख रुपये का लोन लिया। बाद में, गिरवी रखी चीज़ को छुड़ाने की योजना बनाते हुए, उन्होंने हैदराबाद में 'माना गोल्ड कंपनी' से संपर्क किया; सुनील को कंपनी से 5.80 लाख रुपये मिले और वह पैसे लेकर फ़रार हो गया।

कंपनी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया, जिसने जांच की और आरोपियों को गिरफ़्तार किया। पुलिस ने अपराध से मिली रकम से खरीदी गई एक कार, 15,000 रुपये नकद और अपराध में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फ़ोन गिरफ़्तार आरोपियों से ज़ब्त किया। इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच चल रही है।

नकली नोट चलाने वाले आंध्र के गैंग का पर्दाफाश; सात गिरफ्तार

खम्मम, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम की वेमसूर पुलिस ने आंध्र प्रदेश के एक गैंग का पर्दाफाश किया है जो नकली नोट चला रहा था और जिसने जिले के वेमसूर मंडल के कंडुकुर में एक किराने के व्यापारी के साथ धोखाधड़ी की थी।

पुलिस के अनुसार, ट्रक ड्राइवर मारम रमेश और उनके भाई मारम महेश ने सरनाला रवींद्र के साथ मिलकर आसानी से पैसे कमाने के तरीके सोचे और दसारी प्रमोद और मिरियाला चंद्रू से सलाह ली। उन्होंने उन्हें अपने एक परिचित जुज्जावरपु रवि से मिलवाया, जो नकली नोट चलाने के काम में शामिल था।

रवि ने रमेश और रवींद्र से 1 लाख रुपये के असली नोट लिए और उन्हें 500 रुपये के मूल्यवर्ग वाले 2.10 लाख रुपये के नकली नोट दिए। फिर उन्होंने खम्मम के सथुपल्ली, वेमसूर और आंध्र में असली नोटों के साथ नकली नोट चलाए।

इसी दौरान, 21 जुलाई को रमेश ने कंडुकुर में व्यापारी कोप्पुला नागी रेड्डी को 9,000 रुपये के नकली नोट और उतनी ही राशि के असली नोट दिए और फोन-पे ऐप के ज़रिए उतनी ही राशि अपने खाते में ट्रांसफर करवाई। जब व्यापारी ने बैंक में पैसे जमा करने की कोशिश की, तो अधिकारियों ने नकदी में नकली नोटों की पहचान की।

रवि को 2.10 लाख रुपये के नकली नोट काकीनाडा के मुख्य आरोपी कोव्वुरी विनोद सतीश कुमार रेड्डी से मिले थे, जो डॉक्टर बनकर दो अस्पताल चलाता था। उसने नकली नोट पाने के लिए 50,000 रुपये के असली नोट दिए थे।

रवि को पहले भी मंचेरियल जिले की लक्सेट्टीपेट पुलिस ने नकली नोटों की आपूर्ति करने के आरोप में गिरफ्तार किया था और उसे जमानत पर रिहा किया गया था। हैदराबाद में नकली नोट चलाने के आरोप में रायदुर्गम पुलिस ने सतीश कुमार रेड्डी को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया।

एक व्यापारी की शिकायत पर वेमसूर के एसआई कविता ने मामला दर्ज किया। मामले की जांच सथुपल्ली ग्रामीण सीआई मुथुलिंगैया ने की। पुलिस ने आरोपी के पास से 500 रुपये के 59 नकली नोट ज़ब्त किए। सभी सात आरोपी आंध्र प्रदेश के एलुरु ज़िले के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं।

साइबर क्राइम डीसीपी अरविंद बाबू पर कार्रवाई कांग्रेस सरकार की बदले की राजनीति : एनवी सुभाष

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य आधिकारिक प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने साइबर क्राइम डीसीपी अरविंद बाबू को पद से हटाकर पुलिस महानिदेशक कार्यालय से संबद्ध किए जाने के फैसले को कांग्रेस सरकार की बदले की कार्रवाई बताया है। जारी बयान में एन.वी. सुभाष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक और छेड़छाड़ किए गए वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार मामला दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य के मुख्यमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप व्यवहार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक पद पर बैठे देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक और घृणापूर्ण पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई करने के बजाय अपनी जिम्मेदारी निभाने वाले पुलिस अधिकारी को हटाना गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपने अधिकारियों का समर्थन करना चाहिए, लेकिन इसके विपरीत ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की गई।

ग्राम विकास के लिए सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने गांवों में बैठकों के दौरान निवासियों से बातचीत की

नलगोंडा, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने शनिवार को ग्रामीणों से अपने गांवों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। मंत्री ने नलगोंडा जिले के नलगोंडा और थिप्पर्थी मंडलों में विभिन्न विकास कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने नलगोंडा मंडल के चिन्ना सुरारम गांव के एक गांव पावुरालागुडेम में 1.35 करोड़ की लागत से निर्मित पीडब्ल्यूडी सड़क का उद्घाटन किया। उन्होंने चिन्ना सुरारम, पेद्दा सुरारम और चंदनपल्ली गांवों में आयोजित बैठकों के दौरान निवासियों से बातचीत भी की। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि सरकार महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सहयोग से चावल मिलें, गोदाम और प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करेगी ताकि उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके और महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने महिलाओं से आजीविका सुधारने के लिए छोटे व्यवसाय शुरू करने और चावल मिलें चलाने का आग्रह किया। मंत्री ने आगे घोषणा की कि 15 अगस्त को चिन्ना सुरारम में महिला समूहों को 3 करोड़ रुपये, पेद्दा सुरारम में समूहों को 2.5 करोड़ रुपये और चंदनपल्ली में समूहों को 1.5 करोड़ रुपये के ऋण चेक वितरित किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को चिन्ना सुरारम और पेद्दा सुरारम के बीच 5 से 10 एकड़ जमीन की पहचान करने का निर्देश दिया, ताकि वहां एक गोदाम या चावल मिल स्थापित की जा सके। कोमटिरेड्डी ने पावुरालागुडेम में एक उचित मूल्य की दुकान को भी मंजूरी दी और अधिकारियों को तुरंत एक डीलर नियुक्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को संबंधित गांवों में ग्राम सामुदायिक भवनों का निर्माण जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। मंत्री ने जिला ग्रामीण विकास अधिकारी को महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए अधिकतम बैंक-लिंक्ड ऋण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और लाभार्थियों से समय पर ऋण चुकाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 5 लाख रुपये प्रति यूनिट की लागत से इंदिरम्मा आवासों का निर्माण कर रही है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति झोपड़ी में रहने के लिए मजबूर न हो।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद बैठक की तैयारियों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने आगामी दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की तैयारियों और एजेंडे को लेकर सचिवालय में प्रारंभिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक 20 अगस्त को तमिलनाडु के महाबलीपुरम में आयोजित होने वाली है। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद के समक्ष रखे जाने वाले प्रस्तावित मुद्दों की समीक्षा की और संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि तेलंगाना से जुड़े सभी एजेंडा विषयों का गहन अध्ययन किया जाए। संजय जाजू ने योजना विभाग को निर्देश दिया कि ऐसे प्रमुख अंतरराज्यीय और क्षेत्रीय मुद्दों की पहचान की जाए, जिन्हें परिषद की बैठक में राज्य की ओर से चर्चा के लिए रखा जा सकता है। उन्होंने सभी विभागों से लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करते हुए, अगले कुछ दिनों में उनके जवाब तैयार करने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए तेलंगाना की ओर से प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों और सुझावों को अंतिम रूप दें तथा आगे के मार्गदर्शन के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करें। समीक्षा बैठक में वरिष्ठ अधिकारी विकास राज, सब्यसाची घोष, गौरव उप्पल, ई. श्रीधर, क्रिस्टिना जोंग्थु सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने मुख्य सचिव को एजेंडा विषयों और बैठक की तैयारियों के संबंध में जानकारी दी।

धंसे हुए पुल पर फंसी स्कूल बस; 32 छात्र बाल-बाल बचे

मेडक, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को मेडक के पास पुष्पाला वागु पर बने पुल के धंसने से एक प्राइवेट स्कूल बस उसमें फंस गई, लेकिन ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए सभी 32 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे वे बाल-बाल बच गए।

शनिवार शाम को डॉन बॉस्को स्कूल की बस 32 छात्रों को लेकर आस-पास के गांवों की ओर जा रही थी, तभी सड़क धंस गई और बस पुल के किनारे पर फंस गई। बस ड्राइवर ने घबराए हुए छात्रों को शांत कराया और उन्हें सुरक्षित बस से बाहर निकलने में मदद की।

घटना की जानकारी मिलने के बाद छात्र-छात्राओं के माता-पिता और स्कूल मैनेजमेंट तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्रों को घर पहुंचाने के लिए दूसरी गाड़ी का इंतज़ाम किया। पिछले एक हफ़्ते से ज़िले में लगातार बारिश हो रही थी, जिसके कारण पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। स्थानीय लोगों ने सरकार से मांग की है कि इस जगह पर बिना देरी किए मरम्मत का काम शुरू किया जाए।

विनायक चतुर्थी और बोनालू को लेकर अत्तापुर पुलिस ने राउडीशीटरों को दी सख्त

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी विनायक चतुर्थी और बोनालू त्योहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अत्तापुर पुलिस स्टेशन की सीमा में रहने वाले राउडीशीटरों की विशेष काउंसलिंग आयोजित की गई। राजेंद्रनगर उपमंडल के अत्तापुर पुलिस स्टेशन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता थाना प्रभारी निरीक्षक ए. सीतैया ने की।

इस दौरान उन्होंने राउडीशीटरों को सार्वजनिक शांति और व्यवस्था भंग करने वाली किसी भी गतिविधि से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी। निरीक्षक ए. सीतैया ने कहा कि सभी राउडीशीटर अपने पुराने असामाजिक कार्यों को छोड़कर कानूनी तरीके से रोजगार करें और समाज में सम्मानजनक जीवन व्यतीत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून का पालन करने वाले लोगों को पुलिस की ओर से पूरा सहयोग दिया जाएगा, लेकिन दोबारा अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया कि प्रत्येक व्यक्ति वैध कार्य करते हुए अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन बिताए। दंगे रात सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव करना, समूह बनाकर झगड़े भड़काना या आम लोगों में भय पैदा करना गंभीर अपराध माना जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस नियमित जांच और निगरानी के तहत रात के समय होने वाले निरीक्षण के दौरान सभी राउडीशीटर अपने घरों में उपलब्ध रहें। यदि किसी अन्य क्षेत्र के संदिग्ध व्यक्ति या राउडीशीटर इलाके में शरण लेते पाए जाएं तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए।

बोराबंडा आवासीय विद्यालय के छात्रों को बांटे स्पोर्ट्स किट

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बालक आवासीय विद्यालय, बोराबंडा में युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी ग्लोबल चैंपियंस क्लब ने अमेरिका निवासी शैलजा कनामरलापुडी और उनकी सुपुत्री सिंधुजा कनामरलापुडी के विशेष सहयोग से एक सराहनीय पहल की है। भारत यात्रा पर आई इस एनआरआई माँ-बेटी की जोड़ी ने क्लब के साथ मिलकर तेलंगाना राज्य बालक आवासीय विद्यालय, बोराबंडा के छात्रों को खेलकूद सामग्री वितरित की।

वितरित की गई खेल किट में वॉलीबॉल, फुटबॉल, हॉकी स्टिक, नेट और अन्य स्पोर्ट्स गियर शामिल हैं, ताकि छात्र स्कूल के बाद अपने खेल कौशल को निखार सकें। इस अवसर पर रोटरी ग्लोबल चैंपियंस क्लब के अध्यक्ष महेश पाटिल, सचिव विकास सिंह और निदेशक त्रिनाधबाबा ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।

विद्यालय की प्रधान अध्यापिका रमनम्मा और शारीरिक निदेशक डॉ. बाल भीम महाराज ने रोटरी ग्लोबल चैंपियंस क्लब तथा दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. बाल भीम महाराज ने कहा कि इस गुणवत्तापूर्ण खेल सामग्री से छात्रों का मनोबल बढ़ेगा और वे आगामी खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे।

महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने के आरोप में एसआई गिरफ्तार

हनमकोंडा, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला ज़िले के एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर को सुबेदारी पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करने वाली महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न, ज़बरदस्ती यौन संबंध बनाने और डराने-धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया।

आरोपी अधिकारी, 2014 बैच के कदिरे श्रीकांत, अपने खिलाफ शिकायत दर्ज होने के बाद ड्यूटी से भाग गए और गोवा, हैदराबाद और निज़ामाबाद में छिप गए। उन्हें ढूंढ निकाला गया, निज़ामाबाद में हिरासत में लिया गया और सुबेदारी पुलिस स्टेशन लाया गया, जहाँ कानूनी कार्यवाही शुरू की गई।

वह सिरसिल्ला के कोनाराओपेट मंडल के रहने वाले हैं और शादीशुदा हैं। सीआई एम. रंजीत कुमार ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि वह सोशल मीडिया पर महिलाओं की प्रोफ़ाइल खोजते थे, फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे, संपर्क बनाते थे और बाद में उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करते थे।

2025 में, आरोपी ने फेसबुक पर एक महिला से दोस्ती की और उसके साथ करीबी रिश्ते बनाए। वह वारंगल में उसके घर गया और उसके साथ मारपीट की। बाद में वह उसे कई बार होटलों में ले गया और कथित तौर पर उसके साथ ज़बरदस्ती यौन उत्पीड़न किया।

बाद में उसने झूठा दावा किया कि उसके पास पीड़िता की न्यूड तस्वीरें हैं और धमकी दी कि अगर उसने यह बात किसी को बताई तो वह उसे मार डालेगा।

उसने कथित तौर पर अश्लील वीडियो कॉल के ज़रिए भी उसे परेशान किया और पैसे की मांग की। जब महिला ने उससे पैसे वापस करने को कहा, तो उसने कथित तौर पर उसे धमकी दी और दावा किया कि उसे राजनेताओं का समर्थन प्राप्त है और कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

महेश बैंक में सजी सुरों की महफिल

हैदराबाद, 1 अगस्त। एपी महेश बैंक ने अपने 49वें स्थापना दिवस समारोह के तहत शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित हेड ऑफिस (रोड नंबर-12) में कर्मचारियों के लिए गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। 9 अगस्त 2026 को मनाए जाने वाले स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी गायन प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

9 अगस्त 1978 को स्थापित महेश बैंक ने 49 वर्षों की सफल यात्रा के दौरान तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान तथा महाराष्ट्र (मुंबई) में 45 शाखाओं का मजबूत नेटवर्क विकसित किया है। बैंक लगातार ग्राहक सेवा और संस्थागत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए हुए है।

कार्यक्रम में बैंक के वाइस चेयरमैन श्री गोविंद नारायण राठी, एमडी एवं सीईओ श्री हनुमान दास राठी, जनरल मैनेजर श्री जी. श्रीनिवास राव, श्री कमल किशोर राठी, प्रसिद्ध ग़ज़ल गायक श्री अनुराग भूताडा सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वाइस चेयरमैन श्री गोविंद नारायण राठी द्वारा प्रस्तुत दो मधुर गीतों से हुआ, जिसने पूरे आयोजन में उत्साह का संचार कर दिया।

गायन प्रतियोगिता में श्री पवन कुमार सुंथवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से श्री ए.के. दिनेश नायर और श्री लक्ष्मीनारायण कड्डा को प्रदान किया गया, जबकि श्री एल.वी. श्रीनिवास तृतीय स्थान पर रहे। अन्य सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में प्रसिद्ध ग़ज़ल गायक श्री अनुराग भूताडा ने अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी जनरल मैनेजर श्री दिनेश बजाज एवं असिस्टेंट जनरल मैनेजर श्री हनुमानदास सारडा ने किया, जबकि आयोजन को सफल बनाने में श्री अमरनाथ और उनकी टीम का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन श्री गोविंद नारायण राठी ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन कर्मचारियों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, आपसी जुड़ाव और सकारात्मक कार्य-संस्कृति को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि महेश बैंक आगे भी कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास और सहभागिता को बढ़ावा देने वाले ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

सनातनी हिंदू व्यवसायियों के लिए एक बिज़नेस मीट संपन्न

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग एच2एच प्रगति (विशाखापट्टनम चैप्टर) द्वारा होटल ओशन विस्टा बे में सनातनी हिंदू व्यवसायियों के लिए एक बिज़नेस मीट का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य विशाखापट्टनम के हिंदू व्यवसायियों को सहयोग देना और उन्हें आगे बढ़ाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योगपति गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष निर्मला बोम्मी के नेतृत्व में डॉ. राधिका, सुधीर चौधरी और सीए वेंकटेश सहित अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। यह कार्यक्रम सभी उपस्थित लोगों द्वारा काफी सराहा गया। यह बैठक अध्यक्ष निर्मला बोम्मी के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। संस्थापक गीतेश काटे भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और उन्होंने टीम प्रगति को प्रेरित किया।

बीजेपी जामबाग डिवीजन के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने आज संसद के दोनों सदनों में 'वंदे मातरम बिल संशोधन-2026' के पास होने का जश्न मनाया। इस मौके पर श्री जायसवाल ने वहाँ मौजूद सभी बीजेपी कार्यकर्ताओं में मिठाइयाँ बांटीं। शब्बीर, महेश, संदीप जैन, महेश, शंकर, हरिनाथ, राजू, नरसिंह, बाबू और बीजेपी नेताओं व स्थानीय लोगों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

52 करोड़ के इन्वेस्टमेंट फ्रॉड का खुलासा

आरोपी गिरफ्तार, 35 गाड़ियां ज़ब्त

कोठागुडेम, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िला पुलिस ने इन्वेस्टमेंट फ्रॉड के एक बड़े मामले का खुलासा किया है, आरोपी को गिरफ्तार किया है और 35 गाड़ियां ज़ब्त की हैं, जिनमें छह बसें भी शामिल हैं, जिन्हें कथित तौर पर अपराध से मिली रकम से खरीदा गया था।

शनिवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, कोठागुडेम डीएसपी एल. आदिनारायण ने बताया कि मुख्य आरोपी, बेथमपुडी भरत कुमार को केरल के कोट्टायम ज़िले के पाला शहर से गिरफ्तार किया गया।

उसे ट्रांज़िट वारंट पर ज़िले में लाया गया और भरपति श्रीनिवास राव नाम के व्यक्ति की शिकायत पर लक्ष्मीदेवीपल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले के सिलसिले में उससे पूछताछ की गई। आरोपी ने कथित तौर पर इन्वेस्टमेंट के नाम पर अलग-अलग लोगों से लगभग 52 करोड़ इकट्ठा किए। उसने दावा किया कि वह सरापाका में आईटीसी पेपरबोर्ड्स के लिए लेबर कॉन्ट्रैक्टर है और वादा किया कि अगर वे कॉन्ट्रैक्ट प्रोजेक्ट्स में उसके साथ पार्टनर बनते हैं तो उन्हें ज़्यादा रिटर्न मिलेगा।

पुलिस ने बताया कि उसने पीड़ितों का भरोसा जीतने के लिए मुनाफ़े में चार प्रतिशत हिस्सेदारी का वादा करते हुए फ़र्ज़ी पार्टनरशिप एग्रीमेंट और जाली दस्तावेज़ बनाकर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। उसने कथित तौर पर बीके नायडू एंड कंपनी और राजेश्री ट्रैवल्स जैसी बिज़नेस एंटिटीज़ का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम दिया।

आरोपी द्वारा खरीदी गई छह बसें, एक पानी का टैंकर लॉरी, तीन ट्रैक्टर, खेती के दो उपकरण, सात कारें, 14 दो-पहिया वाहन और दो ट्रेलर ज़ब्त किए गए। पुलिस ने यह भी आरोप लगाया कि उसने अपराध से मिली कथित रकम से भद्राचलम की राजीव नगर कॉलोनी में तीन मंज़िला इमारत और एक प्लॉट खरीदा था।

मामले से जुड़े फ़ाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन, बैंक अकाउंट्स और संबंधित दस्तावेज़ों की जांच चल रही है। दूसरे पीड़ितों की पहचान करने, आपराधिक तरीकों से बनाई गई और संपत्तियों का पता लगाकर उन्हें ज़ब्त करने और पैसे के पूरे लेन-देन का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

एशिया के विकास में भारत बन रहा प्रमुख शक्ति तेलंगाना निवेश के लिए उपयुक्त गंतव्य : राज्यपाल

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था में एशिया एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है और भारत एक जिम्मेदार तथा भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल शनिवार को हैदराबाद के हाईटेक्स में ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम द्वारा आयोजित 'भारत-एशियाई बिजनेस सम्मेलन' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति में नई नीतियों और योजनाओं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की जा रही एक्ट ईस्ट नीति, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, पीएम गतिशक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति जैसे कार्यक्रमों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और पारदर्शी नीतियां विश्व के कई देशों के लिए उदाहरण बन रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना अपनी उद्योग अनुकूल नीतियों, प्रभावी प्रशासन और कुशल युवा शक्ति के कारण वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

स्वर्ण से क्यों चूके नीरज, क्या नहीं दे पाए अपना 100% ?

ग्लास्गो, 1 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि, पदक जीतने के बाद भी नीरज अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि चोट से वापसी आसान नहीं होती और खिलाड़ी के मन में हमेशा एक डर बना रहता है। इसके बावजूद उन्हें भरोसा है कि वह धीरे-धीरे अपनी पुरानी लय हासिल कर लेंगे।

मीडिया से बातचीत में नीरज ने कहा कि उन्हें खुशी है कि भारत ने जैवलिन थ्रो में दो पदक जीते और युवा खिलाड़ी यशवीर सिंह भी पोडियम तक पहुंचने में सफल रहे। नीरज ने कहा, 'बहुत खुशी है कि मेरे साथ यशवीर भी मेडल जीतने में सफल रहे। ऐसा पहले एशियन गेम्स में हुआ था, जहां मैंने और किशोर ने मेडल जीता था। मुझे खुशी है कि यशवीर ने यहां अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। काफी अच्छा लग रहा है कि हम दोनों पोडियम पर हैं। हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि देश का राष्ट्रगान बजे, लेकिन ठीक है, मैंने भी सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मेरी वापसी सही दिशा में हो रही है और आगे बाकी प्रतियोगिताओं में और बेहतर करने की कोशिश करूंगा।'

नीरज ने स्वर्ण पदक जीतने वाले श्रीलंका के रुमेश थरंगा की भी तारीफ की। उन्होंने माना कि वह खुद भी इससे बेहतर थ्रो कर सकते थे, लेकिन लय नहीं पकड़ पाए। उन्होंने कहा, 'जाहिर तौर पर थरंगा का थ्रो काफी अच्छा था। मुझे भी लग रहा था कि मैं थोड़ा और बेहतर कर सकता हूं, लेकिन मैं लाइन नहीं पकड़ पा रहा था। मैं फिर से धीरे-धीरे अपनी लय में आने की कोशिश कर रहा हूं। पता नहीं मैं ठंड में उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाता हूं। मुझे गर्मी पसंद है, क्योंकि मेरे अंदर भारतीय खून है न।'

नीरज ने स्वीकार किया कि उनकी फिटनेस अभी पूरी तरह पहले जैसी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि चोट के बाद मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ी के मन में स्वाभाविक रूप से सावधानी और डर दोनों रहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह सकता कि मेरी फिटनेस पहले जैसी हो गई है। अभी धीरे-धीरे उस स्तर तक पहुंचने की कोशिश कर रहा हूं। इंजरी के बाद मेरी पहली प्रतियोगिता दोहा में थी, जहां हमारी तैयारी भी पूरी नहीं थी। यहां स्थिति पहले से बेहतर रही। कोशिश यही है कि आने वाली प्रतियोगिताओं में पूरी तरह लय हासिल कर सकूं। अभी और सुधार की जरूरत है। जब आप 100 प्रतिशत फिट होते हैं तो लड़ने का जज्बा अलग होता है और लगता है कि कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन इंजरी से वापसी के दौरान आपको हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है। आज भी कभी लग रहा था कि पूरी ताकत से दौड़ूं, तो कभी खुद को नियंत्रित रखने का विचार आ रहा था। मिश्रित भावनाएं थीं, लेकिन फिर भी थ्रो अच्छा रहा।'

नीरज के इस बयान से साफ है कि वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट होने के बजाय लगातार सुधार पर ध्यान दे रहे हैं। एशियाई खेलों और विश्व स्तर की आगामी प्रतियोगिताओं से पहले उनका यह आत्मविश्वास भारतीय एथलेटिक्स के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

तन्वी शर्मा ताइपे ओपन के फाइनल में

17 साल की भारतीय शटलर ने चीनी ताइपे की खिलाड़ी को सीधे गेम में हराकर खिताबी मुकाबले में बनाई जगह

ताइपे एरिना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 17 साल की तन्वी ने चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को सीधे गेम में मात दी।

पंजाब की रहने वाली तन्वी ने यह मुकाबला 21-17, 21-11 से अपने नाम किया। यह एकतरफा सेमीफाइनल मैच महज 33 मिनट तक चला। तन्वी पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 में रनर-अप रही थीं।

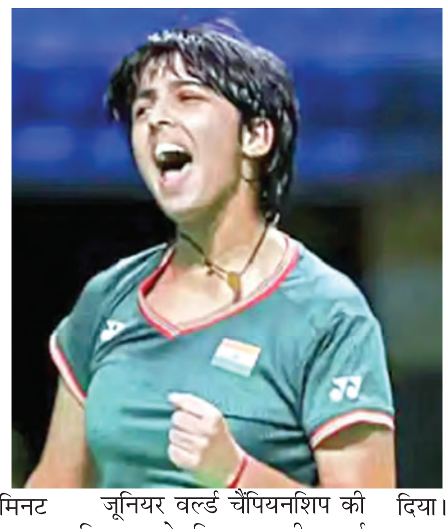

जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा रविवार को होने वाले फाइनल में खिताबी जीत के लिए उतरेंगी।

फाइनल में उनका मुकाबला हमवतन उन्नति हुड्डा या वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी गुयेन थुय लिन्ह में

तन्वी ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले गेम में हुआंग यू-हसुन ने कुछ समय तक मुकाबला किया, लेकिन तन्वी ने 21-17 से गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने विपक्षी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से जीत दर्ज की और सीधे गेम में फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 8वां गोल्ड

प्रीति-जैस्मिन ने बॉक्सिंग और सोमन ने पैरा शॉटपुट में जीता

ग्लासगो, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने आठवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी, प्रीति पवार ने 54 केजी कैटेगरी और सोमन राणा ने पैरा शॉटपुट में गोल्ड जीता। वहीं, मेंस 55 केजी कैटेगरी में जादुमणि सिंह को ऑस्ट्रेलिया के जाई डिकस्न से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। जैस्मिन ने फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स और प्रीति ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराया। इसके साथ ही भारत के 8 गोल्ड सहित कुल 30 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, भारत के 7 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे। रात 9 बजे साक्षी चौधरी (51 केजी), 9:15 बजे प्रिया घंघास (60 केजी), 9:30 बजे अरुंधति चौधरी (70 केजी), 10:15 बजे लवलीना बोरगोहेन (75 केजी), 10:45 बजे सचिन सिवाच (60 केजी), 11:15 बजे अंकुश पंघाल (80 केजी) और 11:45 बजे नरेंद्र बरवाल (90+ केजी) अपने-अपने फाइनल मुकाबले खेलेंगे। पैरा शॉट पुट इवेंट की एफ-57 कैटेगरी में भारत के सोमन राणा ने सीजन बेस्ट थ्रो के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। एक अन्य भारतीयय शुभम जुयाल ने सिल्वर पाया। सोमन राणा ने 13.40 मीटर गोला फेंका। शुभम जुयाल ने 13.28 मीटर थ्रो किया। एफ-57 कैटेगरी में वे खिलाड़ी आते हैं, जिनके कम के नीचे के अंग (पैरों) कमजोर होते हैं। लेकिन उनके ऊपरी शरीर (धड़ और हाथ) की ताकत पूरी तरह सामान्य होती है। भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटेम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा। हरियाणा की बॉक्सर प्रीति ने 2022 एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रीति 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता, जबकि 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में भी गोल्ड अपने नाम किया। प्रीति की ट्रेनिंग एनएस एनआईएस पटियाला में होती है।

हरियाणा की बॉक्सर जैस्मिन लांबोरिया 57 केजी कैटेगरी में फिलहाल इस वर्ग में दुनिया की नंबर-1 बॉक्सर हैं। उन्होंने 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड जीता है। जैस्मिन 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत के लिए खेल चुकी हैं और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

जूडो में उन्नति शर्मा क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्नति ने महिला 63 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में लामुलेला मागागुला को हराया।

तेजस्विन शंकर ने वो कर दिखाया, जो कभी नहीं हुआ

डिकैथलॉन में जीता ऐतिहासिक मेडल

ग्लास्गो, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी एथलीट तेजस्विन शंकर ने ग्लासगो में वो कर दिखाया है, जो कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इससे पहले किसी भारतीय ने नहीं किया. कुछ ही हफ्ते पहले तक हाई जंप में नेशनल रिकॉर्ड रखने वाले तेजस्विन ने ग्लासगो सीडब्ल्यूजी में डिकैथलॉन का ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है. 1500 मीटर रेस को पूरा कर तेजस्विन ने तीसरा स्थान बरकरार रखा और मेडल जीतकर इतिहास रच दिया.

दो दिन तक चले मेंस डिकैथलॉन इवेंट में एथलेटिक्स के कुल 10 कम्पटीशन थे, जिसमें शुक्रवार को आखिरी 5 कम्पटीशन हुए. इसमें तेजस्विन लगातार तीसरे और चौथे स्थान के बीच घूम रहे थे. फिर जैवलिन थ्रो में उन्होंने जबरदस्त अपना सीजन का बेस्ट परफॉर्मेंस किया और तीसरे स्थान पर पहुंच गए. इसके बाद नजरें आखिरी इवेंट पर थी, जो 1500 मीटर की रेस थी. इस रेस को तेजस्विन ने 4:36.19 मिनट में पूरा किया. इसके दम पर उनका फाइनल स्कोर 7976 पॉइंट्स रहा. ये स्कोर उन्हें तीसरे स्थान पर बरकरार रखने के लिए काफी था.

तेजस्विन का कॉमनवेल्थ गेम्स में ये लगातार दूसरा मेडल है और दोनों बार उन्होंने जो किया, वो भारतीय एथलेटिक्स में पहले कभी नहीं हुआ था. बर्मिंघम में 4 साल पहले हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी तेजस्विन ने हिस्सा लिया था और तब वो हाई जंप में हिस्सा ले रहे थे. तेजस्विन ने हाई जंप का सिल्वर मेडल जीता था और ऐसा करने वाले भारत के पहले एथलीट बने थे. मगर इसके तुरंत बाद उन्होंने हाई जंप को छोड़कर खुद को डिकैथलॉन में चुनौती दी और अब 4 साल बाद उन्होंने सीडब्ल्यूजी में इस कम्पटीशन में भारत के लिए पहली बार मेडल जीत लिया.

करीब 6 फुट 4 इंच लंबे तेजस्विन शंकर 2022 तक पूरी तरह हाई जंप को समर्पित थे. उनके नाम ही 2.29 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड था, जो उन्होंने 2018 में बनाया था. पूरे 8 साल तक ये रिकॉर्ड उनके नाम रहा, जो हाल ही में सर्वेश कुशारे ने तोड़ा. हाई जंप में रिकॉर्ड भले ही टूटा हो लेकिन डिकैथलॉन का नेशनल रिकॉर्ड अब तेजस्विन के ही नाम है. वहीं एशियन गेम्स 2022 में इसी इवेंट का सिल्वर मेडल भी जीता था. इतना ही नहीं, इसी साल चीन के तियानजिन में एशियन इंडोर चैंपियनशिप 2026 में शंकर ने हेप्टाथलन में 5993 पॉइंट्स हासिल करते हुए गोल्डजीता और अपना ही नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था.

विश्वकप के मुनाफे के निजीकरण पर यू-टर्न

विरोध के बाद फीफा अध्यक्ष इनफैनटिनो ने वापस लिया प्रस्ताव

न्यूयॉर्क, 1 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो ने विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों के साथ साझा करने की अपनी विवादास्पद योजना वापस ले ली है। दुनिया भर की प्रमुख फुटबॉल संस्थाओं के तीखे विरोध के बाद इनफैनटिनो को अपने फैसले पर यू-टर्न लेना पड़ा।

इनफैनटिनो ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि विभिन्न पक्षों से बातचीत के बाद यह साफ हो गया कि यह प्रस्ताव फुटबॉल जगत में मतभेद बढ़ा रहा है। ऐसे में इसे आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा।

फीफा अध्यक्ष ने विश्व कप के संचालन और उससे होने वाले राजस्व के लिए करीब 20 अरब डॉलर मूल्य की एक नई कंपनी बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस योजना के तहत निजी निवेशकों को भी इसमें हिस्सेदारी देने की बात कही गई थी। हालांकि प्रस्ताव सामने आते ही दुनिया की कई फुटबॉल संस्थाओं ने इसे विश्व फुटबॉल के व्यावसायीकरण की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए विरोध शुरू कर दिया।

सबसे पहले यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने इस योजना का विरोध किया। यूईएफए के 55 सदस्य देशों ने फीफा के प्रस्ताव के खिलाफ विश्व कप और फीफा की अन्य प्रतियोगिताओं के बहिष्कार तक की चेतावनी दी। इसके बाद उत्तरी अमेरिका की फुटबॉल संस्था कॉनकाकाफ और एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी) भी विरोध में उतर आए। इन संगठनों का मानना था कि विश्व कप जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के मुनाफे में निजी निवेशकों की भागीदारी फुटबॉल के मूल स्वरूप और उसकी स्वायत्तता पर असर डाल सकती है।

विरोध केवल फुटबॉल संगठनों तक सीमित नहीं रहा। इनफैनटिनो के वरिष्ठ सलाहकार और व्हाइट हाउस की एक समिति के पूर्व सदस्य कार्लोस कॉर्डेइरो ने भी इस योजना का विरोध करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे को भी फीफा पर बढ़ते दबाव की बड़ी वजह माना जा रहा है।

लगातार बढ़ते विरोध के बीच इनफैनटिनो ने अपने बयान में कहा, 'सभी पक्षों के विचार जानने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इस योजना ने ऐसे विभाजन पैदा कर दिए हैं, जो इसके मूल उद्देश्य के हित में नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारा उद्देश्य हमेशा फुटबॉल जगत को एकजुट रखना और उसमें सुधार करना रहा है। भविष्य में भी हम इसी दिशा में काम करेंगे। इसलिए यह प्रस्ताव अब आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।' इनफैनटिनो के इस फैसले के साथ फिलहाल विश्व कप के मुनाफे में निजी इक्विटी कंपनियों की भागीदारी की योजना पर पूरी तरह विराम लग गया है।

'आपकी उपलब्धि युवा एथलीटों को प्रेरित करेगी'

पीएम मोदी ने दी पदक विजेताओं को बधाई

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों का दमदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को भारत ने कुल छह मेडल अपने नाम किए। जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर, जबकि यशवीर सिंह ने ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीरज समेत देश के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने डेकाथलॉन स्पर्धा में ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले तेजस्विन शंकर को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय खिलाड़ी लगातार इतिहास रच रहे हैं और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। तेजस्विन शंकर ने ग्लासगो सीडब्ल्यूजी में पुरुषों के डेकाथलॉन इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। उन्होंने 10 इवेंट्स में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्हें बधाई। वे ऐसे ही कामयाबी हासिल करते रहें। मेरी शुभकामनाएं।'

जूडो में भारत को सिल्वर मेडल दिलाने वाली यामिनी मोर्या की भी पीएम मोदी ने प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, 'जूडो की 57 किलोग्राम कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने पर यामिनी मौर्य को बधाई। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और जूडो के प्रति उनका जुनून उनके प्रदर्शन में साफ झलकता है। उनकी इस उपलब्धि से आने वाले समय में कई युवा जूडो की ओर आकर्षित होंगे। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के मेडल की सबसे बड़ी उम्मीद माने जा रहे नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। प्रधानमंत्री ने नीरज को बधाई देते हुए लिखा, 'ग्लासगो में पुरुषों के जैवलिन इवेंट में नीरज चोपड़ा के लिए शानदार सिल्वर। उन्होंने एक बार फिर कमाल की निरंतरता, धैर्य और जोश दिखाया है। उनकी सफलताओं पर हर भारतीय को गर्व है। आगे की कोशिशों के लिए मेरी शुभकामनाएं।'

ऋषभ पंत ने एमएस धोनी के साथ की ट्रेनिंग

रांची में श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले जिम में साथ दिखे दोनों खिलाड़ी

रांची, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी में जुट गए हैं। इस तैयारी के दौरान पंत ने रांची में पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया।

रांची के एक जिम से पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें पंत और धोनी साथ ट्रेनिंग करते नजर आ रहे हैं। इस फोटो में धोनी नीले रंग के ट्रैकसूट में दिख रहे हैं, जबकि पंत ने काली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं।

तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए शाहबाज नदीम ने लिखा, 'भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बेहतरीन फिनिशर ऋषभ पंत और माही भाई।'

हालांकि पंत अभी भारत की व्हाइट-बॉल टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह शुभमन गिल की कप्तानी वाली टेस्ट टीम के अहम सदस्य बने हुए हैं।

28 साल के पंत के लिए IPL 2026 यादगार नहीं रहा। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) की कप्तानी करते हुए उन्होंने 28.36 की औसत और 138.05 के स्ट्राइक रेट से 312 रन बनाए। उनकी कप्तानी में LSG अंक तालिका में 10वें और आखिरी स्थान पर रही। अब पंत की कोशिश श्रीलंका सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर उस निराशा को पीछे छोड़ने की होगी।

पंत आखिरी बार जून 2026 में मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौता टेस्ट खेलते नजर आए थे। इसके बाद वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे। अब श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से उनकी इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी होगी।

पहले आईसीसी और जय शाह पर साधा निशाना

फिर स्कॉट एडवर्ड्स ने कप्तानी छोड़कर चौंकाया

एम्स्टर्डम, 1 अगस्त (एजेंसियां)। नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने अचानक अपने पद से इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया. एडवर्ड्स लंबे समय से नीदरलैंड्स की कमान संभाल रहे थे. विश्व कप 2023 में भी वह टीम के कप्तान थे. नीदरलैंड्स इन दिनों वनडे विश्व कप 2027 के क्वालीफिकेशन राउंड में भाग ले रही है. ऐसे में एडवर्ड्स का अचानक इस्तीफा देना टीम के लिए भी बड़ा नुकसान माना जा रहा है.

संन्यास का फैसला करने के बाद एडवर्ड्स ने अपने बयान में कहा "इस तरह अचानक यह खबर देने के लिए माफी चाहता हूं, लेकिन मैं कप्तानी छोड़ने का फैसला कर रहा हूं. इस बारे में हेड कोच रयान कुक और कुछ बाकी लोगों से बात चल रही थी और मुझे लगता है कि यह फैसला लेने का यही सही समय है. मुझे लगता है कि बतौर खिलाड़ी अभी भी मेरे पास टीम को देने के लिए काफी कुछ है. नीदरलैंड की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात रही और मैं आगे भी ऑरेंज जर्सी पहनकर खेलना जारी रखूंगा."

एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स के लिए 56 वनडे मैच में कप्तानी की, जिसमें नीदरलैंड्स ने 24 मैच अपने नाम किए और 29 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा. इसके अलावा वनडे विश्व कप 2023 में भी नीदरलैंड्स ने साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश को हराकर बड़ा उलटफेर किया था. एडवर्ड्स की जगह पर बास डी लीडे को नीदरलैंड की कप्तानी मिली है.

स्पॉन्सरशिप की जगह टीमों में हिस्सेदारी खरीदने पर फोकस बढ़ा

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई रईस परिवारों और बड़े निवेशकों का खेलों के प्रति नजरिया अब तेजी से बदल रहा है। पहले वे सिर्फ टीमों की जर्सी पर अपना नाम छपवाने (स्पॉन्सरशिप) या चैरिटी आयोजनों तक सीमित रहते थे, लेकिन अब वे सीधे स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी, लीग और खेलों से जुड़ी तकनीक में अपनी हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। निवेशकों को पूरा भरोसा है कि दर्शकों की लगातार बढ़ती संख्या और टीवी-डिजिटल राइट्स की आसमान छूती कीमतों से उन्हें लंबे समय में बहुत बड़ा मुनाफा मिलेगा।

इस नए ट्रेंड की वजह से खेल जगत में निवेश के पुराने सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। नए आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 13 जुलाई तक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्पोर्ट्स से जुड़ी डील 3.69 बिलियन डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपए) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। यह 1980 के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है और पिछले साल के मुकाबले 12 गुना ज्यादा है। चूंकि किसी भी टीम का पूरा मालिकाना हक खरीदना बहुत महंगा और मुश्किल होता है, इसलिए ज्यादातर अमीर परिवार और निवेशक टीमों में थोड़ी हिस्सेदारी (माइनॉरिटी स्टेक) खरीदने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं।

भारत में इस बड़े बदलाव का सबसे सीधा असर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में देखने को मिल रहा है, जहां टीमों की कीमत लगातार आसमान छू रही है। सूत्रों के मुताबिक, लखनऊ सुपर जायंट्स की मालिक गोयनका फैमिली करीब 19 हजार करोड़ रुपए की वैल्यूएशन पर अपनी 5 से 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है और विदेशी निवेशकों ने इसमें काफी दिलचस्पी दिखाई है। इसी तरह, इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों में हिस्सेदारी को लेकर भी बड़ी डील हो चुकी हैं।

खेल जगत में हो रहे इस भारी निवेश के पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि बड़े बैंक और निवेशक इसे 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' प्रूफ बिजनेस मान रहे हैं। इसका मतलब है कि तकनीक के बदलने या शेयर बाजार में मंदी आने का लाइव खेलों के रोमांच पर कोई खास असर नहीं पड़ता।

हिमस्खलन- नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा पाकिस्तान में लापता

10 मेंबर्स के साथ ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे

काठमांडू, 1 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा पाकिस्तान में हिमस्खलन यानी एवलांच की चपेट में आने के बाद लापता हो गए हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंचे ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। पुर्जा के साथ 9 मेंबर थे। शिखर पर चढ़ने की कोशिश के दौरान बर्फीले तूफान ने 10 सदस्यीय टीम को अपनी चपेट में ले लिया। लापता होने वालों में नेपाल के 6, पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन का एक-एक पर्वतारोही शामिल है। इनमें से 4 के शव बरामद कर लिए गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

एवरेस्ट क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक निर्मल पुर्जा के जीपीएस ट्रैकर में हल्की हलचल देखी गई है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि यह तकनीकी खराबी भी हो सकती है।

ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पुर्जा 6,659 मीटर की ऊंचाई पर थे। इसके बाद सुबह 10:18 बजे 800 मीटर की तेजी से गिरावट दर्ज की गई, जो एवलांच के समय से मेल खाती है। नेपाल पर्वतारोहण संघ के पूर्व अध्यक्ष आंग शेरिंग शेरपा ने बताया कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर पहाड़ी इलाके में उतर नहीं पा रहे हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि वे पाकिस्तान में स्थित नेपाली दूतावास के जरिए पाकिस्तानी सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं।

नेपाल के पर्यटन मंत्री खड़क प्रसाद पौडेल ने सोशल मीडिया पर कहा कि वे स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और पर्वतारोहियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के उपाध्यक्ष करार हैदरी ने बताया कि हिमस्खलन के बाद से पूरी टीम से संपर्क टूट गया है। क्लब ने कहा कि वे सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर हर संभव संसाधन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

10 अगस्त तक पूरा करें त्रुटिरहित एसआईआर अभियान : नवीन कुमार

एसआईआर की समीक्षा में निर्वाचन आयोग के सचिव ने दिए सुधार के निर्देश

रंगारेड्डी, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समयसीमा 10 अगस्त तक बढ़ाए जाने के बाद भारत निर्वाचन आयोग के सचिव नवीन कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मिले अतिरिक्त समय का पूरी तरह गुणवत्ता सुधार के लिए उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि अब तक किए गए कार्यों की दोबारा सूक्ष्म जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। शनिवार को रंगारेड्डी जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित एसआईआर कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के सचिव नवीन कुमार का जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सी. नारायण रेड्डी तथा अतिरिक्त कलेक्टर के. किरणमयी और चंद्रारेड्डी ने स्वागत किया। समीक्षा बैठक में नवीन कुमार ने कहा कि अब तक जिला प्रशासन और निर्वाचन कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्य सराहनीय हैं। जिले में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान तथा प्रपत्र भरने के विशेष शिविरों से लोगों का निर्वाचन प्रक्रिया पर विश्वास बढ़ा है। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में राज्य के औसत की तुलना में जिले में डिजिटलीकरण की गति कम थी, इसलिए प्रगति की समीक्षा के लिए वह जिले का दौरा कर रहे हैं। अब निर्वाचन आयोग द्वारा सात दिन का अतिरिक्त समय दिए जाने के बाद पहले से डिजिटाइज किए गए गणना प्रपत्रों की बूथ स्तर अधिकारी

(बीएलओ) फिर से बारीकी से जांच करें और यह सुनिश्चित करें कि विवरण, फोटो तथा दस्तावेज अपलोड करने में कोई त्रुटि न हो। उन्होंने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) तथा सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) को आकस्मिक निरीक्षण कर गुणवत्ता की पुष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया अत्यंत सावधानी से पूरी की जाए। प्रत्येक मतदान केंद्र का अधिकारी स्वयं निरीक्षण करें और निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहां सरकारी भवन उपलब्ध हों वहीं मतदान केंद्र बनाए जाएं और केवल अत्यावश्यक स्थिति में ही निजी भवनों का उपयोग किया जाए। उन्होंने मृत, स्थानांतरित अथवा पहचान से बाहर मतदाताओं का पुनः क्षेत्रीय सत्यापन कर उनके परिवार तथा स्थानीय जानकारी के आधार पर पुष्टि करने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में आपत्तियों और नोटिसों की संख्या कम हो सके। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों की नियुक्ति कर कार्यभार का प्रभावी प्रबंधन करने को भी कहा। नवीन कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग को शिकायतें मिल रही हैं कि मतदाता सूची में नाम खोजने में कठिनाई हो रही है तथा कई स्थानों पर बीएलओ उपलब्ध नहीं रहते। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में बीएलओ लोगों को पूरा सहयोग दें, आवश्यक आवेदन स्वीकार करें और निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराएं। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर के. किरणमयी, चंद्रारेड्डी, जोनल आयुक्त, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारी, निर्वाचन विभाग के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसआईआर कार्यक्रम पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ संचालित : जिला कलेक्टर

रंगारेड्डी , 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले में एसआईआर कार्यक्रम पारदर्शिता और गुणवत्ता को प्राथमिकता देते हुए संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 3,501 मतदान केंद्र और 36,99,743 मतदाता हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसतन 1,056 मतदाता हैं। शेरिलिंगमपल्ली, एल.बी. नगर, राजेंद्रनगर और महेश्वरम जैसे शहरी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या अधिक होने के कारण मैपिंग प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। कुछ गांव और मतदान केंद्र दो जिलों की सीमा में होने से विशेष समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 63.53 प्रतिशत मैपिंग पूरी हो चुकी है और शेष कार्य तेजी से किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी प्रगति दर्ज हुई है जबकि शहरी क्षेत्रों में लंबित मैपिंग, विसंगतियों, डुप्लीकेट तथा बिना मैपिंग वाले मामलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा गणना प्रपत्र जमा करने की समयसीमा 10 अगस्त तक बढ़ाए जाने से जिले को काफी सुविधा मिली है और इस अतिरिक्त समय का उपयोग प्रत्येक मामले की गहन जांच के लिए किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने कहा कि बीएलओ और बीएलए के साथ मिलकर लंबित मामलों का संयुक्त सत्यापन किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर मतदाताओं से सीधे संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जाएगी। उन्होंने बताया कि राजनीतिक दलों के साथ पहले ही व्यापक बैठकें कर भ्रम दूर किया जा चुका है और अब पुनः ईआरओ स्तर पर बैठकें आयोजित कर शेष प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। गेटेड कम्युनिटी से दूर स्थित मतदान केंद्रों को यथासंभव उन्हीं परिसरों में स्थापित करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है ताकि मतदाताओं को अधिक सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम की शुरुआत से ही जिले में व्यापक जागरूकता अभियान, विशेष शिविर और प्रपत्र भरने के मेले आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे लोगों की अच्छी भागीदारी मिली है। प्रत्येक पात्र मतदाता का विवरण निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी शुद्धता के साथ दर्ज कर विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा। समीक्षा बैठक के बाद भारत निर्वाचन आयोग के सचिव नवीन कुमार ने अतिरिक्त कलेक्टर के. किरणमयी के साथ कोंगरा, बोंगुलूर तथा एल.बी. नगर क्षेत्रों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ से बातचीत कर प्रक्रिया के संचालन, सामने आ रही समस्याओं तथा लोगों की प्रतिक्रिया की जानकारी ली।

अयोध्या दान चोरी मामले की सीबीआई जांच हो वीएच

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव (वीएच) ने अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के दान की कथित चोरी के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मंदिरों में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं और इस घटना से भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं।

वीएच ने कहा कि संसद परिसर में इस मुद्दे को लेकर राहुल गांधी और पप्पू यादव द्वारा किया गया प्रदर्शन सराहनीय रहा। उनका कहना था कि देशभर के श्रद्धालुओं को अयोध्या मंदिर के दान से जुड़े मामले पर सवाल उठाने चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि श्रद्धालु प्रत्येक मंदिर के सामने मौन धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराएं। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवान राम के साथ अन्याय हुआ है, फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। वीएच ने कहा कि वह इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच पर उन्हें भरोसा नहीं है और पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराई जानी चाहिए।

नामित पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू, सभी रिक्त पद जल्द भरे जाएंगे : तुम्मला

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य में नामित पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियुक्तियां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्णयों के अनुरूप की जाएंगी। गांधी भवन में आयोजित बैठक में मंत्री ने कहा कि रविवार को सभी जिलों में प्रभारी मंत्री बैठकें आयोजित करेंगे। इन बैठकों में प्रभारी मंत्री, विधायक और जिला प्रभारी आपसी समन्वय से इच्छुक दावेदारों के नाम अंतिम रूप देकर प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) को भेजेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार निगम अध्यक्षों, विभिन्न नामित पदों, सहकारी समितियों तथा निदेशक मंडलों के सभी रिक्त पदों को चरणबद्ध तरीके से भरेगी। इसी दौरान मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और राज्यसभा सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी ने गांधी भवन में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से मुलाकात की।

ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने हुसैनीआलम पुलिस के समन्वय से दो नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार कर और 13.24 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों को जब्त करके एक नशीले पदार्थों की आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने हैदराबाद के रहने वाले ड्रग तस्कर मोहम्मद सैफ (31) और मुंबई के समीर बाबूभाई वाघेला (25) को गिरफ्तार किया है, जिन पर शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी करने का संदेह है। इस अभियान के दौरान टीम ने 120 ग्राम हाइड्रोपोनिक कैनबिस (ओजी), पांच ग्राम कोकीन, 27 एलएसडी ब्लॉट, दो मोबाइल फोन और मारुति सुजुकी बलेनो कार जब्त की। पुलिस के अनुसार, सैफ कथित तौर पर मुंबई स्थित आदित्य नामक एक फरार आपूर्तिकर्ता से नशीले पदार्थ प्राप्त करता था, जिसमें समीर ट्रांसपोर्टर की भूमिका निभाता था। बताया जाता है कि इन नशीले पदार्थों को हैदराबाद के एक स्थानीय नेटवर्क के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर विलासितापूर्ण जीवन शैली को चलाने के लिए प्रतिबंधित वस्तुओं को ऊंचे दामों पर बेचा। जांचकर्ता तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी रखे हुए हैं। हैदराबाद पुलिस ने नागरिकों से मादक पदार्थों के दुरुपयोग और तस्करी के प्रति सतर्क रहने की अपील की है और अभिभावकों से अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने का आग्रह किया है। जनता को मादक पदार्थों से संबंधित जानकारी देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है और आश्वासन दिया गया है कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

काजीपेट और वारंगल स्टेशनों पर अवैध फेरीवालों के खिलाफ रेलवे का अभियान तेज

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की सुरक्षा, खाद्य पदार्थों की स्वच्छता तथा रेलवे स्टेशनों पर साफ-सफाई और सुव्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल ने काजीपेट और वारंगल रेलवे स्टेशनों पर अवैध फेरीवालों के खिलाफ विशेष अभियान तेज कर दिया है। 28 से 31 जुलाई के बीच चलाए गए अभियान में कुल 33 अवैध फेरीवालों एवं विक्रेताओं को पकड़कर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई। रेलवे की वैध अनुमति, पहचान पत्र अथवा निर्धारित दस्तावेजों के बिना सामान बेचते पाए गए कई लोगों को आवश्यक कार्रवाई के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के हवाले किया गया। यह अभियान वाणिज्य विभाग ने रेलवे सुरक्षा बल के साथ समन्वय स्थापित कर चलाया। दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा है कि यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ, स्वास्थ्यकर और सुव्यवस्थित यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए ऐसे प्रवर्तन अभियान और सतत निगरानी आगे भी जारी रहेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य पदार्थों तथा अन्य वस्तुओं की खरीद केवल रेलवे के अधिकृत विक्रेताओं से ही करें।

ज़ू देखने के लिए टिकट के दाम बढ़े

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 15 महीनों से ज़्यादा के समय में, यहाँ नेहरू ज़ूलॉजिकल पार्क के एंट्री टिकट के दाम दो बार बढ़ाए गए हैं। बढ़ी हुई दरों के अनुसार, बड़ों और बच्चों को एंट्री के लिए क्रमशः 120 रुपये और 60 रुपये देने होंगे, जबकि पहले यह दाम 100 रुपये और 50 रुपये थे। पहली बार, सभी सेवाओं के लिए विदेशियों के लिए अलग दाम तय किए गए हैं, जिसमें एंट्री टिकट 1,000 रुपये का होगा।

नई दरें 1 अगस्त से लागू हो गई है। दरें बढ़ाने का फ़ैसला ज़ूज़ एंड पार्क्स अथॉरिटी ऑफ़ तेलंगाना की 15वीं गवर्निंग बॉडी मीटिंग में लिया गया।

अधिकारियों ने कहा, ज़ू को हर साल दाम 10 प्रतिशत तक बढ़ाने की इजाज़त है। इसी के अनुसार दाम बढ़ाने का फ़ैसला किया। इसके अलावा, टॉय ट्रेन की सवारी के लिए अब बड़ों को 90 रुपये और बच्चों को 45 रुपये देने होंगे, जबकि पहले यह दाम 80 रुपये और 40 रुपये थे। साथ ही, जानवरों की फ़ोटो लेना भी महंगा हो गया है क्योंकि स्टिल कैमरा इस्तेमाल करने का चार्ज 150 रुपये से बढ़कर 500 रुपये हो गया है। हालाँकि, वीडियो कैमरा चार्ज 2,500 रुपये से घटाकर 500 रुपये कर दिया गया है, जबकि मूवी कैमरा इस्तेमाल करने का चार्ज 10,000 रुपये ही रहेगा। लेंस और ट्राइपॉड सेटअप वाले कैमरे के लिए इस्तेमाल का चार्ज तय किया गया है। अधिकारियों ने बैटरी से चलने वाली गाड़ियों का किराया भी बढ़ा दिया है। बड़ों और बच्चों के लिए किराया क्रमशः 120 और 70 से बढ़ाकर 135 और 75 कर दिया गया है। 11-सीटर बैटरी-ऑपरेटेड गाड़ी का किराया 3,000 से बढ़ाकर 3,300 कर दिया गया है, जबकि 14-सीटर बाव का किराया अब 4,000 की जगह 4,400 होगा। इस बीच, नेहरू ज़ूलॉजिकल पार्क के डिप्टी डायरेक्टर (वेटनरी) डॉ. एम.ए. हकीम गुरुवार को ज़ू परिसर में आयोजित एक समारोह में रिटायर हो गए।

दो बेडरूम मकान आवंटन के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी दो बेडरूम (2बीएचके) डिग्निटी हाउसिंग योजना के तहत मकान आवंटन आदेश की फर्जी प्रतियां तैयार कर लोगों से ठगी करने वाले एक आरोपी को हैदराबाद पुलिस की आयुक्त टास्क फोर्स जुबली हिल्स जोन टीम और मुगलपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 52 फर्जी दस्तावेज और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सैयद सलमान, निवासी चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद के रूप में हुई है। आरोपी पेशे से कैब चालक है। पुलिस के अनुसार आरोपी सैयद सलमान ने आर्थिक परेशानियों के कारण लोगों को ठगने की योजना बनाई। उसने सरकारी दो बेडरूम मकान योजना में आवंटन दिलाने का झांसा देकर निर्दोष लोगों से पैसे ऐंठे। आरोपी पहले कुछ समय तक मीसेवा केंद्रों में काम करता था। बाद में वह किशनबाग स्थित अब्राम मॉडल स्कूल में सहायक के रूप में कार्य करने लगा। इसी दौरान उसकी पहचान स्कूल प्रभारी अस्मा सुल्ताना से हुई। आरोपी ने उसे झूठा विश्वास दिलाया कि कलेक्टर कार्यालय के अधिकारियों से उसके करीबी संबंध हैं और वह अपने प्रभाव से दो बेडरूम मकान का आवंटन करा सकता है। उसने मकान आवंटन कराने के नाम पर पैसे की मांग की। आरोपी की बातों पर विश्वास करते हुए अस्मा सुल्ताना और उसके परिवार के सदस्यों ने मकान आवंटन के लिए उससे संपर्क किया। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग अवसरों पर आरोपी को कुल 1.50 लाख रुपये दिए। आरोपी ने योजना की प्रक्रिया के नाम पर उनके आधार कार्ड की प्रतियां और पासपोर्ट आकार के फोटो भी ले लिए। इसके बाद आरोपी ने पीड़ितों को फर्जी और जाली आवंटन आदेश की प्रतियां देकर झूठा दावा किया कि उनके मकान आवंटित हो चुके हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने इसी तरीके से 50 से अधिक लोगों को ठगा और उनसे लाखों रुपये वसूलकर निजी खर्चों में इस्तेमाल कर लिए। आरोपी की गिरफ्तारी जुबली हिल्स जोन टास्क फोर्स निरीक्षक सी. यदेंद्र, उपनिरीक्षक मोहम्मद जाहिद और टास्क फोर्स टीम के कर्मचारियों ने मुगलपुरा पुलिस के साथ मिलकर की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.